ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पेन ड्राइव मामले में महिलाओं को ब्लैकमेल किया तो होगी सख्त कार्रवाई : परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 10 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-130

आरएसएस नाम का फर्जी संगठन बना कर किया जा रहा दुष्प्रचार

फर्जी वीडियो, फर्जी आरएसएस... सारे हथकंडे आजमा रहे 'इंडी'

शैतानी हरकतों में शामिल तत्वों की पहचान हुई, गिरफ्तारी नहीं

कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल कुछ दलों ने लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए सारे हथकंडे इस्तेमाल किए। इसकी तैयारियां पहले से चल रही थीं। इन्हें लोकसभा चुनाव के मौके पर आजमाया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो हो या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम से फर्जी संगठन बना कर तरह-तरह के प्रचार और पर्चे छाप कर बांटे जाने लगे। पुलिस के आला अधिकारी आरएसएस नाम का संगठन बना कर दुष्प्रचार किए जाने को फ्रॉडगीरी का चरम बताते हैं। संघ के नाम का संगठन बना कर विपक्षी एजेंडा चलाने वाले सरगना जनार्दन मून और मुहम्मद पाशा समेत कई लोगों का पता चला लेकिन उनकी गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई है।

छद्मी सेकुलर तत्व भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बदनाम करने के लिए सारे हथकंडे अपनाते हैं। इसके लिए इन लोगों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नामक एक संगठन ही बना लिया है। जनार्दन मून राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संस्थापक अध्यक्ष बना हुआ है। वह जगह-जगह कार्यक्रम करता है और डॉ. हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बदनाम कर रहा है। उसने शैतानी की हदें पार कर दीं। उसने नागपुर में बाकायदा संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर यह घोषणा की कि लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कांग्रेस का समर्थन करने का निर्णय लिया है। आप समझ सकते हैं कि इन तत्वों की मंशा लोकसभा चुनाव को लेकर क्या थी। खूबी यह है कि संघ के खिलाफ हो रहा षडयंत्र संघ मुख्यालय के जनपद नागपुर में ही हो रहा था।

शुभ-लाभ चिंता

जालसाज मून और पाशा के खिलाफ नागपुर के सीताबर्डी थाने में मुकदमा भी दर्ज हुआ है, लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

लोकसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच ही जनार्दन मून और पाशा एवं उसके पीछे बैठे इंडी तत्वों ने अपनी गतिविधियां तेज कर दीं। इन्हीं हरकतों में शामिल थी संघ द्वारा कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा। इस फर्जी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में संघ कांग्रेस का समर्थन कर रहा है। जालसाजों का दुस्साहस इतना कि प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो भी यूट्यूब पर अपलोड कर दिया गया। नतीजतन पूरे देश में यह भ्रम फैलने लगा कि संघ कांग्रेस का समर्थन कर रहा है। अखबार वालों का स्तर देखिए कि उन्हें फर्जी संघ की करतूत पता नहीं चली और अखबारों में खबरें भी छाप दीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने निर्वाचन आयोग से इस फर्जीवाड़े के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।ऐसी हरकत पहली बार नहीं हुई है। आरएसएस के नाम का इस्तेमाल करने और संगठनों की छवि खराब करने के लिए फर्जी बातें फैलाने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं। कुछ ही अर्सा पहले इंदौर पुलिस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और बजरंग दल के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री वाले पर्चे बांटने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया था। कुछ दिनों पहले आरएसएस ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में आरएसएस के बारे में फर्जी खबर छापने और फैलाने के लिए तीन प्रमुख समाचार पत्रों के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई थी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के नाम का भी फर्जी पत्र प्रसारित कर देश में माहौल खराब करने की भी कोशिश की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट चिंताजनक

तेजी से घट रहे हिंदू तेजी से बढ़ रहे मुस्लिम

65 साल में मुस्लिम आबादी 43.15% बढ़ी

65 साल में हिंदुओं की आबादी 7.8 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के एक अध्ययन से पता चला है कि 1950 से 2015 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी में 7.8 फीसदी की तेजी से गिरावट आई है। इस आंकड़े के सामने आते ही राजनीतिक गलियारे में हलचल मच गई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। अब भाजपा ने इस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उसका कहना है कि अगर देश कांग्रेस के हवाले कर दिया गया तो हिंदुओं के लिए कोई देश नहीं बचेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने बुधवार को ईएसी-पीएम की रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा, 1950 से 2015 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी में 7.8 फीसदी की कमी आई है।

वहीं, मुस्लिम आबादी में 43.15 फीसदी की वृद्धि हुई है। कांग्रेस के दशकों के शासन ने हमारे साथ यही किया है।

जनसंख्या कानून ही एकमात्र उपाय है

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट से देश में सियासत गर्म होने लगी है। सियासी गलियारों से लेकर सामाजिक स्तर तक यह कहा जाने लगा है कि अगर हिंदुओं की आबादी कम हो रही है तो जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाए जाने की तैयारी की जानी चाहिए। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि जब अभी तक जनगणना नहीं हुई है, तो यह आंकड़े कितने आधिकारिक हैं और कितने मान्य हैं।

तेलंगाना के भोंगिर में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

तेलंगाना में मुस्लिम तुष्टिकरण का 'एबीसी' त्रिकोण

ए-एआईएमआईएम
बी-बीआरएस
सी-कांग्रेस : (ए-बी-सी)

तेलंगाना को इस्लाम के आधार पर चलाना चाहते हैं इंडी दल

भोंगिर (तेलंगाना), 09 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को तेलंगाना के लोगों से 10वीं लोकसभा में भाजपा को आशीर्वाद देने की अपील की और तेलंगाना को देश में नंबर एक राज्य बनाने का वादा किया।

भोंगिर लोकसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना से दोहरे अंकों में विजय मिलने से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को देश भर में 400 का आंकड़ा पार करने में मदद करेगी। 2019 के चुनावों में तेलंगाना के लोगों ने हमें चार सीटें दीं। हम इस बार 10 से अधिक सीटें जीतेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि अब तक हुए तीन चरणों के चुनाव में पार्टी 200 के करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच है। उन्होंने कहा, यह चुनाव जिहाद के लिए वोट बनाम विकास के लिए वोट, एक परिवार के कल्याण बनाम लोगों के कल्याण और राहुल गांधी की चीनी गारंटी बनाम मोदी की भारतीय गारंटी के बारे में है।

अमेरिकी मीडिया ने कहा, भारत आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर

पीएम मोदी भारत को दे रहे नया आकार

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। भारत 21वीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है और आने वाले दशकों में वह यह मुकाम हासिल कर लेगा। भारत निवेशकों और आपूर्ति श्रृंखला के जोखिमों को कम करने के लिए चीन के विकल्प के तौर पर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कारोबारी मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

यह दावा अमेरिकी मीडिया सीएनएन की ताजा रिपोर्ट में किया गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि विकास को बढ़ावा देने के लिए

पीएम मोदी सरकार ने सड़कों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और रेलवे के निर्माण पर अरबों खर्च करके बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में बदलाव का कार्य शुरू किया है। भारत डिजिटल कनेक्टिविटी को भी काफी बढ़ावा दे रहा है, जिससे वाणिज्य और दैनिक जीवन दोनों में सुधार हो सकता है। देश इस क्रांति की ओर बढ़ रहा है। अडाणी और अंबानी दोनों इसमें अहम सहयोगी बन गए हैं। 2023 में 3.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसने पीएम मोदी के कार्यकाल के एक दशक के दौरान रैंकिंग में चार स्थानों की छलांग लगाई और ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया।

लोकसभा चुनाव 2024

चक्रव्यूह में आंध्र प्रदेश के धुरंधर

अमरावती, 09 मई (एजेंसियां)। सिद्धम। तेलुगु के इस शब्द का अर्थ है तैयार। विजयवाड़ा से विशाखापत्तनम और तिरुपति तक आंध्र प्रदेश में जगह-जगह सिद्धम के पोस्टर या बैज लगाए लोग दिखते हैं। चुनावी जंग में विपक्ष के सियासी चक्रव्यूह को मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी मेमंता-सिद्धम (हम तैयार हैं) नारे के साथ तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, 2019 के चुनाव में एकतरफा जीत दर्ज करने वाले जगन इस बार चारों ओर से घिरे हैं। उनकी युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के खिलाफ चंद्रबाबू की तेलुगु देशम पार्टी

(टीडीपी) भाजपा और फिल्म स्टार पवन कल्याण की जन सेना को साथ लेकर मैदान में हैं। सीएम की सगी बहन भी उन्हें चुनाव मैदान में चुनौती दे रही है। ऐसे में सिद्धम नारे से जगन रेड्डी यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि वह जनता के सहारे इन सबसे लड़ने को तैयार हैं। लेकिन एंटी इनकंबेंसी, जातीय समीकरण और विपक्ष की मोर्चाबंदी उनके सामने बड़ी चुनौती है। आंध्र में 13 मई को लोकसभा के साथ विधानसभा का भी चुनाव है। इस चुनाव में विरासत की जंग, पारिवारिक ड्रामा, बदले की राजनीति, लोकलुभावन स्कीमों और बदले जातीय समीकरणों के बीच जगन मोहन रेड्डी और चंद्रबाबू नायडू में कड़ी टक्कर है। पिछला चुनाव अकेले लड़ी टीडीपी को इस बार भाजपा के साथ जन सेना का सहारा है। सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी पांच साल के कार्यों खास तौर पर डायरेक्ट बेनिफिट स्कीमों दम पर जीत का दंभ भर रही है। खास यह है कि दोनों राष्ट्रीय दल भाजपा एवं कांग्रेस दक्षिण के दिग्गजों के वारिसों के सहारे आंध्र में सियासी जमीन तलाश रहे हैं। भाजपा एनटी रामाराव की बेटी डी पुरंदेश्वरी और कांग्रेस वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला की अगुवाई में ताल ठोक रही है। वाईएस शर्मिला सीएम जगन रेड्डी की सगी बहन हैं। भाई को ललकार रहीं शर्मिला ने आंध्र के सियासी अखाड़े को और रोचक बना दिया है।टीडीपी, जनसेना व भाजपा गठबंधन प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी, चंद्रबाबू नायडू के पूर्व के कार्यों और जगन सरकार की नाकामियों को लेकर मैदान में है।

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,140/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 85,675/-
(प्रति किलोग्राम)

अकबरुद्दीन ओवैसी बनाम नवनीत राणा : 15 मिनट बनाम 15 सेकंड

असदुद्दीन ओवैसी ने तब क्यों नहीं किया था भाई के बयान का विरोध?

जैसे को तैसा... फिर दुख कैसा?

हैदराबाद, 09 मई (एजेंसियां)। चुनावी माहौल में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अपने विवादास्पद बयानों और प्रतिकारात्मक जवाबों के कारण चर्चा में बने रहना चाहते हैं। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने कुछ अर्सा पहले हिंदुओं को धमकी देते हुए कहा था, अगर 15 मिनट के लिए पुलिस हटा ली जाए तो हम दिखा देंगे कि हम क्या हैं। अकबरुद्दीन के उस विवादास्पद बयान का अब जवाब देते हुए भाजपा की नेता नवनीत राणा ने कहा, छोटे भाई साहब आपको तो 15 मिनट लगेंगे, लेकिन हमें सिर्फ 15 सेकेंड लगेंगे। 15 सेकेंड के लिए अगर पुलिस हटी तो छोटे-बड़े को यह पता भी नहीं चल पाएगा कि वे कहां से आए और कहां गए। नवनीत राणा के इस जवाबी बयान पर एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कहा कि नवनीत राणा समझ गई हैं कि वह बुरी तरह से हार रही हैं, इसलिए यह सब बकवास कर रही हैं।

हैदराबाद से भाजपा प्रत्याशी

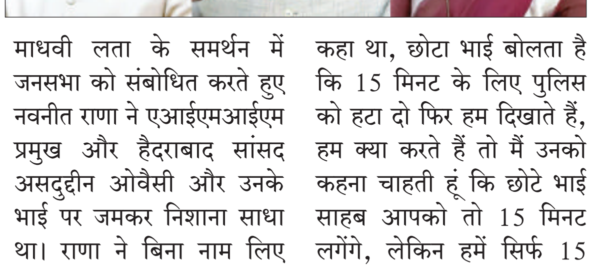

माधवी लता के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए नवनीत राणा ने एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई पर जमकर निशाना साधा था। राणा ने बिना नाम लिए कहा था, छोटा भाई बोलता है कि 15 मिनट के लिए पुलिस को हटा दो फिर हम दिखाते हैं, हम क्या करते हैं तो मैं उनको कहना चाहती हूं कि छोटे भाई साहब आपको तो 15 मिनट लगेंगे, लेकिन हमें सिर्फ 15 सेकेंड लगेंगे। 15 सेकेंड के लिए अगर पुलिस को हटाया तो छोटे-बड़े को यह पता भी नहीं चल पाएगा कि वे कहां से आए और कहां गए। नवनीत राणा ने इस भाषण का वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। साथ ही उन्होंने इसमें दोनों ओवैसी बंधुओं को भी टैग किया है। भाजपा नेता नवनीत राणा ने यह भी कहा था कि अगर आप एआईएमआईएम और कांग्रेस को वोट देते हैं, तो यह सीधे पाकिस्तान चला जाता है। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कहा, अगर पुलिस को 15 सेकंड के लिए हटा दिया जाए तो आप क्या करेंगे? सभी मुस्लिमों को मार डालेंगे? पुलिस प्रशासन क्या कर रहा है? अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

चुनाव आयोग क्या कर रहा है? क्या चुनावों में ऐसे बयानों की अनुमति है? हम चाहेंगे कि चुनाव आयुक्त इस बयान पर संज्ञान लें और कड़ी कार्रवाई करें। वारिस पठान ने यही सवाल अकबरुद्दीन ओवैसी से नहीं पूछी थी।

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 22^0

वीतराग पथ पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभा जी एवं साध्वी उदित यशा जी के पावन सानिध्य और अभातेयुप के निर्देशन में तेयुप राजाजीनगर द्वारा बेंगलूरु स्तरीय वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में राजाजीनगर में किया गया। सामूहिक नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। भिक्षु श्रद्धा स्वर समुह द्वारा विजय गीत का संगान किया गया। राजाजीनगर सभा अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी एवं तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी का स्वागत किया।

साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने फरमाया कि हम सब का परम लक्ष्य राग से वीतराग की ओर कैसे बढ़े एवं संयम मय जीवन कैसे जिये इस पर चिंतन होना चाहिए। तभी हम वीतराग पथ की ओर अग्रसर हो सकते हैं। पहले अभिभावक अपने दैनिक जीवन में धर्म के प्रति जागरूक बने जिसे देखकर बच्चे आगे बढ़ सकते हैं। साध्वी ने सरल उदाहरण के माध्यम से वीतरागता की ओर कैसे बढे इस पर जानकारी प्रदान की। साध्वी उदित यशा जी ने हुए फरमाया कि कैसे उन्होंने अपने जीवन में सयंम का बीज बोया जिससे उनके साथ स्वयं के परिवार से छः ओर दीक्षाएं हुई। जीवन में हमको सही राह धर्म के मार्ग पर बढ़ने से मिलेगी एवं हम परम लक्ष्य की प्राप्ति कर सकते हैं।

साध्वी दीक्षा प्रभाजी ने अपने दीक्षा एवं वैराग्य संबंधित जानकारी प्रदान की। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए साध्वी जी से वीतराग एवं दीक्षा संबंधित कुछ प्रश्नों के उत्तर हेतु निवेदन किया। अभातेयुप बेंगलूरु संभाग प्रमुख अमित दक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अभिभावकों से बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़ने हेतु निवेदन किया। कार्यशाला में लगभग 160 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति रही। लगभग 50 से अधिक श्रावक-श्राविकों ने अपने परिवार में अगर कोई वीतराग पथ पर आगे बढ़ते हे तो उनको नहीं रोकना का संकल्प लिया। इस अवसर पर राजस्थान सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक लादूलाल पितलिया, सभा पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पितलिया, राजाजीनगर सभा परिवार, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी एवं पूरी टीम, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष राकेश पोकरना, तेयुप गांधीनगर मंत्री रोहित कोठारी, बेंगलूरु की युवा शक्ति एवं श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन एवं आभार राजेश देरासरिया ने किया।

विराग मुनि के संयम दशक वर्ष के तहत महोत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूज्य विनय कुशल मुनि जी के सुशिष्य पूज्य विराग मुनि, पूज्य भव्य मुनि जी, साध्वी जयशिशु विरतीयशा श्री जी, पूज्य विनम्रयशा श्रीजी के संयम ग्रहण का दशक वर्ष दिवस कैवल्य धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बेंगलूरु से भी अनेक श्रद्धालु कैवल्य धाम पहुंचे और गुरु भगवन्तों को संयम दशक वर्ष की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए दर्शन वन्दन किए।

ललित डाकलिया ने बताया कि चारों मुमुक्षुओं की जैन भागवती दीक्षा करोड़ों रुपए की सम्पत्ति का त्याग करके डाकलिया परिवार से आज से दस वर्ष पूर्व आज ही के दिन राजस्थान के पाली शहर में पूज्य विनय कुशल मुनि जी के कर कमलों से बहुत ही हर्षोल्लास से सम्पन्न हुई थी।

विराग मुनि जी के सांसारिक पिता गौतम चंद डाकलिया ने बताया कि पिछले वर्ष आपने 171 उपवास की दीर्घ तपस्या की थी जिसका पारणा अभिग्रह फलित होने पर बालाघाट में सम्पन्न हुआ था। उस समय खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी ने आपको 'तप चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की थी। आज संयम दशक वर्ष पर भी गुरुवर के दीर्घ उपवास जारी है और आगे समय आने पर पारणा करेंगे। इस अवसर पर सांसारिक परिवार द्वारा गुरुवर और गुरुवर्या को काम्बली ओढ़ाई गई और केसर छांटना किया गया। इसी के साथ अक्षय तृतीया पर्व पर पूज्य गणाधीश पन्यास प्रवर श्री विनय कुशल मुनि जी के वर्षीतप का पारणा भी सम्पन्न होगा तथा मेडिकल कॉलेज और करोड़ों की सम्पत्ति के मालिक छोटी वय के मुमुक्षु अरिहंत जैन की जैन भागवती दीक्षा के मुहुर्त की भी घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर डाकलिया परिवार के सदस्यों के साथ देशभर से अनेक भक्तगण कैवल्य धाम पहुंच रहे हैं।

हिंदू आबादी में गिरावट चिंता का विषय है: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि ने 1950 से 2015 के बीच हिंदू आबादी में गिरावट और मुस्लिम आबादी में बढ़ोतरी पर चिंता जताई है। यहां गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के कारण अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के निर्माण जैसे उदाहरणों की ओर इशारा करते हुए ऐसे बदलावों के ऐतिहासिक परिणामों को नजरअंदाज करने के खिलाफ चेतावनी दी। रवि ने इस बात पर जोर दिया कि जनसांख्यिकीय बदलाव से असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है और संविधान की स्थिरता को खतरा हो सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि जनसंख्या जनसांख्यिकी में बदलाव जारी रहा, तो सांस्कृतिक और धार्मिक स्वतंत्रता का नुकसान हो सकता है, त्योहार और उत्सव विशिष्ट समूहों के नियंत्रण में आ जाएंगे। उन्होंने गौहत्या और लव जिहाद जैसे मुद्दों के अनियंत्रित होने पर भी चिंता जताई। इन चिंताओं के आलोक में, भाजपा नेता ने दो समाधान प्रस्तावित किये। सबसे पहले, उन्होंने धार्मिक रूपांतरणों को रोकने और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के खिलाफ प्रतिरोध को प्रोत्साहित करने के लिए सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की वकालत की। दूसरे, उन्होंने इन मुद्दों के समाधान के लिए विधायी उपायों का आह्वान किया और सुझाव दिया कि सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाए जाने की जरूरत है। रवि ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे क्षेत्रों के ऐतिहासिक महत्व को भूलने के प्रति आगाह किया, जो कभी भारत का हिस्सा थे, और भारत के विभाजन की वास्तविकताओं और शरणार्थियों की दुर्दशा के बारे में भावी पीढ़ियों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य में इसी तरह की चुनौतियों से बचने के लिए ऐतिहासिक घटनाओं को स्वीकार करने और उनसे सीखने के महत्व पर जोर दिया।

राज्य में लोगों को पीने का पानी नहीं, सीएम रिसॉर्ट में बैठकर जूस पी रहे: आर.अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य में पीने का पानी नहीं है। मवेशियों के लिए चारा नहीं है। लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो रिसॉर्ट में अच्छी हवा, एसी और जूस का आनंद ले रहे हैं। क्या आप अकेले मौज-मस्ती करना चाहते हैं? इसे जनता को कब दिया जायेगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सीएम सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री से सवाल पूछा है। हमें उस पर कोई आपत्ति नहीं है। उससे पहले लोगों को न्यूनतम सुविधाएं दें। यदि आप स्वयं हर चीज का मजाक उड़ाएंगे, तो जिन लोगों ने आपको वोट दिया और जीत हासिल की, उन्हें क्या करना चाहिए?

कम से कम लोगों को पीने का साफ पानी दो। उन्होंने कहा कि दूध प्रोत्साहन राशि कौन जारी करेगा, एम्बुलेंस चालकों को भुगतान कौन करेगा, रिसॉर्ट में आराम से बैठ कर प्रशासनिक मशीनरी चलाएंगे तो कैसे चलेगा। मरीजों को एंबुलेंस सुविधा नहीं मिलने से संघर्ष करना पड़ रहा है। संबंधित मंत्री यह भी नहीं पूछ रहे हैं कि उनकी न्यूनतम मांगें क्या हैं। सीएम समेत सभी लोग मौज कर रहे हैं। उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि विधान सौधा पर ताला लगा देना चाहिए। नारियल उत्पादकों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। दो लाख बच्चे आंगनबाड़ियों में शामिल नहीं होते क्योंकि उन्हें उचित भोजन नहीं दिया जा रहा है। सीईटी प्रश्न पत्र मुद्दे के कारण छात्रों का भविष्य अनिश्चित है।

बेंगलूरु के ठेकेदारों ने काम करना बंद कर दिया है, राज्य में हिंदुओं की हत्या हो रही है लेकिन आप रिसॉर्ट में आराम से हैं। आप 20 दिन के चुनाव प्रचार में गए लेकिन मोदी ने 10 साल में एक भी छुट्टी नहीं ली, आप रिसॉर्ट में बैठे हैं और मौज कर रहे हैं। भले ही उनकी मां का निधन हो गया, प्रधानमंत्री मोदी ने अपना कर्तव्य नहीं छोड़ा। सिद्धरामैया का मोदी से कोई तुलना नहीं। इसी नीति पर चलने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनके रंग के कारण ट्रेन से उतारने का उदाहरण है, बाबा साहब अंबेडकर को भी नस्लीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा था।

उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस सैम पित्रोदा के जरिए ऐसा कर रही है। राज्य में ओक्कालिगा, लिंगायत और दलितों को क्या रंग देगी कांग्रेस? इससे पहले अशोक ने दावा किया था कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के बेटे एच.डी. रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद वोक्कालिगा समुदाय कांग्रेस के खिलाफ हो जाएगा। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, भाजपा नेता अशोक ने दावा किया कि जिस तरह दिवंगत सीएम वीरेंद्र पाटिल के साथ पार्टी द्वारा अन्याय किए जाने के बाद लिंगायत समुदाय कांग्रेस के प्रति शत्रुतापूर्ण हो गया, उसी तरह वोक्कालिगा समुदाय और पीएम एचडी देवेगौड़ा के साथ अन्याय के बाद वोक्कालिगा भी आने वाले दिनों में कांग्रेस के विरोधी हो जाएंगे। एच.डी. रेवन्ना का मामला और उनके बेटे प्रज्वल रेवन्ना का मामला अलग-अलग है। प्रज्वल के मामले की जांच की जा रही है और इसमें कोई आपत्ति नहीं है।

मासिक अमावस्या पर जप, तप एवं स्वाध्याय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा इंगित प्रत्येक मासिक अमावस्या को जप, तप एवं स्वाध्याय के तहत पंचम कार्यशाला का विशेष आयोजन युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा स्थानीय तेरापंथ भवन राजाजीनगर में साध्वी श्री उदितयशा जी के पावन सानिध्य में किया गया। साध्वी श्रीजी ने जप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साध्वी ने आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा लिखित पुस्तक के बारे में लोगों को बताया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी एवं सभा परिवार, महिला मंडल, प्रवक्ता उपासक महेंद्रकुमार दक, तेयुप से प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी सदस्य एवं श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन एवं आभार राजेश देरासरिया ने किया।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का ट्रेड फेयर आगामी 16 जुलाई से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के सदस्यों ने गुरुवार को पूर्वी प्लाजा में बैठक कर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आगामी 16 से 18 जुलाई को निर्धारित ट्रेड फेयर की तैयारी को लेकर चर्चा की। सदस्यों ने बताया कि इस बार बड़े पैनामे पर व्यापार के लिए काफी बड़ा ट्रेड फेयर आयोजित किया जाएगा।

बैठक में आयोजनकर्ता कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, सचिव रविंद्र बंबोली, कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन, सहसचिव सैंकी जैन, सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान के अलावा मूल सिंह राजपुरोहित, राजेश चोपड़ा, महिपाल जैन, गौरव शर्मा और मनीष सहित कई सदस्य उपस्थित थे। अश्विन सेमलानी ने बताया कि ट्रेड फेयर में देश भर के व्यापारी भाग लेंगे। पिछले साल की तुलना में इस बार ट्रेड फेयर को और भी बेहतर करने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक इसका लाभ मिल सके।

महिला से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अपने घर पर जल शोधक की सेवा लेने की तलाश में एक महिला तकनीकी विशेषज्ञ को उस समय बहुत दुख हुआ जब उसके निवास पर पहुंचे तकनीशियन ने उसके साथ यौन दुर्व्यवहार किया। दक्षिण-पूर्व बेंगलूरु के बेगुर की 30 वर्षीय निवासी जल शोधक को फिर से स्थापित करना चाहती थी, इसलिए उसने 4 मई को निर्माता के साथ सेवा का अनुरोध किया था। लेकिन किसी के नहीं आने के बाद उसने अगले दिन सेवा प्रदाता को फोन किया और एक और शिकायत दर्ज की। जिसके बाद उसके घर में तकनीशियन पहुंचा। आरोपी के उसके दरवाजे पर पहुंचने के बाद, उसने उसे अंदर जाने दिया और रसोई में काम करने चली गई। तभी आरोपी पीछे से आया और उसके साथ छेड़छाड़ की। उसकी हरकतों से चकित होकर पीड़िता उस पर चिल्लाई और उसे गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। हालांकि अपराधी बेखौफ होकर उसकी ओर बढ़ता रहा और उसे गलत तरीके से छूने लगा। उसने उसे रसोई से बाहर धकेल दिया और खुद को अंदर बंद कर लिया। मदद मांगते हुए, उसने तुरंत पास में रहने वाली अपनी एक सहेली को बुलाया। जल्द ही उसकी सहेली का पति घटनास्थल पर पहुंचा, उसके और तकनीशियन के बीच हाथापाई हुई। उसकी सहेली के पति ने उसे डंडे से पीटा, जिससे आरोपी का काफी खून बह गया। आरोपी तुरंत अपने उपकरण छोड़कर घर से भाग गया। इसके बाद पीड़िता ने बेगुर पुलिस में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आरोपी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

एचडी रेवन्ना की जमानत अर्जी पर सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने पीड़ित महिला के अपहरण मामले में पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे एचडी रेवन्ना की याचिका पर सुनवाई करने वाले विशेष जन प्रतिनिधि न्यायालय के न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट की पीठ में वरिष्ठ वकील सीवी नागेश ने एचडी रेवन्ना के लिए एक शक्तिशाली तर्क प्रस्तुत किया। रेवन्ना ने हिरासत में रहते हुए जांच में सहयोग किया है। अन्वेषक परेशान नहीं था। यह मामला काफी विस्तृत बनाया गया है। जरुरत से ज्यादा महत्व दिया गया। जैसा कि मामले में बताया गया है, पीड़िता कहां पाई गई, इसकी कोई जानकारी नहीं है। वह कैसी है? एसआईटी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा है कि क्या हुआ। यह मामला दर्ज करके मेरे मुवक्किल को फंसाया जा रहा है। यह परेशानी पैदा करने के इरादे से किया गया था। रेवन्ना के खिलाफ दायर मामले गैरकानूनी हैं। ये मामले रेवन्ना पर लागू नहीं होते। उनके खिलाफ आनन-फानन में मामला दर्ज किया गया है। नागेश ने विस्तार से तर्क दिया कि मामला पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और प्रचार था। अगर उन्हें जमानत मिल जाती है तो दस्तावेज नष्ट नहीं किये जायेंगे। उन्होंने गुहार लगाई कि मेरे मुवक्किल को जमानत दी जाए। रेवन्ना के वकील ने डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक बहस की। उन्होंने कहा हमें बहस करने के लिए समय चाहिए। एसआईटी की वकील जोयना कोठारी ने अनुरोध किया कि इसके लिए एक समय तय किया जाना चाहिए। कोर्ट ने वकील को निर्देश दिया कि आप पैरवी करना बंद करें और दलील पेश करें। दलील पेश करने वाले कोठारी ने कहा कि आरोपी के बेटे ने हिंसा की है। ये सबसे बड़ा अपराध है। क्या यह सच नहीं है कि पीड़िता का अपहरण कर लिया गया था? यह एक गंभीर मामला है। ऐसे मामलों में यदि आपको जमानत मिल जाती है और आप अन्य महिलाओं का अपहरण कर लेते हैं तो क्या होगा? मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। रेवन्ना प्रभावशाली हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि उन्हें सोमवार को आगे की दलीलें पेश करने की इजाजत दी जाये। दलील सुनने के बाद कोर्ट ने सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

पेन ड्राइव मामले में महिलाओं को ब्लैकमेल किया तो होगी सख्त कार्रवाई : परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि पेन ड्राइव मामले में अगर किसी ने महिलाओं को ब्लैकमेल करने की कोशिश की तो एसआईटी सख्त कार्रवाई करेगी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर कोई वीडियो होने की बात कहकर महिलाओं को ब्लैकमेल करने की कोशिश करेगा तो एसआईटी इस पर संज्ञान लेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सरकार भी स्पष्ट निर्देश देगी। मैंने बुधवार को मामले का पूरा विवरण प्राप्त किया। जब जेडीएस कहता है कि जांच उचित नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे इसका जवाब देना होगा। सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है

और एसआईटी जांच चल रही है। हर दिन क्या होता है, यह खुलकर बताना संभव नहीं है। हम बहुत सी बातें नहीं जानते। उन्होंने पूछा कि क्या हर बात का जवाब देते रहना संभव है। कई विचार प्रक्रिया में हैं। इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती। विपक्षी दल टिप्पणी कर रहे हैं। मुझे एसआईटी के पास और अधिक पीड़ितों द्वारा शिकायत दर्ज कराने की जानकारी नहीं है। एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा कि एसआईटी अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या पीड़ितों ने बयान दिया है कि उनके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। ज्ञातव्य है कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर से सवाल किया था कि हासन लोकसभा क्षेत्र में अश्लील वीडियो वाली पेन ड्राइव बांटने वाले आरोपियों की जांच क्यों नहीं की गई।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पूछा कि अश्लील वीडियो लीक करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने सवाल किया कि एसआईटी जांच में केवल पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना को ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है।

राज्य महिला आयोग की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि वीडियो का खुलासा करने वालों पर कार्रवाई की जाए। अब तक कुछ क्यों नहीं किया गया? उन्होंने इस बात पर भी निशाना साधा कि गृह मंत्री क्या कर रहे हैं। प्रज्वल के पूर्व कार ड्राइवर कार्तिक पर एक निजी चैनल पर बैठकर उन्हें ट्रेनिंग देने का आरोप लगाया था। कार्तिक ने सोचा होगा कि वह चट्टान को बच सकता है। उन्होंने कहा कि गिरिनगर में होने के बावजूद कार्तिक से पूछताछ क्यों नहीं की गई। पेन ड्राइव मामले में नवीन, कार्तिक और श्रेयस को नोटिस नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि रेवन्ना ने ही इसे उन्हें दिया था, इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि डीसीएम शिवकुमार ने वकील देवराजेगौड़ा से बात क्यों की। उनका काम क्या था, और सवाल किया कि क्या एसआईटी अधिकारियों की कोई विश्वसनीयता थी।

सोशल मीडिया पोस्ट मामला

बेंगलूरु पुलिस ने जेपी नड्डा, अमित मालवीय, विजयेंद्र को जारी किया समन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर पुलिस ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक भाजपा प्रमुख बी.वाई.विजयेन्द्र और पार्टी के आईटी सेल के संयोजक अमित मालवीय को अधिकारियों के निर्देश के बाद भी पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल से एक आपत्तिजनक पोस्ट नहीं हटाने के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए नोटिस जारी किया। विचाराधीन पोस्ट में कर्नाटक भाजपा के एक्स हैंडल पर अपलोड किया गया एक एनिमेटेड वीडियो शामिल था जिसमें कांग्रेस को अनुसूचित जाति, अनुसूचित

जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों की कीमत पर मुसलमानों का तुष्टिकरण करते हुए दिखाया गया था।

वीडियो के संबंध में कर्नाटक कांग्रेस ने रविवार को चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि जेपी नड्डा और विजयेंद्र के निर्देशों के अनुसार, पोस्ट को अमित मालवीय द्वारा भाजपा के आधिकारिक हैंडल पर अपलोड किया गया था। निर्देश के बावजूद भाजपा द्वारा पोस्ट नहीं हटाने पर चुनाव आयोग ने एक्स अधिकारियों से तुरंत पोस्ट हटाने को कहा था।

हासन यौन शोषण मामला

कर्नाटक में महिला के अपहरण के मामले में चार और हिरासत में लिए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ कथित यौन शोषण के मामलों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआई) ने एक महिला के अपहरण के मामले में चार और लोगों को हिरासत में लिया है। एसआईटी के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एसआईटी ने प्रज्वल के पिता और होलेनरसीपुरा विधायक एचडी रेवन्ना को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है, जो परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। 66 वर्षीय रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के बेटे हैं। पुलिस ने कहा कि मामले में उनकी भूमिका का पता लगाने के लिए चार लोगों को उठाया गया था। रेवन्ना के सहयोगी सतीश बबन्ना को भी गिरफ्तार किया गया और वह पुलिस हिरासत में है। कर्नाटक के

गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा था कि एक तीसरे व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन जांच प्रक्रियाओं का हवाला देते हुए उनकी पहचान बताने से इनकार कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तीन बच्चों की मां एक महिला का कथित तौर पर उसके घर से अपहरण करने और उसे अवैध हिरासत में रखने के आरोप में सबसे पहले रेवन्ना और बबन्ना को गिरफ्तार किया गया था। महिला को बचा लिया गया है। पुलिस ने पीड़ित महिला के 20 वर्षीय बेटे की शिकायत के खिलाफ कार्रवाई की, जिसने आरोप लगाया कि उसकी मां का नाम हाल ही में लीक हुई महिलाओं के बड़े पैमाने पर स्पष्ट वीडियो में था, जिनके साथ प्रज्वल ने कथित तौर पर बलात्कार और छेड़छाड़ की थी। चारों मैसूरु के कृष्णराज नगर के रहने वाले हैं।

सीएम सिद्धरामैया सरकारी कर्मचारियों को जल्द दे सकते हैं खुशखबरी?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होने और राज्य में आचार संहिता में ढील दिए जाने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के इच्छुक हैं।

सरकार सेवानिवृत्त मुख्य सचिव सुधाकर राव की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा दी गई सिफारिशों को लागू करने के लिए तैयार है, जिससे सरकारी कर्मचारियों के वेतन संशोधन सहित कई लाभ मिलेंगे। सरकारी कर्मचारी 7वें वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू होने का इंतजार कर रहे हैं। चुनाव आचार संहिता लागू होने से एक दिन पहले 7वें वेतन आयोग की

रिपोर्ट सरकार के पास पहुंच गई। इसलिए आचार संहिता में ढील मिलते ही सरकार ने रिपोर्ट लागू करने की तैयारी कर ली है। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आगामी चुनाव के लिए 16 मार्च से लागू आचार संहिता 3 जून तक लागू रहेगी। राज्य विधान परिषद चुनाव के नतीजे 6 जून को आएंगे। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एलके अतीक ने कहा हमने शासन के सभी आदेश तैयार करने के लिए सूचित कर दिया है। हम 15 जून से पहले सभी आदेश जारी करने की कोशिश कर रहे हैं। अनुमान है कि 2024-25 के बजट में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा किए गए वादों को लागू करने के लिए 337 सरकारी आदेशों की आवश्यकता होगी। हमारे अनुरोध के आधार पर, चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता में ढील देगा। यह केस-टू-केस आधार पर होगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया या किसी भी मंत्री को आधिकारिक बैठकों की अध्यक्षता करने के लिए चुनाव समिति की मंजूरी आवश्यक है। आदर्श आचार संहिता के कारण किसी भी नई घोषणा, नए आदेश जारी करना, नई निविदाएं बुलाना, नए अनुबंध देना, नए कार्य आदेश सौंपना और नई परियोजनाओं को मंजूरी देना संभव नहीं है।

अब, चूंकि राज्य में लोकसभा चुनाव खत्म हो गए हैं, कई सरकारी कर्मचारी जो इतने लंबे समय से चुनाव ड्यूटी पर थे, वे अपने काम पर लौट आए हैं। इससे प्रशासनिक मशीनरी को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी। इसके बाद सरकार कई आदेश लागू करेगी। हालाँकि, राज्य कैडर के लगभग 50-60 आईएएस अधिकारियों को पूरे भारत में चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात किया गया है। सरकारी कर्मचारियों के अपनी-अपनी नौकरी पर लौटने और आदर्श आचार संहिता में ढील दिए जाने के बाद सभी आदेश लागू होने की संभावना है। इसको लेकर सरकार ने तैयारी भी कर ली है।

अगले चार से पांच दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले पांच-छह दिनों से राज्य में प्री-मानसून बारिश हो रही है, जिससे गर्म हवा और अधिकतम तापमान थोड़ा कम हुआ है और मौसम सामान्य हो रहा है। राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं और अगले चार से पांच दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है। जैसे ही बारिश हो रही है, भयंकर सूखे से परेशान किसान समुदाय के चेहरे पर मुस्कान आ गई है। हल्के दबाव में गिरावट के परिणामस्वरूप राजधानी बेंगलूरु, रामनगर, कोडागु समेत राज्य के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है। कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ बारिश हुई तो कुछ जगहों पर तूफान के कारण पेड़ और बिजली के खंभे टूट गये। इसी तरह राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में भी

बारिश जारी रहेगी और 12 मई के बाद राज्य के सभी जिलों में बारिश की मात्रा बढ़ने की संभावना है। कल्याण कर्नाटक के हिस्से कलबुर्गी, जिसे धूप वाली भूमि के रूप में चित्रित किया गया है, में बुधवार को अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस, बागलकोट, रायचूर में 40 डिग्री सेल्सियस और बेंगलूरु शहर में 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान औसत से तीन से चार डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। बारिश के बीच पता चला कि अधिकतम तापमान में करीब चार डिग्री की गिरावट आयी है। कल्याण कर्नाटक और उत्तरी कर्नाटक के कुछ जिलों को छोड़कर बाकी सभी जिलों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेमी से कम दर्ज किया गया। सूरज की तपिश से बेहाल लोगों को बारिश जैसा अहसास हुआ।

पेन ड्राइव मामले ने हासन जिले को किया कलंकित: शिवलिंगेगौड़ा

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस नेता के.एम. शिवलिंगेगौड़ा ने कहा कि यह जानकर बहुत दुख हुआ कि हमारे जिले में एक सेक्स स्कैंडल हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि एक ऐसे परिवार द्वारा ऐसा कृत्य किया गया है जो जिले का संप्रभु है। इस मामले ने नागरिक समाज को झकझोर कर रख दिया है। पेन ड्राइव मामला पूरी दुनिया में सुर्खियों में है। आरोपी विदेश चले गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे हासन जिले का अपमान हुआ है, ऐसा कृत्य नहीं होना चाहिए था। सभी को दलगत मतभेदों की निंदा करनी चाहिए थी। खासतौर पर उन्होंने यौन हिंसा के वीडियो शूट किए और उन्हें दुनिया के सामने पेश किया।

इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। कुछ घटनाएँ चार दीवारों के बीच घटती हैं। वह घटना किस वजह से सामने आई? अगर वीडियो नहीं लिया गया होता तो बाहरी दुनिया को पता नहीं चलता। शिवलिंगे गौड़ा ने कहा कि भाजपा नेता देव राजे गौड़ा ने विधायक रेवन्ना को हासन एनआर सर्कल में पर्दा लगाने और सभी को दिखाने की चुनौती दी थी।

एसएसएलसी परिणामों में मैसूरु जिला 85.5 प्रतिशत के साथ 7वें स्थान पर पहुंचा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसएसएलसी परिणामों, जो गुरुवार को घोषित किया गया, में मैसूरु जिला 85.5 प्रतिशत के उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ राज्य में 7वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि 2023 में यह 89.75 प्रतिशत के उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ 19वें स्थान पर था। हालाँकि कुल मिलाकर राज्य में उत्तीर्ण प्रतिशत 83.89 प्रतिशत से गिरकर 73.40 प्रतिशत हो गया है। इस वर्ष मैसूरु जिले में परीक्षा देने वाले 38175 छात्रों में से 32,639 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। मैसूरु के बी के एस वी बी हाई स्कूल, विजयनगर की छात्रा एस जान्हवी, श्री सदविद्या हाई स्कूल, विजयनगर द्वितीय चरण, मैसूरु के डीएस धनवी ने 625 अंकों में से 623 अंक हासिल करके तीसरी रैंक हासिल की है। मांड्या जिले के तुम्बाकेरे स्थित मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय के केसी नवनीत, हासन जिले के बेलूर तालुक के सर्वोदय कॉन्वेंट के वी अनन्या गौड़ा और यूनाइटेड हाई स्कूल ऑफ हासन के एचजी निसारगा ने 625 में से 623 अंक हासिल करके तीसरी रैंक हासिल की है। हासन जिला 86.28 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ तीसरी रैंक से गिरकर 6वीं रैंक पर आ गया है। परीक्षा देने वाले 19560 विद्यार्थियों में से 16877 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। मांड्या जिला भी 73.59 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान से गिरकर 19वें स्थान पर आ गया है। परीक्षा देने वाले 20529 छात्रों में से 15108 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। चामराजनगर जिला भी 71.59 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ 7वीं रैंक से गिरकर 24वीं रैंक पर आ गया है। परीक्षा देने वाले 11,655 छात्रों में से 8344 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। मैसूरु और हासन दोनों जिलों ने ए ग्रेड परिणाम प्राप्त किए हैं और मांड्या और चामराजनगर जिलों ने बी प्लस ग्रेड परिणाम प्राप्त किए हैं। जबकि राज्य के 78 स्कूलों में शून्य प्रतिशत परिणाम हैं।

कर्नाटक एसएसएलसी में 73.40 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की

10.49 प्रतिशत अंकों की गिरावट देखी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में एसएसएलसी परीक्षा (1) के नतीजों में इस साल 10.49 प्रतिशत अंकों की गिरावट देखी गई है। कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड ने गुरुवार को यहां 73.40 के कुल उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ परिणाम घोषित किए। 2022-23 के दौरान उत्तीर्ण प्रतिशत 83.89 था। उपस्थित हुए कुल 8,59,967 छात्रों में से 6,31,204 परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफल रहे। मुधोल में मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय की अंकिता बसप्पा कोन्नूर 625 में से 625 अंक हासिल करके राज्य में शीर्ष स्थान पर रहीं। सात छात्रों ने दूसरा स्थान साझा किया। उडुपी जिला 94 उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ राज्य में शीर्ष पर है, इसके बाद दक्षिण कन्नड़, शिवमोग्गा, कोडागु और उत्तर कन्नड़ हैं।

कुमारस्वामी को पेन ड्राइव मुद्दे से लड़ने से कोई नहीं रोक रहा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी को उनके भतीजे और हासन जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े पेन ड्राइव सेक्स स्कैंडल पर लड़ने से कोई नहीं रोक रहा है।

यहां अपने आवास के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी किसी भी तरह की लड़ाई लड़ने

के लिए स्वतंत्र हैं क्योंकि वह एक प्रमुख नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हैं। प्रज्वल रेवन्ना सेक्स स्कैंडल की सीबीआई जांच की मांग को लेकर राजभवन में राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात के बाद कुमारस्वामी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा उन्हें जो करना है करने दीजिए। कोई उन्हें रोक नहीं रहा है। उन्होंने कहा आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार से लौटने के बाद मैं विस्तार से जवाब दूंगा।

शिवकुमार ने कहा कि वोक्कालिगा समुदाय के मंत्री एन चेलुवरायस्वामी और कृष्णा बायरे गौड़ा ने उपमुख्यमंत्री का नाम अनावश्यक रूप से घसीटने और वोक्कालिगा समुदाय की छवि खराब करने पर जो कहा है, उसमें उन्हें और कुछ नहीं कहना है। उन्होंने वही कहा है जो वे महसूस करते हैं। मैं पहले ही अपना पक्ष स्पष्ट कर चुका हूं। हालाँकि, उन्होंने घोषणा की कि वह राज्य विधानमंडल के आगामी सत्र के दौरान सभी विवरण सामने लाएँगे।

केंद्रीय मंत्री ने चुनाव आयोग में दर्ज कराई शिकायत

भ्रामक दुष्प्रचार कर रहे हैं राहुल गांधी

मुंबई, 09 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की है।

उन्होंने राहुल के खिलाफ केंद्र सरकार पर देश में आरक्षण हटाए जाने के भ्रामक दुष्प्रचार, बयानबाजी और तथ्यहीन आरोपों के संबंध में विधि सम्मत कार्रवाई करने की मांग की है।

अठावले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों और विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत इंडी गठबंधन के नेता जनसभाओं में देश के संविधान पर खतरा बता रहे हैं। विपक्षी दलों के नेता पीएम मोदी के खिलाफ जनता के बीच में यह दुष्प्रचार फैला रहे हैं कि भाजपा चुनाव में 400 सीटें इसीलिए जीतना चाहती है कि वह संविधान को बदल सके। इंडी गठबंधन प्रधानमंत्री मोदी पर मिथ्या आरोप लगाकर उनकी छवि को धूमिल कर केवल अपने राजनीतिक हित साध रही है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की थी लेकिन उनकी यात्रा भारत तोड़ो यात्रा थी। कांग्रेस पार्टी ने सदा से देशविरोधी ताकतों का ही परोक्ष या अपरोक्ष रूप से समर्थन ही किया है। लंबे समय तक देश की सत्ता संभालने के बाद भी कांग्रेस एससी, एसटी, ओबीसी, किसान, मजदूर, वंचित व अन्य वर्गों को न्याय देने में पूर्ण रूप से असफल साबित हुई है। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक पारित करा महिलाओं को आरक्षण देने का काम किया। भारतीय संविधान को किसी से कोई खतरा नहीं है और एनडीए सरकार ने सदैव ही संविधान के द्वारा लोक कल्याण हेतु जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए कल्याण का कार्य किया है।

केजरीवाल प्रकरण में ईडी का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

चुनाव प्रचार मौलिक अधिकार नहीं है

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत का विरोध किया है। ईडी ने केजरीवाल को जमानत मिलने से पहले अदालत में एक हलफनामा दायर किया। इसमें कहा गया है कि कानून सभी के लिए बराबर है और चुनाव प्रचार कोई मौलिक, संवैधानिक या कानूनी अधिकार नहीं है।

प्रवर्तन निदेशालय ने अपने हलफनामे में कहा कि किसी भी नेता को चुनाव प्रचार के लिए जमानत नहीं दी गई है। इस तरह अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए केजरीवाल को जमानत देना एक गलत मिसाल कायम करेगा। ईडी का कहना है कि कोई भी राज-नेता किसी विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकते हैं और अपराध करने पर नेताओं को भी अन्य नागरिकों की तरह ही गिरफ्तार किया जा सकता है। जांच एजेंसी ने अपने हलफनामे में आगे कहा है कि केवल चुनाव प्रचार अभियान के लिए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देना समानता के नियम के खिलाफ होगा।

इससे पहले मंगलवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अरविंद केजरीवाल एक चुने हुए मुख्यमंत्री हैं और आदतन अपराधी नहीं हैं। अदालत ने कहा था कि चुनाव सिर पर हैं और ये दिल्ली के मुख्यमंत्री के लिए असाधारण परिस्थितियां हैं।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में आठ की मौत, कई झुलसे

विरुधुनगर, 09 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के दक्षिणी जिले विरुधुनगर में शिवकाशी के पास सेंगामालापट्टी गांव में गुरुवार को एक निजी पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद हुए भीषण विस्फोट में पांच महिलाओं सहित कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई और कई अन्य झुलस गये, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि श्रमिक फैंसी किस्म के पटाखे बनाने के लिए अत्यधिक ज्व-लनशील रसायनों को मिलाने में लगे हुए थे, तभी घर्षण के कारण उनमें आग लग गई। आग की लपटों ने देखते ही देखते सात गोदामों को अपने चपेट में ले लिया, जहां भारी मात्रा में तैयार पटाखों और रसायनों का भंडार रखा हुआ था। इसके बाद हुए भीषण विस्फोटों में पांच महिलाओं समेत आठ श्रमिकों की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि रसायनों को मिश्रित करते समय घर्षण से आग लग गई, हालांकि विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

इस बीच, मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया और घोषणा की कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव आयोग से अनुमति लेने के बाद पीड़ितों को आवश्यक सरकारी सहायता प्रदान की जायेगी। उन्होंने यहां एक बयान में घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। स्टालिन ने बताया कि इस दुखद घटना में 10 से अधिक कर्मचारी घायल हो गये। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने जिलाधिकारी से बात की और अधिकारियों को राहत कार्य तेजी से करने तथा घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया।

आग और विस्फोट की सूचना मिलने पर सत्तूर, वेम्बकोट्टई और शिवकाशी से दमकल की गाड़ियां फैक्टरी पहुंचीं और कुछ घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घायलों को शिवकाशी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ राजस्व और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गये हैं और बचाव कार्यों की निगरानी

श्रीनगर में 24 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे 17 लाख वोटर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 09 मई।

कई राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुकी हाई-स्टेक श्रीनगर संसदीय सीट 13 मई को एक गहन चुनावी मुकाबले के लिए तैयार हो चुकी है, जिसमें 8.7 लाख महिलाओं सहित 17.4 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। श्रीनगर संसदीय सीट के लिए 17.4 लाख से अधिक मतदाता दो दर्जन से अधिक उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 13 मई को करेंगे।

श्रीनगर संसदीय चुनाव के लिए 24 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा सैयद रुहुल्लाह भी शामिल हैं; पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के वहीद उर रहमान पारा; अपनी पार्टी के मोहम्मद अशरफ मीर; डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अमीर अहमद और गण सुरक्षा पार्टी के मोहम्मद यूसुफ भट। जेके नेशनल पैंथर्स पार्टी (भीम) के उम्मीदवार हकीकत सिंह, नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी की रूबीना अख्तर, भारत जोड़ो पार्टी के यूनिस अहमद मीर और 16 स्वतंत्र उम्मीदवार।

जानकारी के अनुसार, श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के लिए 1740015 से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। इस सीट के क्षेत्रों में श्रीनगर, गांदरबल, पुलवामा और बडगाम जिले के तीन क्षेत्र शामिल हैं। गांदरबल जिले में दो विधानसभा क्षेत्र हैं, कंगन और गांदरबल।

गांदरबल में मतदाताओं की कुल संख्या 2,04,041 है, जिनमें से 77,537 कंगन में और 1,26,504 गांदरबल में हैं। श्रीनगर में 8 से अधिक विधानसभा क्षेत्र हैं जिनमें हजरतबल, खानयार, हब्बाकदल, लाल चौक, चन्नापोरा, जदीबल, ईदगाह और सेंट्रल शाल्टेंग शामिल हैं, जहां मतदाताओं की कुल संख्या 748863 है। 7,48,863 में से 3,75,622 पुरुष मतदाता और 3,73,218 महिला मतदाता हैं। हजरतबल में 1,08,467 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 54,380 पुरुष मतदाता और 54,087 महिला मतदाता शामिल हैं। खानयार खंड में, 89,814 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 44,897 पुरुष और 44,915 महिला मतदाता शामिल हैं। हब्बाकदल में 92,716 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 46,301 पुरुष और 46,410 महिला मतदाता शामिल हैं। लाल चौक क्षेत्र में 1,03,784 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 51,928 पुरुष और 51,854 महिलाएं शामिल हैं।

चनापोरा में 81,266 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 40,734 पुरुष और 40,531 महिला मतदाता शामिल हैं। जदीबल क्षेत्र में 1,08,938 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 54696 पुरुष और 54,238 महिला मतदाता शामिल हैं। ईदगाह में 59,994 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 30,233 पुरुष और 29,759 महिला मतदाता शामिल हैं। सेंट्रल शाल्टेंग खंड में, 1,03,884 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 52,453 पुरुष और 52,453 महिलाएं शामिल हैं।

कुल मिलाकर पांच खंड हैं, जिनमें से तीन श्रीनगर संसद सीट में आते हैं और इसमें खान साहिब, चार-ए-शरीफ और चादूरा शामिल हैं। खान साहब में 94,612 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 48,140 पुरुष और 46,467 महिला मतदाता शामिल हैं। चार-ए-शरीफ खंड में, 1,03,126 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 52,288 पुरुष और 52,288 महिला मतदाता शामिल हैं। वहीं चाडूरा में 89,068 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 44,312 पुरुष और 44,754 महिला मतदाता शामिल हैं। जहां तक शोपियां का सवाल है, जिले में दो खंड हैं, ज़ैनपोरा और शोपियां। शोपियां श्रीनगर संसद सीट में आता है. शोपियां में 98,933 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 50,003 पुरुष और 48,925 महिलाएं हैं। पुलवामा में, चार से अधिक खंड हैं: पंपोर, त्राल, पुलवामा और राजपोरा, जहां मतदान करने वालों की आबादी 4,03,192 है। इनमें से 2,02,899 महिला मतदाता हैं, 2,00,277 पुरुष मतदाता हैं।

पंपोर में, 99,239 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें से 50,090 पुरुष और 49,145 महिलाएं हैं। त्राल में 97,477 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें से 48,350 पुरुष और 49,120 महिलाएं हैं। पुलवामा में, 98,713 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें से 48,989 पुरुष और 49,723 महिलाएं हैं। राजपोरा में 1,07,763 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें से 53,793 पुरुष और 53,966 महिलाएं हैं।

आईईवीपी के प्रतिनिधियों ने की भारत की चुनाव प्रक्रिया की प्रशंसा

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) के प्रतिनिधि लोकतांत्रिक आदर्शों को मजबूत करने के प्रति भारतीय मतदाताओं की प्रतिबद्धता और उनके अटूट विश्वास से प्रभावित हुए और चुनावों में ईवीएम-वीवीपैट के रैंडमाइजेशन सहित अन्य चुनावी प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग की भी सराहना की।

आम चुनाव 2024 में प्रत्यक्ष रूप से मतदान प्रक्रिया को देखकर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। कुछ प्रतिनिधियों ने जहां चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की सराहना की वहीं अन्य प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग की हरित मतदान केंद्र जैसी पहलों को प्रेरणादायक करार दिया। इन प्रतिनिधियों ने चुनावों में ईवीएम-वीवीपैट के रैंडमाइजेशन सहित दूसरी चुनावी प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग की भी सराहना की और लोकतांत्रिक आदर्शों को मजबूत करने के प्रति भारतीय मतदात-ाओं की प्रतिबद्धता और उनके अटूट विश्वास से प्रभावित हुए हैं।

भारत दौरे पर आए विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के सदस्यों के बीच इस बात पर सर्वसम्मति थी कि भारत में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, समावेशी तथा सुलभ है और यहां चुनाव उत्सव के रूप में होता है। आईईवीपी के भाग के रूप में भारत आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव के तीसरे चरण को प्रत्यक्ष रूप से देखने के बाद आए थे। उल्लेखनीय है कि तीसरे चरण में 11 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के 93 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न हुआ था। इन प्रतिनिधियों ने 6 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में तैयारी कार्य सहित मतदान का अवलोकन किया।

कंबोडिया, ट्यूनीशिया, मोल्दोवा, सेशेल्स और नेपाल के प्रतिनिधियों ने कर्नाटक में बेलगाम संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और मतदान केंद्र के अंदर अधिकारियों तथा पीठासीन अधिकारियों से बातचीत की। मॉक पोल का अवलोकन किया, कमांड कंट्रोल सेंटर और मीडिया निगरानी केन्द्रों का दौरा किया। इन प्रतिनिधियों ने मॉक पोल, मतदान केंद्र के अंदर उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति तथा भागीदारी द्वारा दर्शायी गई पारदर्शिता की सराहना की।

वहीं, भूटान तथा मंगोलिया के प्रतिनिधियों और इज़राइल की एक मीडिया टीम ने गोवा में दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान और संबंधित व्यवस्थाएं देखी। वे भी मॉक पोल में शामिल हुए और उन्हें कमांड कंट्रोल सेंटर, मीडिया निगरानी केंद्रों, प्रेषण केंद्र आदि से अवगत कराया गया। भूटान के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और भूटान तथा मंगोलिया के चुनाव अधिकारियों ने चुनाव के संचालन में मतदान केंद्र के अंदर राजनीतिक दलों, मीडिया, उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों को शामिल करने में पारदर्शिता की सराहना की। विदेश से आए इन प्रतिनिधियों ने दिव्यांग के लिए तैयार किए गए मतदान केंद्रों और पिंक मतदान की प्रशंसा की। मध्य प्रदेश गए 11 सदस्यीय टीम में श्रीलंका और फिलीपींस के प्रतिनिधि शामिल रहे।

इन प्रतिनिधियों ने भोपाल, विदिशा, सीहोर और रायसेन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केंद्रों का दौरा किया और लोक सभा चुनाव की चुनावी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इन्होंने मतदात-ाओं से बातचीत कर उनमें उत्साह और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भारतीय नागरिकों की भागीदारी की सक्रियता देखी। इस दौरान मिले अपने अनुभवों को साझा करते हुए इन प्रतिनिधियों ने भारत में देखे गए जीवंत लोकतंत्र की खुलकर प्रशंसा की। वे विशेष रूप से अटूट विश्वास और लोकतांत्रिक आदर्शों को मजबूत करने के प्रति भारतीय मतदाताओं की प्रतिबद्धता से प्रभावित थे। वहीं, चिली, जॉर्जिया, मालदीव, नामीबिया, पापुआ न्यू गिनी और उज़्बेकिस्तान से आए प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश में गत सात मई को फ़तेहपुर सीकरी और आगरा संसदीय क्षेत्र में मतदान को देखा।

विदेशों से आए गणमान्य व्यक्तियों को इन दोनों संसदीय क्षेत्र में पड़ने वाले ताज महल और फ़तेहपुर सीकरी के अद्भुत वास्तुशिल्प को दिखाया गया। उन्हें मतदान दिवस और मतदान दिवस से एक दिन पहले चुनाव संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं/गतिविधियों से अवगत कराया गया। दौरे पर आए इन देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के सदस्यों के बीच इस बात पर सर्वसम्मति थी कि भारत में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, समावेशी और सुलभ थी। फिजी, ऑस्ट्रेलिया, रूस, मेडागास्कर, किर्गिज़ गणराज्य के प्रतिनिधियों ने अहमदाबाद में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान से पूर्व की व्यवस्था और मतदान प्रक्रिया देखी। प्रतिनिधिमंडल डबल लॉक सिस्टम वाले स्ट्रांग रूम और ईवीएम की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले सशस्त्र पुलिस कर्मियों की तैनाती से प्रभावित हुआ। अहमदाबाद पूर्वी संसदीय क्षेत्र के साणंद विधानसभा क्षेत्र में महिला प्रबंधित मतदान केंद्रों की भी सराहना की गई।

उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी भागीदारी बढ़ती है। बुजुर्ग मतदाताओं की मदद के लिए स्वयंसेवकों के साथ-साथ सभी स्थानों पर रैंप और व्हीलचेयर की सुविधा की भी काफी सराहना की गई। दृष्टिबाधित दिव्यांग मतदाताओं के लिए ब्रेल बैलेट पेपर की अवधारणा को भी दृष्टिबाधित लोगों की मदद के लिए एक अच्छी पहल के रूप में पसंद किया गया।

बंगलादेश, श्रीलंका, कजाकिस्तान और जिम्बाब्वे के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों ने महाराष्ट्र में रायगढ़ संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और चुनाव पूर्व व्यवस्था, मतदान दलों के फैलाव और अन्य लाजिस्टिक्स को नजदीक से देखा। इन प्रतिनिधियों ने भारतीय चुनावों के विभिन्न पहलुओं के बारे में जिला चुनाव अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी, पीठासीन अधिकारियों और चुनाव संबंधित अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की। ये प्रतिनिधि मतदान केंद्रों पर पारदर्शिता उपायों से प्रभावित हुए।

भारत एक विश्वसनीय मित्र एवं भागीदार के रूप में उभरा : जयशंकर

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज कहा कि भारत विश्व बंधु की दृष्टि से आपसी सम्मान और सहयोग के आधार पर विभिन्न देशों के साथ संबंधों को मजबूत करके दुनिया भर में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक विश्वसनीय मित्र और भागीदार के रूप में उभरा है।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने राजधानी के गार्गी कॉलेज में भारत: वैश्विक मित्र विषय पर अपने व्याख्यान में यह कहा। वह इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के तौर पर शामिल हुए थे। डॉ. जयशंकर ने बताया कि कैसे भारत एक विश्व बंधु है और यह दूसरों के प्रति न्याय, जिम्मेदारी और उदारता में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, अपने इस सिद्धांत को भारत ने कई बार प्रदर्शित किया है, चाहे वह कोविड के दौरान अन्य देशों को दवाएं और वैक्सीन भेजना हो, या युद्ध क्षेत्रों से हमारे नागरिकों और दूसरों की सुरक्षित निकासी का मामला हो। भारत एक उभरती हुई शक्ति है और ग्लोबल साउथ यानी दक्षिणी देशों के अधिकारों का एक महत्वपूर्ण पैरोकार है।

उन्होंने कहा कि विश्व बंधु की दृष्टि यह है कि आपसी सम्मान और सहयोग के आधार पर दुनिया भर के देशों के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। साथ ही, अपने उद्देश्यों के प्रति दृढ़ रहना है और अपने हितों को भी प्राथमिकता देना है। दुनिया भर में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक विश्वसनीय मित्र और भागीदार के रूप में भारत उभरा है। डॉ. जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता तथा वैश्विक संबंधों के प्रति भारत के बहुमुखी दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करते हुए कहा, वैश्विक मित्र होने का मतलब न केवल सम्मान प्राप्त करना है, बल्कि उद्देश्य और संकल्प के साथ हमारे हितों को प्राथमिकता देना भी है। सत्र के बाद उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की और धैर्यपूर्वक उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए तथा भविष्य के लिए भारत के विकसित होते नज़रिये के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान की। इस कार्यक्रम ने बौद्धिक विमर्श और कूटनीतिक अंतर्दृष्टि की रोशनी के रूप में काम किया।

हर बड़ा माफिया-अपराधी समाजवादी पार्टी का शागिर्द : योगी

खीरी, धौरहरा और सीतापुर सीटों के लिए किया चुनाव प्रचार

लखीमपुर खीरी, सीतापुर, 09 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को खीरी, धौरहरा और सीतापुर लोकसभा सीटों के लिए धुआंधार प्रचार किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि हर बड़ा माफिया और अपराधी सपा का शागिर्द है। सपा रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थी और आतंकी धमाके करने वालों के केस वापस लेती थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आकार ले रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को यह पता है कि ऐसा करने से पहले यमराज जीवन की डोर काट ले जाएंगे। सीएम योगी ने खीरी लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी अजय मिश्रा टेनी, धौरहरा लोकसभा सीट के लिए रेखा वर्मा और सीतापुर लोकसभा सीट के लिए प्रत्याशी राजेश वर्मा के पक्ष में मतदान की अपील की।

लखीमपुर खीरी के गोला में खीरी लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में यूपी में सपा का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया के परिवार की पांचों सीटों पर हार सुनिश्चित है। सीएम योगी गुरुवार को गोला में खीरी लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के तीन चरण पूरे हो चुके हैं। देश में एक ही स्वर गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के लोग कह रहे हैं कि राममंदिर का निर्माण अनावश्यक हुआ है। चुनाव जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है दो चीजें साफ हो गई हैं। एक तरफ भारत के विकास, गरीब कल्याण के लिए योजनाओं का लाभ देने वाले रामभक्त हैं।

दूसरी तरफ भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का अपमान करने वाले, आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले रामद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा देश को बांटने की साजिश रच रही है। एक तरफ कांग्रेस के कार्यकाल में जहां देश की सीमाएं असुरक्षित थीं, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम पर थे वहीं दूसरी तरफ सपा रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थी और आतंकियों के केस वापस लेती थी। मगर इस बार पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी में धौरहरा लोकसभा सीट के लिए चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव एक निर्णायक मोड़ पर आ चुका है। अब तक तीन चरणों में आधा चुनाव सम्पन्न हो चुका है।

वहीं बचे चरणों ने पहले से ही रुझान तय कर दिये हैं। पूरे देश का रुझान है कि फिर एक बार मोदी सरकार। देश की जनता जनार्दन जो राम को लाए हैं, हम उनको लाने की बात कह रही है। इस बार देश में पहली बार देखने को मिल रहा है कि किसी सरकार ने 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया और उसके बाद भी जनता जनार्दन पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाजपा के प्रत्याशियों को जिताकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाने जा रही है। भारत की जनता यह कृतज्ञता इसलिए जाहिर कर रही है क्योंकि मोदी सरकार ने देश के विकास, कल्याण और सम्मान के लिए काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए भारत का निर्माण करके वर्तमान और भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल करने का काम किया है।

सीतापुर के बिसवां में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरा चुनाव रामभक्तों व रामद्रोहियों के बीच रह गया है। जनता-जनार्दन और रामभक्त कह रहे हैं कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे, जबकि रामद्रोही कह रहे हैं कि मंदिर बेकार बना है। इसे बनाने की आवश्यकता ही नहीं थी। भारत के अंदर मंदिर की क्या आवश्यकता थी।

सीएम ने तंज कसा कि भगवान राम का मंदिर उत्तर प्रदेश के अयोध्या में नहीं तो क्या काबुल-कंधार, लाहौर और कराची में बनेगा। अयोध्या श्रीराम की पावन जन्मभूमि और कोटि-कोटि सनातन धर्मावलंबियों की आस्था की भूमि है। अयोध्या हमारा पवित्र धाम है। आज की अयोध्या त्रेतायुग के रामायण काल की याद दिलाएगी और काशी में सतयुग के दर्शन होंगे। सीएम ने कहा कि सरकार नैमिषारण्य के लिए भी बड़ी कार्ययोजना लेकर आ चुकी है। फोरलेन कनेक्टिवटी कार्य प्रारंभ हो चुका है। यहां यात्री विश्रामालय बनेंगे, गोमती नदी का रिवर फ्रंट के रूप में विकास होगा, मंदिरों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण, हर व्यापारी का पुनर्वास, नए होटल-रेस्तरां खुलेंगे। इलेक्ट्रिक बस को लखनऊ से जोड़ने की सेवा प्रारंभ कर चुके हैं। हेलीकॉप्टर की सुविधा से भी जोड़ने जा रहे हैं। धीरे-धीरे लखनऊ से बाहर मेट्रो भी वहां तक पहुंचेगी। सीएम ने सुरक्षा के बेहतरीन वातावरण का उदाहरण देते हुए कहा कि रेडिको खेतान ने भी यहां एक हजार करोड़ के निवेश के साथ सैकड़ों नौजवानों के लिए नौकरी-रोजगार के द्वार खोला। ईडी के एक अधिकारी ने नौकरी छोड़कर नौजवानों के भविष्य के लिए आपको बेहतरीन कैंपस उपलब्ध कराया।

यूपी में सक्रिय रहा चुनाव आयोग और शासन का निगरानी तंत्र

इस चुनाव में नोटों से ज्यादा चला मौत का सामान

लखनऊ, 09 मई (एजेंसियां)।

खतरनाक नशीली दवाओं (ड्रग्स) ने इस बार चुनाव में इस्तेमाल होने वाले काले धन का रूप ले लिया है। दो हजार रुपए का नोट बंद होने के बाद नकद लाना-ले जाना खतरों से भरा है। यही वजह है कि इस चुनाव में नोटों की जगह ड्रग्स ने ले ली है। यह पहला चुनाव है, जिसमें केवल उत्तर प्रदेश में ही 238 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी जा चुकी है और नकदी केवल 34 करोड़ जब्त हुई है।

लोकसभा चुनाव की आचार संहिता 16 मार्च को लगी थी। चुनाव आयोग की मनी पावर वॉच टीम ने महज 13 अप्रैल तक ही 4650 करोड़ रुपए की नकदी, शराब, ड्रग्स वगैरह जब्त की, जो 75 साल के संसदीय चुनाव के इतिहास में सबसे ज्यादा था। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2019 के लोकसभा चुनावों के सातों चरणों में 3475 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे।

गंभीर बात यह है कि कुल जब्त की गई राशि में से करीब आधी ड्रग्स और कोकीन जैसे घातक मादक पदार्थों के रूप में है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार ड्रग्स की जब्ती सबसे ज्यादा है। पिछले पूरे चुनाव के दौरान देशभर में जहां 1239 करोड़ की ड्रग्स पकड़ी गई थी। वहीं इस बार केवल तीन चरणों के चुनाव में यूपी में ही 238 करोड़ की ड्रग्स जब्त की जा चुकी है।

नकद की जब्ती पिछले चुनाव के मुकाबले आधी से भी ज्यादा घट गई। पकड़ी गई ड्रग्स में अफीम, चरस, गांजा से लेकर ब्राउन शुगर तक शामिल हैं। इनकी कीमत 50 हजार रुपए से लेकर दो करोड़ रुपए किलो तक है। कैश के बजाय ड्रग्स की धरपकड़ में अप्रत्याशित तेजी की मुख्य वजह दो हजार रुपए के नोट हैं, जो बंद कर दिए गए हैं। पहले चुनाव में इस्तेमाल होने वाले कालेधन को पहुंचाने का जरिया दो हजार के नोट थे। केवल दस गड्डी में ही बीस लाख रुपए आसानी से पहुंच जाते थे। पांच सौ के नोटों को लाखों-करोड़ों में ले जाना खतरे से खाली नहीं है।

इस बार चुनाव आयोग की टीमें डाटा इंटेलिजेंस और तकनीक के आधार पर ज्यादा काम कर रही हैं। ऐसे में ड्रग्स ने कैश की जगह ले ली। एक किलो मादक पदार्थ को किसी भी रूप में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जा सकता है। गंतव्य में इसके एवज में कैश दे दिया जाता है। आयोग ने ड्रग्स की रिकॉर्ड जब्ती को गंभीरता से लिया है।

30 मार्च तक 17 करोड़ कैश, 23 करोड़ की शराब और 38 करोड़ की ड्रग्स सीज की गई थी। 15 अप्रैल तक 24 करोड़ कैश, 36 करोड़ की शराब और 56 करोड़ की ड्रग्स सीज की गई। 30 अप्रैल तक 32 करोड़ कैश, 46 करोड़ की शराब और 218 करोड़ की ड्रग्स सीज की गई और 7 मई तक 34 करोड़ कैश, 49 करोड़ की शराब और 238 करोड़ रुपए की ड्रग्स सीज की गई।

मार्च में भगवतीपुर के पिंडरा गांव में एसटीएफ ने म्याऊं-म्याऊं ड्रग की बड़ी खेप पकड़ी थी। इसकी कीमत करीब 30 करोड़ रुपए थी। इसकी कीमत 2 करोड़ रुपए प्रति किलो है। म्याऊं-म्याऊं नाम का ये ड्रग कोकीन या हेरोइन की तरह प्राकृतिक नशीला पदार्थ नहीं है, बल्कि एक सिंथेटिक ड्रग है।

इसका असली नाम मेफेड्रोन है। इसे कुछ खास पौधों के कीड़े मारने के लिए एक सिंथेटिक खाद के तौर पर तैयार किया गया था। बाद में इसे नशे के तौर पर इस्तेमाल किया जाने लगा। सीज किए गए मादक पदार्थों में अफीम, चरस, गांजा से लेकर करोड़ों में बिकने वाले ऐसे ड्रग्स भी हैं।

ताज की खूबसूरती की दीवानी हुई मिस यूनिवर्स शेन्निस पलासियोस

45 मिनट तक रुकीं...

आगरा, 09 मई (एजेंसियां)।

मिस यूनिवर्स-2023 शेन्निस पलासियोस ने ताज का दीदार किया। जब उन्होंने मुख्य गेट से प्रवेश किया तो पर्यटकों की भीड़ उन्हें देखने कि लिए जुट गई। फ्रैंस उनके साथ सेल्फी लेते भी नजर आए। कड़ी सुरक्षा के बीच मिस यूनिवर्स ने ताज की खूबसूरती को निहारा।

मिस यूनिवर्स 2023 शेन्निस पलासियोस ने करीब 45 मिनट तक ताज को निहारा। इस दौरान पर्यटन पुलिस के साथ-साथ थाना ताजगंज पुलिस का कड़ा पहरा रहा। इस दौरान मिस यूनिवर्स ने ताज की खूबसूरती के साथ इतिहास को जानने में भी दिल-चस्पी दिखाई। उन्होंने ताज के साथ जमकर फोटोग्राफी की।

बता दें 'मिस यूनिवर्स 2023' का खिताब अपने नाम करने वाली शेन्निस पलासियोस पहली निकारागुआन महिला हैं। इससे पहले वे कई खिताब जीत चुकी हैं।

शेन्निस अपने देश की राजधानी में पली-बढ़ी हैं और एक अनुभवी प्रतियोगिता प्रतियोगी हैं। उन्होंने 2016 में अपनी सौंदर्य प्रतियोगिता की शुरुआत की, तब उन्होंने मिस टीन निकारागुआ 2016 का खिताब जीता। उन्होंने मिस वर्ल्ड निकारागुआ 2020 का भी खिताब जीता और 2022 में सैन जुआन, प्यूर्टो रिको में आयोजित मिस वर्ल्ड 2021 प्रतियोगिता में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह शीर्ष 40 फाइनलिस्ट का हिस्सा थीं।

इलेक्टोरल बांड के खुलासे में पाक साफ निकली बसपा, भाजपा की गारंटी हवा-हवाई : मायावती

कन्नौज 09 मई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंचीं बसपा प्रमुख मायावती ने इलेक्टोरल बांड का हवाला देकर अपनी पार्टी को पाक साफ़ बताया है। भाजपा और कांग्रेस को मिले बांड का हवाला देते हुए कहा कि बसपा कभी धन्ना सेठों से पैसे नहीं लेती, यह बात सुप्रीम कोर्ट के खुलासे से साफ़ हो चुका है। बसपा अपने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों से मिले आर्थिक सहयोग से ही गतिविधियों को संचालित करती है। कन्नौज, फर्रुखाबाद और इटावा की संयुक्त चुनावी सभा में पहुंचीं बसपा प्रमुख ने भाजपा, कांग्रेस और सपा पर कई सियासी हमले किए। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस की सरकारों ने गलत नीतियां अपनाई, उससे वो केंद्र और प्रदेश सरकार से बाहर हुई। अब उसी रास्ते पर भाजपा भी चल रही है। भाजपा की सरकार में दलित, शोषित, वंचित, मुस्लिम, धार्मिक, अलसंख्यक वर्ग परेशान है, लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही है। इससे लोगों में नाराजगी है।

इनकी कथनी और करनी में फ़र्क है। इसलिए यह तय हो गया है कि इस चुनाव में भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं होने जा रही है। बसपा के नेतृत्व में सभी वर्गों का सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय की तर्ज पर ध्यान दिया जाएगा। किसी का शोषण नहीं होगा। बसपा ने चार बार यूपी की सरकार में जो कल्याणकारी काम किए, उसे अब दूसरे प्रदेशों की सरकार नकल करके चल रही हैं। केंद्र में मौका मिला तो यूपी के उसी मॉडल की तर्ज पर केंद्र में भी सरकार चलाई जाएगी। कहा कि सपा की सरकार में प्रदेश में दलित और वंचित वर्ग से भेदभाव हुआ। सपा की सरकार ने दलित महापुरुषों के नाम से बनाए गए जिलों, संस्थानों और पार्कों का नाम बदल दिया। इसलिए उन्हें अब इस वर्ग से वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

बसपा प्रमुख ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इनका अच्छे दिन का वादा हवा-हवाई साबित हुआ। इसी तरह गारंटी की बात भी महज दिखावा है। उनकी बातों में नहीं आना है। इन लोगों की हवा-हवाई बातों से भरा हुआ घोषण पत्र जाति किया है। बाद में यह घोषणा पत्र की बातें भूल जाते हैं। बसपा की ओर से कभी भी घोषणा पत्र जारी नहीं होता है। बिना घोषणा पत्र के ही चार बार प्रदेश में सरकार बनी है। बसपा ने किसी के भी घोषण पत्र से ज्यादा काम किया है। बसपा सरकार में हुए काम को जनता आज भी याद करती है।

दरगाह है या कामाख्या देवी का मंदिर?

फतेहपुर सीकरी के लिए आगरा की अदालत में दाखिल हुई नई याचिका

आगरा, 09 मई (एजेंसियां)।

आगरा के सिविल न्यायालय सीनियर डिवीजन में फतेहपुर सीकरी में स्थित सलीम चिश्ती की दरगाह को कामाख्या माता का मंदिर और जामा मस्जिद को कामाख्या माता मंदिर परिसर बताते हुए नया दावा दायर किया गया है। यह नया दावा अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने दायर किया है।

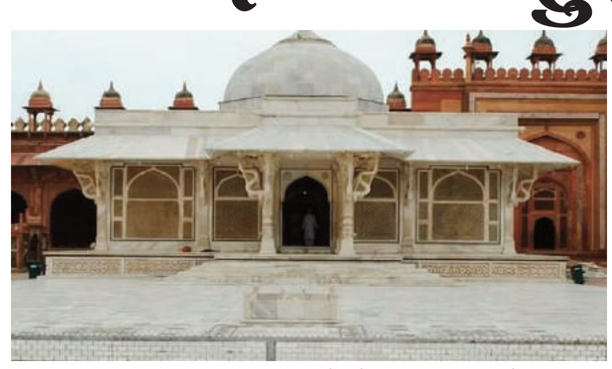

अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि केस में माता कामाख्या, आस्थान माता कामाख्या, आर्य संस्कृति संरक्षण ट्रस्ट, योगेश्वर श्रीकृष्ण सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान ट्रस्ट, क्षत्रिय शक्तिपीठ विकास ट्रस्ट और अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह वादी हैं। प्रतिवादी संख्या एक उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ़ बोर्ड, विपक्षी संख्या दो प्रबंधन कमेटी दरगाह सलीम चिश्ती, विपक्षी संख्या तीन प्रबंधन कमेटी जामा मस्जिद है।

अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान में विवादित संपत्ति भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन एक संरक्षित स्मारक है, जिस पर सभी विपक्षीगण अतिक्रमणी हैं। फतेहपुर सीकरी का मूल नाम सीकरी है जिसे विजयपुर सीकरी भी कहते थे। ये सिकरवार क्षत्रियों का राज्य था और विवादित संपत्ति माता कामाख्या देवी का मूल गर्भ गृह व मंदिर परिसर था। यहां की प्रचलित ऐतिहासिक कहानी के अनुसार फतेहपुर सीकरी को अकबर ने बसाया जोकि झूठ है। बाबर ने अपने बाबरनामा में सीकरी का उल्लेख किया था और वर्तमान में बुलंद दरवाजे के नीचे दक्षिण पश्चिम में एक अष्टभुजीय कुआं/बाओली है और दक्षिण पूर्वी हिस्से में एक गरीब घर है, जिसके निर्माण का वर्णन बाबर ने किया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अभिलेख भी यही मानते हैं।

अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि डीबी शर्मा जोकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीक्षण पुरातत्वविद रहे हैं उन्होंने अपने कार्यकाल में फतेहपुर सीकरी के बीर छबीली टीले की खुदाई की, जिसमें उन्हें सरस्वती और जैन मूर्तियों मिलीं, जिनका काल 1000 ईस्वी के लगभग था। डीबी शर्मा ने अपनी पुस्तक 'आर्कियोलॉजी ऑफ़ फ़तेहपुर सीकरी- न्यू डिस्कवरीज़' में इसका विस्तार से वर्णन किया है। इसी पुस्तक के पेज संख्या 86 पर वाद संपत्ति का निर्माण हिन्दू व जैन मंदिर के अवशेषों से बताया है। वहीं अंग्रेज अधिकारी ईबी हावेल ने वाद संपत्ति के खंभों व छत को हिन्दू शिल्पकला का बताया है और मस्जिद होने से इनकार किया है।

अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि खानवा युद्ध के समय सीकरी के राजा राव धामदेव थे। खानवा युद्ध में जब राणा सांगा घायल हो गए तो राव धामदेव धर्म बचाने के लिए माता कामाख्या के प्राण प्रतिष्ठित विग्रह को ऊंट पर रखकर पूर्व दिशा की ओर गए और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सकराडीह में कामाख्या माता के मंदिर को बनाकर इस विग्रह को पुनः स्थापित किया। उस तथ्य का उल्लेख राव धामदेव के राजकवि विद्याधर ने अपनी पुस्तक में किया है।

सलाह

निमोनिया की चिकित्सा से जुड़ी जरूरी बातें जानें

निमोनिया की गंभीरता को इसी बात से समझा जा सकता है कि भारत में लगभग हर घंटे एक बच्चा इसके चलते मौत का शिकार हो जाता है। इस बीमारी का सही समय पर सही उपचार किया जाना जरूरी है। निमोनिया को मामूली ठंड या बुखार समझ लेना एक भारी गलती हो सकती है। सर्दी, तेज बुखार, कफ, कंपकंपी, शरीर में दर्द, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द आदि निमोनिया के लक्षण हैं। छोटे या नवजात बच्चों में कोई विशेष लक्षण दिखाई नहीं देता। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर घंटे निमोनिया से 45 बच्चों की मौत होती है।

यानी तकरीबन हर मिनट हमारे देश में एक बच्चा निमोनिया की भेंट चढ़ जाता है। इसलिए निमोनिया को मामूली बीमारी समझने की भूल न करें। निमोनिया एक खतरनाक बीमारी है। निमोनिया का इलाज उसके लक्षणों पर निर्भर करता है। सामान्यत–निमोनिया घर पर ही दवा लेने व कुछ खास सावधानी बरतने पर अपने आप ठीक हो जाता है। लेकिन लक्षण गंभीर हों, तो डॉक्टर अस्पताल में भर्ती होने की सलाह देते हैं।

निमोनिया के गंभीर लक्षण होने पर डॉक्टर सीने के एक्स रे के जरिए संक्रमण के ठीक होने के बारे मे पता करता है। जब तक संक्रमण पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाता तब तक चिकित्सा चलती रहती है। निमोनिया के कुछ खास तरह की चिकित्सा उसके प्रकार व तीव्रता को ध्यान में रखकर की जाती है। इसके अलावा रोगी की उम्र व स्वास्थ्य को भी ध्यान में रखा जाता है। जानें क्या है निमोनिया के इलाज के विकल्प–

अस्पताल में भर्ती होना

अगर रोगी की स्थिति नियंत्रण के बाहर है और नीचे दिए गए लक्षण दिखाई दे तों रोगी तो तुरंत अस्पताल में भर्ती कराएं–

- अगर रोगी की उम्र 65 साल से अधिक हो।
- मितली व उल्टी की समस्या होने पर।
- रक्तचाप गिरने के कारण।
- सांस की गति बढ़ने पर।
- सांस लेने में समस्या होने पर।
- अगर रोगी का तापमान सामान्य से नीचे हो।

बच्चों में अगर नीचे दिए लक्षण दिखाई दे तों उन्हें भी तुरंत अस्पताल में भर्ती कराएं

- अगर बच्चा तीन महीने से छोटा है।
- अगर बच्चा बहुत ज्यादा सो रहा है।
- बच्चे को सांस लेने में समस्या होने पर।
- बच्चे में ब्लड ऑक्सीजन लो होने पर
- दस्त व उल्टी होने पर
- सामान्य से कम तापमान होने पर

एंटीबायोटिक्स

एंटीबायोटिक्स के जरिये निमोनिया के संक्रमण को रोका जा सकता है। हो सकता है कि निमोनिया के प्रकार को पहचानने और एंटीबायोटिक के चुनाव में समय लगे।और सही दवा दिए जाने पर इसका फायदा भी होने लगता है। अगर एक दवा से फायदा ना हो रहा हो तो डॉक्टर को अवश्य इस बारे में बताएं।

एंटीवायरल चिकित्सा

वायरल निमोनिया के इलाज के लिए डॉक्टर एंटीवायरल चिकित्सा की मदद लेते हैं। इससे सामान्यत– एक से तीन हफ्तों में रोगी को आराम महसूस हो जाता है।

जब आपको गुस्सा आये तो करे यें उपाय

अगर किसी खास घटना या परिवेश पर गुस्सा आ रहा है तो वहां से बाहर निकल जाएं। थोड़ी देर के लिए कहीं घूम आएं यानी थोड़ी देर के लिए मौजूदा स्थितियों से परे हट जाएं। किसी विश्वसनीय दोस्त से बात करें। इससे आपका मन दूसरी दिशा में डाइवर्ट हो जाएगा। कोई तरल पदार्थ लें। चाहे ठंडा पानी हो, कोल्ड कॉफी हो या फिर कोई अन्य ड्रिंक। उल्टी गिनती शुरू कर दें। म्यूजिक सुन लें या कुछ भी ऐसा करें जिससे आपका ध्यान बंट सके। तो हाथों में कलम, ब्रश–पेंट या कैमरा पकड़ लें। हो सकता है कि गुस्से में आप अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ सृजन को जन्म दे दें। मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर में कोई गेम खेलें। घर पर हैं तो टीवी देख सकते हैं। आराम से बैठ जाएं और गहरी–गहरी सांसें लें। अपने खानपान पर ध्यान दें। योग और मेडिटेशन करें।

पेरियोडोंटाईटिस रोग का इलाज

स्वस्थ मसूड़े का ऊतक प्रत्येक दाँत के आसपास फिट बैठता है। पेरियोडोंटाईटिस में मसूड़ों का ऊतक बाहर फैल जाता है और थैलियाँ सी बना लेता है। प्लैक और भोजन अवशेष इन थैलियों में इकटठा हो सकता है। प्लैक में स्थित बैक्ट्रीरिया जनन करते हैं, मसूड़ों की रेखा के नीचे वृद्धि करते हैं और बैक्ट्रीरिया विष (टोक्सिन) उत्पादित करते हैं। रोग की प्रगति के साथ, थैलियाँ गहरी होती जाती हैं और मसूड़ों का ऊतक और हड्डी और नष्ट होती है और अंतत: दांत उखड़ जाता है।

पेरियोडोंटल चिकित्सा का लक्ष्य है दांतों को स्थिर रखने वाले मसूड़ों, और आसपास की हड्डी और संयोजी ऊतक में पाए जाने वाले किसी भी संक्रमण को नियंत्रित करना, और रोग की प्रगति को रोकना।

चिकित्सा विकल्पों में शामिल है– घर की देखभाल– जैसे स्वस्थ आहार, सही प्रकार से ब्रश और फ्लॉस करना। नॉन–सर्जिकल थेरेपी– हानिकारक बैक्टरिया की वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए चिकित्सा और दवा (एंटीबायोटिक) और सर्जरी– जिन लोगों में रोग अग्रणी अवस्था में है उनमें सहायक ऊतकों को बहाल करने के लिए।

हल्के पेरियोडोंटाईटिस से ग्रस्त लोगों को घर की देखभाल और सामान्य चिकित्सा से ठीक किया जा सकता है।

अगर आपके मसूड़ों और दांतों के बीच थैलियाँ हैं जो 5 मिलीमीटर या कम गहरी हैं तो आपके दन्त चिकित्सक प्रवर्धन (स्केलिंग) और जड़ प्लेनिंग (एसआरपी)का अकेले या एंटीबायोटिक उपचार के साथ सुझाव दे सकते हैं।

स्केलिंग मसूड़ों की रेखा के ऊपर और नीचे से पट्टिका और टैटार को हटाती है। स्केलिंग उपकरणों या पराध्वनिक (अल्ट्रासोनिक) साधन द्वारा की जाती है। जड़ प्लेनिंग दांतों की जड़ों की असमानताओं को समतल कर देती है जिससे

मसूड़ों की बीमारी पैदा करने वाले प्लेक और कीटाणुओं के लिए जड़ों में जमा होना कठिन हो जाता है। चिकनी, समतल साफ सतह मसूड़ों को दांतों से पुन: जुड़ने में सहायक होती है।

आपके दंत चिकित्सक एसआरपी के साथ–साथ जीवाणु संक्रमण को नियंत्रित करने में सहयोग के लिए एंटीबायोटिक या अन्य दवाओं का निर्देश दे सकते हैं।

डॉक्सीसाईक्लिन हायक्लेट, जोकि एक स्वीकृत दवा है, को प्राय: एसआरपी के साथ संयोजन में उपयोग किया जाता है। एसआरपी बैक्टीरिया को हटाता है और डॉक्सीसाईक्लिन हायक्लेट कोलैजिनेज को दबाती है। ये एंजाइम दांतों और मसूड़ों के विनाश का कारण बनता है। मौखिक लोकल एंटीबायोटिक दवाओं का आवश्यकतानुसार निर्देश दिया जा सकता है। एंटीबायोटिक जोकि पेरियोडोन्टल थैलियों पर निरंतर जारी रखने वाली खुराक के रूप में उपयोग किये जाते हैं वे डॉक्सीसाईक्लिन हायक्लेट, क्लोरहेक्सीडीन और मिनोसाइक्लिन हैं।

आपके दन्त चिकित्सक प्लाक और जिंजीवाइटिस के नियंत्रण में सहयोग के लिए क्लोरहेक्सीडीन से मुख कुल्ला करने का सुझाव दे सकते हैं। कभी कभी संक्रमित थैली पर एंटीबायोटिक जेल, फाइबर या चिप्स लगाया जा सकता है। अगर आपका पेरियोडोंटाईटिस अग्रिम अवस्था में है। मसूड़ों और दांतों के बीच की थैलियों की गहराई 5 मिमी से ज्यादा है – आपके दंत चिकित्सक शल्य चिकित्सा (सर्जिकल) उपचार का सुझाव दे सकते हैं।

सर्जिकल विकल्पों में शामिल है

फ्लैप सर्जरी– टैटार को साफ करने के लिए मसूड़ों को उठाया जाता है। इसके बाद मसूड़े को दोबारा वापिस सिल दिया जाता है ताकि ये दांत के इर्द–गिर्द निकटता से फिट जो जाए। ये उन क्षेत्रों से थैलियों को हटाता है जहां बैक्टीरिया जनन करते हैं।

हड्डी ग्राफ्ट– पेरियोडोंटाईटिस द्वारा ध्वस्त हड्डी को बदल दिया जाता है। बदली हुई हड्डी, हड्डी की पुनर्वृद्धि के लिए आधार प्रदान करती है जो कि दांत को स्थिरता देती है।

कोमल ऊतक ग्राफ्ट– ऊतक को उन क्षेत्रों में प्रतिरोपित किया जाता है जहां मसूड़े पतले होते हैं या जिन स्थानों पर मसूड़े पीछे चले गए हैं। प्रतिरोपण के लिए ऊतक प्राय: मुँह के ऊपरी भाग से लिए जाते हैं।

निर्देशित ऊतक पुनर्जनन– ये प्रक्रिया बैक्टीरिया द्वारा क्षतिग्रस्त हड्डी की पुनर्वृद्धि में सहायता करती है। एक विशेष जैवअनुकूलित कपड़े को आपकी हड्डी और दांत के बीच रखा जाता है। ये अवांछित ऊतक को उपचारित क्षेत्र में जाने से रोकता है।

पत्तागोभी इन वजहों से है स्वास्थ्यवर्धक

चाऊमीन को हरा–भरा बनाने के लिए पत्तागोभी डाला जाता है तो कभी टेस्ट के लिए पत्तागोभी का सूप बना कर पिया जाता है। यह बंदगोभी भी बोली जाती है जिसकी सब्जी पूड़ी के साथ खाने में बहुत ही स्वादिष्ट लगती है। स्वाद में जितनी ये टेस्टी है गुणों में भी यह उतनी बेस्ट है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि ये लगभग पूरे साल मिलती है। तो अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो भरपूर मात्रा में पत्तागोभी खाएं और अपने शरीर को चुस्त–दुरुस्त रखें।

पत्तागोभी के लाभ

कैंसर से बचाए: कैंसर से पत्तागोभी में मौजूद आइसोसाइनेट्स शरीर में एस्ट्रोजिन मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज कर शरीर में कैंसर से बचाए रखता है। साथ ही इसमें डिनडॉलीमेथेन (डीआईएम), सिनीग्रिन, ल्यूपेल, सल्फोरेन और इंडोल– 3 कार्बीनॉल (13 सी) जैसे जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं। ये सारे तत्व कैंसर से बचाव करते हैं।

वजन कंट्रोल करें: आज के शहरीकरण का सबसे बड़ा श्राप इंसानी जीवन में मोटापा है। पूरी दुनिया में आज हर तीसरा आदमी मोटापे से ग्रस्त हैं। लेकिन पत्तागोभी के सेवन से मोटापे से छुटकारा मिल सकता है। पत्तागोभी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है जो वजन को बढ़ने नहीं देती। मोटापा कम होने की वजह से आपका शरीर अन्य बीमारियों का भी घर नहीं बनता।

त्वचा को बनाए स्वस्थ: आज धूल–प्रदुषण का सबसे ज्यादा असर त्वचा पर पड़ता है जिसके त्वचा बीमार और डीहाइड्रेट हो जाती है। त्वचा को स्वस्थ बनाने का बेहतरीन उपाय है अधिक से अधिक पत्तागोभी खाएं। पत्ता गोभी में एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। पत्तागोभी को अच्छी तरह से धोकर खाने से त्वचा स्वस्थ बने रहती है और चेहरे की चमक बरकरार रहती है।

बालों के लिए फायदेमंद: बाल बढ़ने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत शरीर को विटामिन ई और सिलिकॉन की होती है। ये दोनों चीजें पत्तागोभी में प्रचूर मात्रा में पाई जाती है। पत्तागोभी के अधिक सेवन से आप खुद महसूस करेंगे की आपके बाल बढ़ रहे हैं। साथ ही पत्तागोभी का जूस शरीर में सल्फर की कमी को भी पूरा करता है। जिससे बाल मजबूत और काले बनते हैं।

एनिमिया का इलाज है पत्तागोभी: अधिकतर लोगों को खून की कमी होती है खासकर महिलाओं को। ऐसे लोगों को पत्तागोभी का नियमित सेवन सलाद के रुप में करना चाहिए। पत्तागोभी में फोलिक एसिड होता है जो खून की कमी को पूरा करता है। फोलिक एसिड शरीर में नए ब्लड सेल्स का निर्माण करता है जिससे शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है।

मुश्किल नहीं टैनिंग से बचना, ये हैं कारगर उपाय

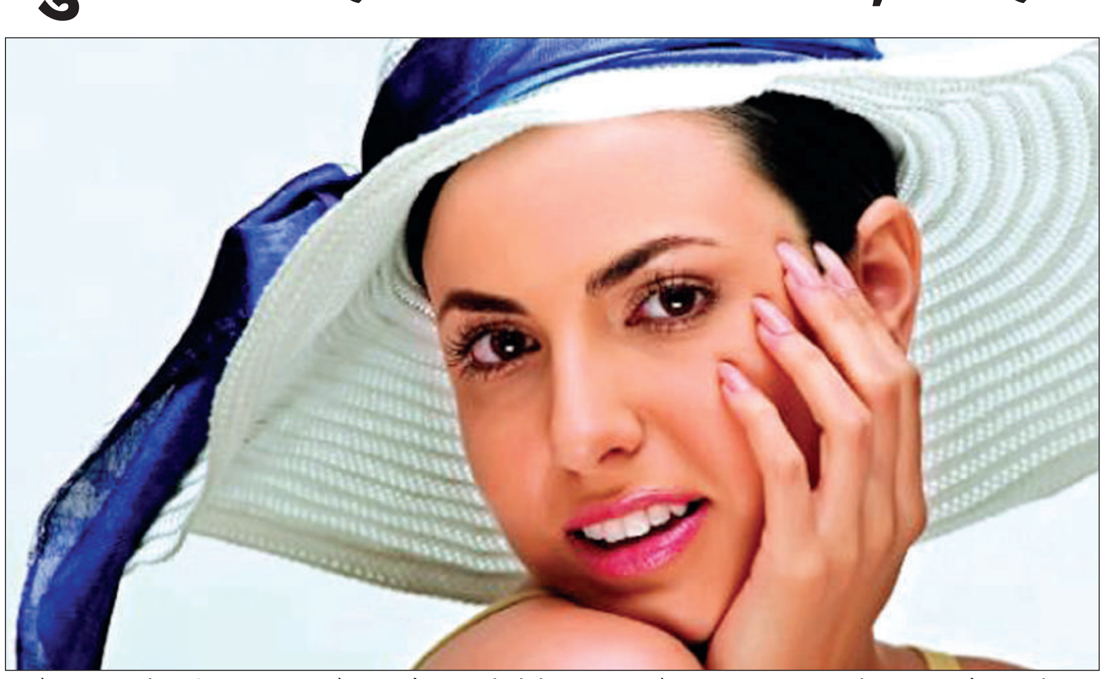

टैनिंग त्वचा से जुड़ी आम समस्या है। हमारी त्वचा काफी नाजुक होती है और इसके ज्यादा देर सूरज की रोशनी के संपर्क में आने से टैनिंग की समस्या पैदा होती है। वायु सेना हॉस्पिटल में त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. पायल कुंडु के अनुसार, 'शरीर में मौजूद मेलानिन हमारी त्वचा को यूवी किरणों से बचाता है, लेकिन मेलानिन प्रभावित होने पर इसका असर काफी खतरनाक हो सकता है। टैनिंग की भी यही वजह है। यह कोशिकाओं को उत्तेजित कर पहले त्वचा को झुलसाता है। ज्यादा समय के एक्सपोजर से त्वचा के कैंसर का खतरा भी हो जाता है। गोरी रंगत के लोगों के लिए टैनिंग ज्यादा खतरनाक है। एक अच्छी बात यह है कि भारतीयों में यह समस्या कम देखने को मिलती है क्योंकि यहां के लोगों के शरीर में मेलानिन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।'

टैनिंग और सनबर्न में फर्क

सनबर्न और सन टैनिंग में काफी अंतर होता है। सनबर्न से त्वचा झुलस जाती है। इसके असर से चेहरे पर जलन और बुखार जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। वहीं जब झुलसने के बाद त्वचा का रंग ज्यादा गहरा हो जाए और लाल चकत्ते जैसा बन जाए तो उसे सन टैनिंग कहा जाता है। आपकी थोड़ी–सी लापरवाही त्वचा के लिए भारी पड़ सकती है। टैनिंग का प्रभाव त्वचा पर लंबे समय तक के लिए हो सकता है। इससे त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है। त्वचा का रंग काला पड़ जाता है। रूखे बेजान चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं।

दो तरीके से होती है टैनिंग

टैनिंग दो स्थितियों में होती है: पहली तुरंत होने वाली टैनिंग जो सुबह–सुबह सूरज की रोशनी के लगातार संपर्क में आने से होती है और दूसरी तरह की टैनिंग तब होती है, जब हम बहुत दिनों बाद अचानक धूप के संपर्क में आते हैं। दोनों ही स्थितियों में आपको बचना चाहिए। पहली चीज आप यह कर सकती हैं कि अपने आपको प्राकृतिक तरीके से बचा कर रखें। इसके लिए टोपी, धूप का चश्मा आदि का इस्तेमाल कर सकती हैं। दूसरा केमिकल बचाव यानी बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन और लोशन का प्रयोग।

अगर टैनिंग हो जाए खतरनाक

अगर टैनिंग खतरनाक स्थिति में पहुंच जाए तो उसका सही तरीके से इलाज जरूर करवाएं। इसमें माइक्रोडर्मब्रोशन, सुपरफेशियल केमिकल पील्स और विभिन्न लेजर थेरेपी द्वारा ट्रीटमेंट किया जाता है, जिसके बाद आपकी त्वचा पहले की तरफ फिर से मुलायम और निखरी हुई नजर आती है। ब्यूटीशियन कोमल बताती हैं कि टैनिंग हो जाने के बाद उसे हटाने के भी कई रास्ते हैं। दूसरे विकल्पों के तौर पर आप पील्स का प्रयोग भी कर सकती हैं जैसे ग्लाइकोलिक, लैक्टिक, साइट्रिक, कोजिक और एजिलेयिक पील्स आदि। इसके अलावा आप टैनिंग हटाने के लिए स्किन पॉलिशिंग और विटामिन सी फेशियल का सहारा भी ले सकती हैं।

ये भी हैं कारगर उपाय

एलोवेरा: एलोवेरा का ताजा जेल त्वचा को राहत पहुंचाकर रंगत को निखारता है। यह त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत की तरह काम करता है और उसको नमी देता है। एलोवेरा के जेल में नीबू का रस मिलाकर त्वचा पर लगाएं। कुछ देर बार ठंडे पानी से धो लें।

शहद–नीबू: नीबू के रस में एसकॉर्बिक एसिड होता है जिससे टैनिंग का असर कम होता है। एक चम्मच शहद में नीबू की कुछ बूंदें मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और धोएं।

आम: आम में एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी होता है जो बालों, त्वचा और सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। पिग्मेंटेशन का प्रभावी तरीके से इलाज कर यह टैंनग के बाद चेहरे पर चमक लेकर आता है। आम को अच्छे से मैश करें और त्वचा पर लगाएं। कुछ देर बाद ठंडे पानी से धो दें।

टमाटर: टमाटर में लाइकोपिन होता है जो एक प्राकृतिक सनस्क्रीन है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट कोशिकाओं को नष्ट होने से बचाते हैं और त्वचा के सूजन को भी कम करते हैं। टमाटर का गूदा त्वचा पर लगाएं। 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें।

आलू का रस: आलू भी एक प्रभावी डीटैंनग एजेंट है। आलू के पेस्ट में नीबू का रस मिलाएं और त्वचा पर 20 मिनट के लिए लगाएं। ठंडे पानी से धो लें।

पपीता: पपीता जल्दी और प्रभावी तरीके से त्वचा में चमक लाने के लिए जाना जाता है। पके पपीते को मैश करके त्वचा पर लगाएं और दस मिनट बाद धो लें।

रेसिपी

आंवले का मुरब्बा

सामग्री

आंवला 1 किलो, चीनी 1 किलो, सिट्रिक एसिड 5 ग्राम, फिटकरी 1/2 छोटी चम्मच

विधि

आँवलो को धोकर कर चाकू या काटे से गोद लीजिये। दो लिटर पानी मे आधा छोटा चम्मच फिटकरी घोल लीजिये। इसी पानी मे आँवलो को 24 घंटे के लिए भिगो कर रख दीजिये। इसके बाद आँवलो को फिटकरी के पानी से धो लीजिए, और 2 मिनट तक तेज आँच पर उबलने दीजिए। चीनी को 3/4 पानी मे डालकर चाशनी तैयार कर लीजिए। उसके बाद आँवलो को 24 घंटे चाशनी मे डुबोकर कर रख दीजिए। उसके बाद निकाल लीजिए और चाशनी को फिर से गरम कर लीजिए, फिर इसमे सिट्रिक एसिड डाल दीजिए। इसके बाद चाशनी को छान लीजिए और इसमे आंवले मिला दीजिए और ठंडा होने के लिए रख दीजिए। आंवले का मुरब्बा बन कर तैयार है। जब ये ठंडे हो जाए तब इन्हे जार मे भर दीजिए।

पुदीना खाकरा

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, 1 कप ताजी पुदीने की पत्तिया, 2 हरी मिर्च, 1 छोटा चम्मच भुने जीरे का पाउडर, 3-4 चम्मच तेल, नमक स्वादानुसार, तेल सेकने के लिए।

विधि

पुदीने की पत्तियों और हरी मिर्च को मिक्सी में दाल के बारीक पेस्ट बना ले। एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, जीरा पाउडर, नमक और तेल मिलाये। फिर पुदीने का पेस्ट मिला के मुलायम आटा गूंध ले और एक कपडे से ढक के आधे घंटे के लिए रख दे। फिर आधे घंटे के बाद सूखा आटा लगा कर बहुत पतली रोटी बेल ले। फिर एक भारी तवे पर डाल कर दोनों तरफ हल्का हल्का तेल लगा दे, फिर एक सूती कपडे से दबा दबा के सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेक ले। इसी तरह से सारे खाकरे सेक ले फिर ठन्डे होने पर एयर डिब्बे में बंद करके रख दे। इसे 15-20 दिन तक रख के खा सकते है।

संपादकीय

राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्टंटबाजी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में बीती 4 मई को आतंकियों ने वायुसेना के काफिले पर हमला किया था, जिसमें एक जवान ने शहादत दी और चार घायल अब भी उपचाराधीन हैं। इस हमले को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भाजपा की 'चुनावी स्टंटबाजी' करार दिया। इससे बड़ी नालायकी और संवेदनहीनता क्या हो सकती है? यह राष्ट्रीय सुरक्षा और सेनाओं के सम्मान की अनिवार्यता का भी उल्लंघन है कि एक सरहदी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने ऐसा बयान दिया है। पुंछ के घने, गहरे, जंगलात इलाकों में सेना और सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अब भी जारी है, आतंकियों के दो स्कैच जारी कर 20 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है और आश्चर्य है कि इस कवायद को 'स्टंटबाजी' करार दिया गया है। कांग्रेस नेताओं को सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई आक्रमण भी फर्जी और स्टंट लगे थे। वे लगातार सरकार से सवाल पूछते रहे और व्याख्याएं करते रहे कि आतंकी अड्डे नेस्तनाबूद नहीं हुए, बल्कि हमलों की चपेट में कुछ पक्षी आ गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा पर इतना खोखलापन और सियासी विरोध वाकई चिंतित करता है, क्योंकि ऐसी टिप्पणियां करना हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और शहादतों का भी अपमान है। जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में ही दूसरा बयान फारूक अब्दुल्ला का है। वह कई सालों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बीती 17वीं लोकसभा में भी सांसद थे। भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। इसके बावजूद फारूक का पाकपरस्त और चीन-समर्थक रवैया कोई नई बात नहीं है। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के संदर्भ में बयान दिया था, जिस पर फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी कि उन्होंने भी चूडियां नहीं पहन रखीं। उनके पास भी एटम बम है और वह बम हम पर ही गिरेगा। फारूक ने भारत की सामरिक ताकत को खौफजदा करने की कोशिश की है। एक बार फिर उन्होंने पाकिस्तान की भाषा बोली है। हालांकि वह सीमापार आतंकवाद के अंजामों को बखूबी जानते हैं। उन्हें 1999 का 'कारगिल युद्ध' याद होगा। चलो, 1965 और 1971 के युद्धों को 'लंबा अतीत' मान लेते हैं, लेकिन पाकिस्तान को सब कुछ याद है। दुनिया ने यह भी देखा है कि युद्ध के नाम पर वहां की 'नेशनल असेंबली' (संसद) में नेताओं के हाथ-पांव किस तरह कांपने लगते हैं? जिस देश के पास खाने को रोटी नसीब नहीं है, विदेशों के कर्ज पर जिंदा है, वह एटम बम कैसे चलाएगा? बहरहाल कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार की हुकूमत के तीन दशकों के दौरान आतंकवाद और अलगाववाद कितना फला-फूला था, यह देश अच्छी तरह जानता है। उनकी स्मृतियां भी शेष हैं। कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार किए गए थे, हत्याएं की गई थीं, अंततः वे कश्मीर छोडने को विवश हुए। उसकी बुनियाद भी फारूक सरकार के दौरान रख दी गई थी। राज्य में उस दौर में 70,000 से अधिक आतंकी घटनाएं हुईं और 35,000 से अधिक कश्मीरी जवान मार दिए गए। ऐसा राजनेता आज पाकिस्तान की चूडियों और एटम बम की परोक्ष धमकी हमें दे रहा है! आज हमें 'नया कश्मीर' दिखाई दे रहा है। कश्मीर में रात 11 बजे भी 'लाल चौक' के पास घूम सकते हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 2 करोड़ से अधिक पर्यटक 'पृथ्वी का जन्नत' देखने आए हैं। आतंकवाद के छाया पैरोकार रहे नेता बार-बार हमारे शहीदों और सैनिकों को अपमानित क्यों करते हैं? ऐसी ही हरकत मुंबई में कांग्रेस के नेता विजय वडट्टिवार ने की है। उन्होंने एक किताब के हवाले से बयान दिया है कि 26/11 आतंकी हमले के दौरान पुलिस के जांबाज अफसर हेमंत करकरे को आतंकवादी कसाब की गोली नहीं लगी थी, बल्कि वह आरएसएस समर्थक पुलिस अधिकारी की बंदूक से निकली गोली से शहीद हुए थे। इस निरर्थक बयान पर शशि थरूर जैसे बौद्धिक सांसद ने जांच की मांग की है। शहादतों पर इस तरह संदेह करने और अनाप-शनाप बयान देने से कितने वोट हासिल होंगे? देश की जनता का विवेक बखूबी यह जानता है। देश की सुरक्षा का मुद्दा राजनीति का मुद्दा नहीं है। न ही शहादतों पर थोथी बयानबाजी होनी चाहिए। चन्नी, फारूक व शशि थरूर, तीनों ने सीमाएं लांघ कर बयान दिए हैं। ऐसे बयानों से बचना चाहिए।

पुंछ के घने, गहरे, जंगलात इलाकों में सेना और सुरक्षा बलों का ऑपरेशन अब भी जारी है, आतंकियों के दो स्कैच जारी कर 20 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है और आश्चर्य है कि इस कवायद को 'स्टंटबाजी' करार दिया गया है। कांग्रेस नेताओं को सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई आक्रमण भी फर्जी और स्टंट लगे थे। वे लगातार सरकार से सवाल पूछते रहे और व्याख्याएं करते रहे कि आतंकी अड्डे नेस्तनाबूद नहीं हुए, बल्कि हमलों की चपेट में कुछ पक्षी आ गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा पर इतना खोखलापन और सियासी विरोध वाकई चिंतित करता है, क्योंकि ऐसी टिप्पणियां करना हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और शहादतों का भी अपमान है। जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में ही दूसरा बयान फारूक अब्दुल्ला का है। वह कई सालों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे।

भाजपा केंद्र में सरकार बनाने में सफल हो और मोदी फिर से सत्ता में आए

फाइव आइज का मोदी और भाजपा को लेकर अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

तीसरे चरण के बाद अब चौथे चरण की वोटिंग की तैयारी है। पूरी दुनिया की नजर भारत पर है, जिसमें कि भारत विरोधी यही चाहते हैं कि भाजपा की सत्ता केंद्र में न आए, मोदी फिर से भारत के प्रधानमंत्री न बनें। भारत पहले की तरह ही कई मोर्चों पर संघर्ष करता हुआ कमजोर दिखाई दे। अब इसके लिए भाजपा एवं मोदी से विरोध करनेवाली शक्तियां तो देश के अंदर काम कर ही रही हैं, किंतु इन दिनों ऐसी शक्तियों को विदेशों में भी पुख्ता माहौल बनाते हुए देखा जा सकता है।

हम सभी जानते हैं, भारत में इस वक्त लोकसभा चुनाव का दौर चल रहा है। तीसरे चरण के बाद अब चौथे चरण की वोटिंग की तैयारी है। पूरी दुनिया की नजर भारत पर है, जिसमें कि भारत विरोधी यही चाहते हैं कि भाजपा की सत्ता केंद्र में न आए, मोदी फिर से भारत के प्रधानमंत्री न बनें। भारत पहले की तरह ही कई मोर्चों पर संघर्ष करता हुआ कमजोर दिखाई दे। अब इसके लिए भाजपा एवं मोदी से विरोध करनेवाली शक्तियां तो देश के अंदर काम कर ही रही हैं, किंतु इन दिनों ऐसी शक्तियों को विदेशों में भी पुख्ता माहौल बनाते हुए देखा जा सकता है। वस्तुतः पाकिस्तान, चीन, समेत कई देश जो भारत को सहन नहीं कर पा रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते ही थे, लेकिन अब यूरोप समेत विशेष तौर पर इंग्लैण्ड और अमेरिका जैसे विकसित देशों ने भी लगातार केंद्र की मोदी सरकार को घेरना जारी रखा है, जिसमें कि उसके सामने आज का सबसे बड़ा कोई विषय है तो वह है भारत का अल्पसंख्यक वर्ग, विशेषकर यहां की दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्या यानी कि मुलसमान। इस संदर्भ में यह तथ्य सामने आया है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले फाइव आइज खुफिया गठबन्धन (कनाडा, न्यूजीलैण्ड, ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलियाई) ने मोदी सरकार के खिलाफ विशेष मोर्चा खोलकर रखा है। इन पांच देशों की सरकार समर्थक मीडिया हर दिन भारत विरोधी कोई नई रिपोर्ट प्रकाशित करती है। इन रिपोर्टों में तथाकथित सूत्रों के आधार पर मोदी सरकार को निशाना बनाया जा रहा है। वह मोदी सरकार पर लगाम कसने के लिए वामपंथी मीडिया और अपने स्वयं के वित्त पोषित ब्रॉडकास्टर को खुफिया जानकारी लीक कर रहे हैं तथा भ्रम फैलानेवाली झूठी रिपोर्ट बड़े स्तर पर स्वयं से तैयार करने के साथ ही करवा रहे हैं, जिसमें से एक नैरेटिव यह गढ़ा जा सके कि भारत में मुसलमान मोदी राज में बहुत कमजोर पड़े हैं। वे खतरे में हैं और उन पर हिन्दू नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते हुए भयंकर अत्याचार हो रहे हैं। इस बात को समर्थन देने एवं जोर

देते हुए आप ऑस्ट्रेलिया के अखबार ऑस्ट्रेलियन फाइनेंशियल रिव्यू, अमेरिकी अखबार 'द वाशिंगटन पोस्ट', 'द न्यूयॉर्क टाइम्स', सीएनएन, टाइम मैगजीन, ब्रिटेन के अखबार 'द गार्जियन', बीबीसी, फ्रांस के प्रसिद्ध समाचार पत्र ले मोंड समेत अन्य कई को आप देख भी रहे थे, जिनमें कि इस प्रकार कि रिपोर्ट्स लगातार प्रकाशित की जा रही हैं। लेकिन इसी कड़ी में अब सीएनएन में शामिल हो गया है। अमेरिकन मीडिया संस्थान सीएनएन ने 'भारत के पवित्र शहर में बढ़ते हिंदू राष्ट्रवाद से मुसलमान डरे हुए हैं' (Rising Hindu nationalism leaves Muslims fearful in India's holy city) शीर्षक से एक खास लेख कम विशेष स्टोरी प्रकाशित की है। इसमें इस बार वाराणसी (काशी) प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा चुनाव क्षेत्र को चुना है और यह बताने की कोशिश की है कि भारत के मुसलमाना मोदी राज में बहुत डरे हुए हैं और वे नहीं चाहते कि भाजपा केंद्र में सरकार बनाने में सफल हो और मोदी फिर से सत्ता में आए। इन सभी की यही सोच है कि यदि मोदी फिर से सत्ता में आ गए तो भारत को वे हिन्दू राष्ट्र बना देंगे । सनातनी भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बहुत अधिक बढ़ जाएंगे। सीएनएन कह रहा है कि मोदी की भाजपा की जड़ें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में हैं, जो एक दक्षिणपंथी अर्धसैनिक संगठन है जो भारत के भीतर हिंदू वर्चस्व की वकालत करता है। ऐसे में दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में अब इसकी 200 मिलियन से अधिक मजबूत मुस्लिम आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मोदी के दोबारा चुने जाने की संभावना पर डर व्यक्त कर रहा है। वाराणसी के कई मुसलमान उपेक्षित महसूस करते हैं, यहां तक कि उनके साथ विश्वासघात होने की बात करते हैं, खासकर जब एक सदियों पुरानी मस्जिद ज्ञानवापी की बात हो। सीएनएन यहां स्थानीय मुस्लिमों के माध्यम से कहलवा रहा है कि सरकार उनके समुदाय की रक्षा करने में विफल हो रही है, आज के भारत में घृणा अपराधों से लोग असुरक्षित और भयभीत महसूस कर रहे हैं। अगर मोदी दोबारा चुने गए तो सबसे बुरा होगा। इसके लिए सीएनएन भाजपा नेता टी. राजा सिंह के भाषण, हिंदू अधिकारियों को प्रमुख सरकारी संस्थानों में शीर्ष पदों पर नियुक्ति देने, अधिकारियों द्वारा मुस्लिम संपत्तियों को ध्वस्त करने के आरोपों, मुस्लिम बहुल राज्य जम्मू और कश्मीर की विशेष स्वायत्तता अनुच्छेद 370 को हटाने और उसे सीधे दिल्ली के नियंत्रण में लाने, नागरिकता कानून को पारित करने, (जिसमें मुस्लिम प्रवासियों को शामिल नहीं किया गया), दिल्ली दंगों के लिए भी हिन्दुओं को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इसके साथ ही ये सीएनएन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को घेरने के लिए वाशिंगटन स्थित शोध समूह इंडिया हेट लैब की की रिपोर्ट का उल्लेख भी करता है, जिसका कहना है कि भारत में मुस्लिम प्रताड़ित हैं। यह लेख कहता है कि ह्यूमन राइट्स वॉच, एमनेस्टी इंटरनेशनल और इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर ह्यूमन राइट्स सहित कई मानवाधिकार संगठनों ने धार्मिक लोगों के खिलाफ निरंतर भेदभाव की चेतावनी दी है। इसके साथ ही चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी जो बोल रहे हैं उसको आधार बनाकर यह बताने का प्रयास हुआ है कि मुसलमानों पर घुसपैठिए होने का आरोप लगाया जा रहा है और एक नारा संविधान खतरे में है का जोर शोर के साथ लगाया जा रहा है।

दृष्टि कोण

स्कूल बस हादसों में मौतों का जिम्मेवार कौन ?

देश में स्कूल बसों में हो रहे दर्दनाक हादसों में मासूमों की मौत के लिए जिम्मेवार कौन है, यह सवाल बहुत ही महत्वपूर्ण है। स्कूल बसों के चालकों द्वारा नशे में गाड़ी चलाना, ओवर स्पीड या अन्य लापरवाही के कारण हादसों की बातें देश के कई राज्यों से आए दिन समाचारपत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया पर पढने और देखने को मिलती हैं। इन हादसों की रोकथाम के लिए सरकार व प्रशासन के साथ माननीय न्यायालय ने भी कठोर कदम उठाए हैं, लेकिन फिर भी हादसे निरंतर गति के साथ बढ़ रहे हैं जो मासूम नन्हें बच्चों के साथ अन्याय हो रहा है। माता-पिता का सपना होता है जिस कार्य को हम न कर सके, हमारे बच्चे पढ़-लिखकर पूरा करेंगे। चाहे बच्चे बड़े हों या फिर छोटे, मां-बाप के कलेजे के टुकड़े होते हैं। खासकर छोटे बच्चों को जब स्कूल भेजा जाता है तो अभिभावकों को बच्चों की फिक्र लगी रहती है। इसलिए काफी लोग अपने बच्चों के लिए स्कूल की बस लगा देते हैं, जिससे वो सेफ्टी से स्कूल आ-जा सकें, लेकिन जब उसी बस में लापरवाही की वजह से बच्चों को कुछ होता है तो मां-बाप का कलेजा मुंह को आ जाता है। यह कोई कहानी नहीं, बल्कि सच्चाई है। देश के प्रत्येक परिवार से स्कूल बसों का सम्बन्ध है क्योंकि स्कूल बसों में बच्चे शिक्षा लेने आगामी जीवन के लिए सशक्त होने लगभग इसी माध्यम से स्कूल पहुंचते हैं। चाहे उसमें छोटी कक्षाओं का जिक्र किया जाए या बड़ी कक्षाओं का, इसमें आमतौर पर छोटी कक्षाओं के बच्चों की संख्या अधिक रहती है। लेकिन दुर्भाग्यवश हर दो-तीन महीने में एक स्कूल बस की दुर्घटना कई परिवारों के चिरागों को सदा के लिए बुझा देती है। चाहे बात पंजाब के हादसों की हो या फिर हिमाचल के नूरपूर की बात हो या मध्यप्रदेश के इंदौर या अब हरियाणा के महेंद्रगढ़ की बात हो। 4 मार्च 2013 को पंजाब के जालंधर में 13 बच्चों की जान हादसे में गई थी। 6 जनवरी 2018 को इंदौर (मध्य प्रदेश) में चार बच्चों की जान गई। इसके बाद 9 अप्रैल 2018 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला के नूरपुर में 23 स्कूलों बच्चों सहित 27 लोगों की जान गई थी। इतने बड़े हादसों के बाद भी इन पर लगाम नहीं लगी। इसके बाद 11 जुलाई 2023 को गाजियाबाद में दो बच्चों की जान गई। 7 फरवरी

2024 को पंजाब के श्री आनंदपुर साहिब में भी बस दुर्घटना हुई थी। अब हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 06 स्कूली बच्चों की जान चली गई है। भारत के अन्य राज्यों में भी इस प्रकार के मामले देखने को मिलते हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हैदराबाद व कर्नाटक के भी कई मामले इस श्रेणी में शामिल हैं। आखिर स्कूल बसों में कब तक यूं ही घरों के चिराग बुझते रहेंगे, आखिर उनका जिम्मेवार कौन है? स्कूल, ड्राइवर या अभिभावक या सरकार? आखिर कौन? जांच बिठाई जाती है, पर न जाने निर्णय क्या होता है? फिर वैसी ही घटनाएं सुनने को मिलती हैं। प्रत्येक माता-पिता के लिए यह चिंता का विषय रहता है कि उनके बच्चे कब स्कूल जाते हैं। अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से लेकर वे दोपहर के भोजन में क्या खा रहे हैं, यहां तक चिंता रहती है, लेकिन स्कूल बस सुरक्षा चिंता का विषय नहीं होती। कभी बस को लेकर सवाल नहीं होता। आखिर अभिभावक के तौर पर हम इस जिम्मेवारी से कैसे पीछा छुड़ा सकते हैं? अनेकों निजी स्कूलों के खटारा वाहनों में देश का भविष्य मासूम बच्चे सफर करने को मजबूर हैं। स्कूल संचालकों द्वारा खटारा बसों, सूमो, टवेरा, ईको आदि गाडियों में बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के कार्य पर लगाकर मोटा मुनाफा वसूला जा रहा है। इसके अलावा स्कूल संचालक सरकार को चूना लगाने का काम कर रहे हैं। बता दें कि अधिकांश स्कूलों में बच्चों को लाने-ले जाने के लिए कबाड़ हो चुकी बसें और प्राइवेट रजिस्ट्रेशन की सरकार द्वारा समय सीमा अवधि खत्म हो चुकी गाडियां लगाई हुई हैं। इन गाडियों में स्कूली बच्चों को घर से स्कूल लाने व घर ले जाने के एवज में अभिभावकों से हजारों रुपए वसूल किए जाते हैं, परंतु इन गाडियों में सुविधाओं के नाम पर ठीक से बैठने की जगह भी नहीं होती। इन वाहनों में सुरक्षा के उपकरण भी नहीं होते। इन वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चे बिठाकर लाने-ले जाने का कार्य किया जाता है। कई बसों पर न तो कोई हेल्पलाइन नंबर लिखा होता है, न ही स्कूल का नाम, न ही कोई इमरजेंसी और हेल्पलाइन नंबर होता है। यह खटारा हो चुकी गाडियां होने के कारण रास्ते में कहीं पर भी खराब होकर खड़ी हो जाती हैं। इन गाडियों के ड्राइवर बच्चों की परवाह न करते हुए खतरनाक ड्राइविंग करते हुए नजर आते हैं। बहुत से स्कूलों में बसों पर ड्राइवर के साथ अन्य कोई भी हेल्पर बच्चों को उतारने व चढ़ाने के लिए नहीं होता है। कईयों में तो न तो ब्रेक लाइट होती है, न ही इंडीकेटर। ऐसी बसों में बच्चों को बिठाकर लाने-ले जाने के कारण उनके जीवन के साथ खिलवाड़ हो रहा है। स्कूल संचालकों की मनमर्जी के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा ऐसी कबाड़ बसों के कारण हो सकता है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रशासन आंखें मूंदे शायद किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है या फिर ऐसा कहें कि प्रशासनिक अधिकारी और स्कूल संचालकों की सांठगांठ के कारण ही बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शिक्षा विभाग के बड़े अधिकारी इन स्कूलों के कार्यक्रमों में बतौर अतिथि उपस्थित होते रहते हैं और बड़े-बड़े उपहार उन्हें मिलते रहते हैं।

कुछ अलग

चुनावी पारा, बंदा बेचारा

सुबह उठा ही था कि दरवाजे पर अखबार वाले के बदले सूरज पसीना पोंछते दिखा तो दीवार घड़ी पर नजर दौड़ाई। सुबह के सात ही बजे थे। हद है यार! सुबह के सात बजे ही सूरज अपना पसीना पोंछते हुए! अभी तो जनता आराम फरमा रही है। सुबह की ठंडी ठंडी हवा खा रही है। मैं कभी अपना तो कभी पसीने से तर सूरज का चेहरा देख ही रहा था कि सूरज ने शरद ऋतु का चांद होते अपने चेहरे का पसीना पोंछते मुझसे बड़ी विनम्रता से पूछा, 'बंधु! क्या मैं भीतर आ सकता हूं? बाहर बहुत पसीना पड़ रहा है।' उसके ये पूछने कहने पर कभी मैं उसका मुंह देखूं तो कभी अपना। ये सूरज आखिर बोल क्या रहा है? क्या ये सच्ची का सूरज होगा? अपना मन रखने के लिए तब मैंने हंसते हुए अपनी शंका का निवारण करते उससे पूछा, 'माफ करना भाई साहब! पूछते हुए लग तो बहुत बुरा रहा है पर...क्या तुम सच्ची के सूरज हो या...।' 'क्या मतलब तुम्हारा? कोई शक? बंधु! चांदों पर शक करो तो करो, पर सूरज पर शक करना अपने को घनघोर अंधेरे में धकेलना है। मैं सच्ची का सूरज हूं। एक सौ एक प्रतिशत सच्ची का।' सूरज ने एक बार फिर अपने हाथ में लिए रूमाल से अपने चेहरे का पसीना पोंछा तो मैंने पूरी सौम्यता से शिष्टाचार दिखाते उसे अंदर आने की इजाजत दी तो वह पसीना पोंछता हुआ बैठक में आ गया। कुछ देर तक इधर उधर देखने के बाद उसने मुझसे पूछा, 'बंधु! माफ करना, एसी वेसी है क्या?' कह वह इधर उधर देखने लगा। एसी ही ढूंढ रहा होगा। ये अतिथि भी न! दरवाजा पार करते ही फरमाइशों के अंबार लगा देते हैं। 'क्यों? अभी तो सुबह हुई ही है। शीतल हवा बह रही है। दूसरे सूरज को कहां एसी सो काम! काम तो हमें है जो तुम्हारी गर्मी में झुलस रहे हैं।' 'बदन बहुत जल रहा है बंधु! कुछ देर के लिए एसी चला देते तो बहुत मेहरबानी होती तुम्हारी मुझ पर।' उसने पास के सोफे पर बैठते कहा तो मुझे और भी हैरानी हुई। मंत्री का पीएस और ईमानदार? 'रूह आफजा चलेगा?' मैंने उसका मुंह ताकते एसी की तरफ से उसका ध्यान हटाते उससे यों ही पूछा तो वह तुरंत बोला, 'रूह आफजा और पूछ पूछ। वाह बंधु! क्या बात है रूह आफजा की! हलक से सीधे रूह में जा उतरता है। तुमने तो मेरे मुंह की बात छीन ली। पर पहले अपना रूमाल तो देना प्लीज! मेरे रूमाल के देखो तो पसीना पोंछ पोंछ कर क्या हाल हो गए हैं इसके।' उसने अपने रूमाल का पसीना वहीं निचोड़ रूमाल मुझे पकड़ाते कहा तो बहुत गुस्सा आया। अचानक उसकी नजर अतिथियों से छिपाकर रखे एसी पर पड़ी तो उसने उछलते हुए कहा, 'गुड! अच्छी कंपनी का है। आम आदमी को भी ब्रांडेड चीजें ही इस्तेमाल करनी चाहिएं बंधु! चाहे इमाई पर ही लेनी पड़ें। शुरू में लगती तो महंगी हैं, पर बाद में बात बात पर तंग नहीं करतीं बीवी की तरह!' 'माफ करना! एक बात जाना चाहूंगा, सूरज होकर भी तुम्हें इतना पसीना क्यों पड़ रहा है? ऊपर से सूरज होकर मुझसे रूमाल मांग रहे हो? फिर सुबह सुबह एसी ढूंढ रहे हो? आखिर ये सब हो क्या रहा है?' 'होना क्या बंधु! नेताओं के चुनावी भाषणों ने आजकल पारा इतना बढ़ा दिया है कि उनके चुनावी भाषणों के पारे के आगे मेरा पारा बेचारा होकर रह गया है। देखो तो, उनके भाषणों के प्रचंड पारे से मैं भी पसीना पसीना हुआ जा रहा हूं। इस पारे से बचने के लिए कभी कोल्ड ड्रिंक्स ले रहा हूं तो कभी फालूदा खा रहा हूं। कभी गर्मी से बचने के लिए विज्ञापनी लिरिल से नहा रहा हूं तो कभी बढ़ते चुनावी पारे में घमौरियों से बचने के लिए ठंडा ठंडा कूल कूल डरमी कूल लगा रहा हूं। इस जिंदगी में आज तक और तो सब कुछ देखा, पर ऐसा आग बरसाने वाला चुनावी पारा कभी न देखा। बंधु! उनके चुनावी भाषणों के प्रचंड पारे से जनता के तो जनता के, मेरे भी पसीने छूट रहे हैं।

देश दुनिया से

हम लड़ रहे हैं दुनिया का सबसे महंगा चुनाव

भारत ने संसदीय लोकतंत्र को अपनाकर अपनी पुरातन राजतंत्रीय व्यवस्था को विदा कर दिया था। तब लोगों ने सोचा था कि अब बड़ी सहजता से अपने बीच के लोगों को अपना प्रतिनिधि बनाकर शासन अपने हाथ में लेकर चलाएंगे। बहुत बड़ी आशाओं और सपनों के साथ हमने आगे बढ़ाना आरंभ किया। कुछ देर पश्चात ही हमें पता चल गया कि हम गलत दिशा में आगे जा रहे हैं। क्योंकि कुछ परिवारों ने पुरानी राजतंत्रीय व्यवस्था के नए संस्करण के रूप में राजनीतिक दल आधुनिक लोकतंत्र में लड़ने वाली फौज के रूप में खड़े किए, उन पर अपना एकाधिकार किया और धीरे-धीरे देश की सारी राजनीति पर अपना शिकंजा कस लिया। शासन सत्ता को हथियाने की आपाधापी में जब भारत के लोकतंत्र ने कुछ और दूरी तय की तो कई चीजें अस्त-व्यस्त होती चली गईं। बाहुबली और धनबली लोगों ने सज्जनों का राजनीति में प्रवेश सर्वथा बाधित कर दिया।

आजाद भारत का पहला चुनाव 1952 में हुआ था। भारत के संविधान में दी गई व्यवस्था के अनुसार संपन्न हुए इन चुनावों में उस समय मात्र 10.50 करोड रुपए खर्च हुए थे। भारत ने संसदीय लोकतंत्र को अपनाकर अपनी पुरातन राजतंत्रीय व्यवस्था को विदा कर दिया था। तब लोगों ने सोचा था कि अब बड़ी सहजता से अपने बीच के लोगों को अपना प्रतिनिधि बनाकर शासन अपने हाथ में लेकर चलाएंगे। बहुत बड़ी आशाओं और सपनों के साथ हमने आगे बढ़ाना आरंभ किया। कुछ देर पश्चात ही हमें पता चल गया कि हम गलत दिशा में आगे जा रहे हैं। क्योंकि कुछ परिवारों ने पुरानी राजतंत्रीय व्यवस्था के नए संस्करण के रूप में राजनीतिक दल आधुनिक लोकतंत्र में लड़ने वाली फौज के रूप में खड़े किए, उन पर अपना एकाधिकार किया और धीरे-धीरे देश की सारी राजनीति पर अपना शिकंजा कस लिया। शासन सत्ता को हथियाने की आपाधापी में जब भारत के लोकतंत्र ने कुछ और दूरी तय की तो कई चीजें अस्त-व्यस्त होती चली गईं। बाहुबली और धनबली लोगों ने सज्जनों का राजनीति में प्रवेश सर्वथा बाधित कर दिया। जिन लोगों को देश का जनप्रतिनिधि बनाकर उनके माध्यम से जन सेवा और राष्ट्र सेवा कराने का सुनहरा सपना लोकतंत्र ने भारत के लोगों को दिखाया था, वे जनसेवी और राष्ट्र सेवी लोग विधानमंडलों के दरवाजे को देख भी ना पाएं, ऐसी व्यवस्था कर दी गई। 1957 के लोकसभा चुनाव आए तो अब तक का सबसे सस्ता चुनाव उस समय हमने होता हुआ देखा। उन चुनावों में केवल 5.9 करोड रुपए ही सरकारी स्तर पर खर्च हुए। इसके बाद 1962 के चुनाव में 7.3 करोड़, 1967 के चौथी लोकसभा चुनाव पर10.8 करोड़ , पांचवी लोकसभा के 1971 के चुनाव में 11.6 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसके बाद 1977 में जब छठी लोकसभा के चुनाव हुए तो उस समय खर्चा एकदम दुगुने से भी अधिक बढ़ा। तब सरकारी स्तर पर 23 करोड़ रूपया चुनाव पर खर्च हुआ। 1980 में यह खर्च बढ़कर 54.8 करोड़, 1984-85 में 81.5 करोड़, 1989 में 154.2 करोड़ और 1991 – 92 में बढ़कर 359.1 करोड़ हो गया। यह खर्चा 1952 के चुनाव की अपेक्षा 35 गुना अधिक था। 1996 के लोकसभा चुनाव के समय इस खर्चे में वृद्धि होकर 597.3 करोड़ का खर्च हुआ । जबकि 1998 के चुनाव के समय 666.2 करोड़, 1999 के चुनाव में 947.7 करोड़, 2004 के लोकसभा के चुनाव में 1016.1 करोड़, 2009 के चुनाव पर 1114.4 करोड़ , 2014 के लोकसभा चुनाव पर 3870.3 करोड़ और 2019 के लोकसभा चुनाव पर 9000 करोड़ रूपया खर्च हुआ। अब खबर आ रही है कि 2024 में संपन्न हो रहे लोकसभा चुनाव पर यह खर्च बढ़कर 1.20 लाख करोड़ का होने जा रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो भारत में ग्राम सभा से लेकर लोकसभा तक जितना चुनाव खर्च होता है यदि सरकारी आंकड़ों के अनुसार भी उसको जोड़कर देखा जाए तो यह 10 लाख करोड़ से भी ऊपर चला जाता है। निश्चित रूप से इतनी बड़ी धनराशि हमारे देश के कई राज्यों के बजट से भी अधिक है। जिस फिजूलखर्ची की प्रतीक राजशाही से बचने के लिए हमारे संविधान निर्माताओं ने लोकशाही को देश में स्थापित किया था, क्या उसके बारे में उन्होंने कभी सोचा होगा कि यह भविष्य में जाकर इतनी महंगी हो जाएगी कि फिजूलखर्ची भी इसे देखकर अपने आप को लज्जित अनुभव करने लगेगी? इतनी बड़ी धनराशि को देखकर लगता है कि हम अपने लिए जनप्रतिनिधि नहीं चुन रहे हैं बल्कि राजा चुन रहे हैं । जिनके लिए राजकोष पर इतना अधिक भार देश की अर्थव्यवस्था को झेलना या ढोना पड़ रहा है । यह तो हुआ चुनाव खर्च , जो 5 वर्ष में आधुनिक राजा महाराजाओं के चुनाव पर हमें खर्च करना पड़ता है, इसके अतिरिक्त उनके वेतन, भत्ते सुविधा, सरकारी आवास, सुरक्षा आदि पर होने वाले खर्च को भी यदि इसमें जोड़ा जाए तो आंखें फटी की फटी रह जाती हैं। अब आते हैं समस्या के एक दूसरे पहलू पर। हमारा मानना है कि यह समस्या ही वर्तमान में भारत में व्याप्त बेरोजगारी, भुखमरी, अपराध और गरीबी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसको समझने पर पता चल जाता है कि वर्तमान भारत की बेरोजगारी, भुखमरी, अपराध और गरीबी की समस्याओं का मूल कारण भी यह लोकतंत्र ही बन चुका है। कहा जाता है कि लोकतंत्र इन सबसे लड़ता है, पर यदि भारत की सामाजिक समस्याओं को समझा जाए तो पता चलता है कि भारत में लोकतंत्र इन सारी समस्याओं को पैदा करता है। समझने की बात है कि भारत में ग्राम प्रधान से लेकर संसद तक के चुनाव में खड़े होने वाले लोग मोटा धन पानी की तरह बहाते हैं। इसमें दो राय नहीं हैं कि अनेक लोग भारत में इस समय ऐसे हैं जो राज्यसभा सांसद बनने के लिए कई सौ करोड़ रुपए देने को तैयार बैठे हैं।

आप का नजरिया

इस भंवर के किनारे नहीं

कांग्रेस ने भले ही बागी विधायकों से निजात पा ली, लेकिन टिकटों के आबंटन में चुनावी अभियान रूठ कर बैठा रहा। लंबे अंतराल के बाद पहले तीन टिकटें और अब दो और चेहरे मिल गए, लेकिन धर्मशाला में पार्टी के भंवर अभी किनारे तक नहीं पहुंचे। पहली खेप के दो यात्री भाजपा के डिब्बे से उतरे थे, लेकिन उसके बाद अब तक घोषित पांच उम्मीदवारों में से तीन पर नया सिक्का उछाला जा रहा है। लाहुल स्पीति से अनुराधा राणा के सामने कल के कांग्रेसी और अब के भाजपाई रवि ठाकुर होंगे। ऐसे में बगावत का तीर चला चुके डा. रामलाल मार्कंडेय के पास ऐसे अस्त्र-शस्त्र रहेंगे जो किसी भी उम्मीदवार का तीया पांचा कर सकते हैं। वास्तव में अब ट्राइबल चुनाव हिमाचल की मुख्य धारा से अलग परिकल्पना का परिमार्जन है, यानी कौन किसके बगल में छुरी लेकर खड़ा है, यह अनुमान टेढ़ी खीर है। बड़सर का कांग्रेसी उधार अब एक नए चेहरे यानी सुभाष चंद को मिला है। यहां पार्टी की विरासत का वोट छीनकर इंद्रदत लखनपाल पहले ही अपनी बिसात बिछा चुके हैं, तो अब तसल्ली से चुने गए कांग्रेसी उम्मीदवार सुभाष चंद की ताजगी से अपने पुराने पेंच लड़ाएंगे। बहरहाल, कांग्रेस की करवटों में समय की सूइयां, चुनाव की पाबंदियां, सरकार की बुलंदियां और सबके सामने अपने ही रक्तचाप की हदबंदी है। प्रचार की सीमा रेखा को परास्त करती जुबानी जंग का प्रदर्शन अब होने लगा है, जबकि सियासत की भूमि पर चुनाव के पलड़े टूटे पड़े हैं। यह दीगर है कि कांग्रेस की रणनीति में नई आस्था, विश्वास और राष्ट्रीय प्रचार के झोंके प्रफुल्लित कर रहे हैं, लेकिन धर्मशाला के आंगन में विश्राम कर रही पार्टी को तैयार होने में देरी लग रही है। इसके अर्थों में पार्टी की असहजता व असमर्थता नहीं, बल्कि बागी हुए सुधीर शर्मा को पूरी तरह पस्त करने की किंकत्तव्यविमूढ़ता कहीं अधिक दबाव डाल रही है। जाहिर है इससे चार बार विधायक रहे सुधीर शर्मा का प्रभाव और गहरा व उनके प्रचार की सामग्री और विद्रोही हो जाएगी। विधायकों का बागीपन और उपचुनावों के विद्रोही तेवर बता रहे हैं कि कांग्रेस के आमने-सामने अपना ही परिवार का कोई न कोई हिस्सा टूट कर बिखरेगा। यह दांव बड़ा है और नुकसान भी कम नहीं होगा। जैसे कि मुख्यमंत्री का अभियान लक्ष्य लेकर चला है, कांग्रेस के अपने पहाड़, अपनी घाटियां और अपनी मंजिलें तय हैं। अपने विधायकों के जरिए जमीन जोतने की तैयारी हो, विपक्ष से छीनकर नेता बदलने की बारी हो, नए चेहरों पर दांव भारी हो या आलाकमान के लिए आनंद शर्मा जैसा दिग्गज उतारने की सूची जारी हो, कांग्रेस भाजपा के लिए राहें मुश्किल बना सकती है। ये चुनाव कांग्रेस के महल की खिड़कियों के लिए हो रहे हैं और एक मुख्यमंत्री के कार्यकाल के लिए बार-बार याद किए जाएंगे। यह राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा की पटकथा पर लिखे हुए चुनाव हैं, इसलिए समीक्षाओं के हर पड़ाव पर काल, कत्तव्य और कर्मठता का वर्णन हो रहा है। कर्मठता थी, इसलिए बगावत के बावजूद कांग्रेस की सत्ता आबाद है। लोकतांत्रिक कत्तव्य की ढाल पर मुख्यमंत्री ने विद्रोह की लहरों से बारूद को अलग किया है। चुनावी काल में नेताओं का दलबदल, नए नेताओं का आगमन और दिग्गजों की प्रतिष्ठा का सवाल अगर छह उपचुनाव हैं, तो कांगड़ा में आनंद शर्मा, मंडी में विक्रमादित्य सिंह, कंगना व जयराम ठाकुर के लिए यह अपने-अपने प्रभुत्व की पहचान हैं।

भारतीय स्टेट बैंक का शुद्ध मुनाफा 18 प्रतिशत बढ़कर 21,384 करोड़ रुपए हुआ, आमदनी 1.28 लाख करोड़ हुई

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां) ।

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 18.18 प्रतिशत बढ़कर 21,384.15 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में सह 18,093.84 करोड़ रुपये था।

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि एकल आधार पर कंपनी का मुनाफा बढ़कर 20,698.35 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 16,694.51 करोड़ रुपये रहा था।

वित्त वर्ष 2023-24 में समेकित शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023 में 55,648.17 करोड़ रुपये के मुकाबले 20.55 प्रतिशत बढ़कर 67,084.67 करोड़ रुपये हो गया।

चौथी तिमाही मे बैंक का कुल आय एक साल पहले की अवधि के 1.06 लाख करोड़ से बढ़कर 1.28 लाख करोड़ हो गई। बैंक का ऑपरेटिंग खर्च एक साल पहले की अवधि के 29,732 करोड़ की तुलना में अपेक्षाकृत धीमी गति से बढ़कर 30,276 करोड़ रुपये हो गई। बैंक कुल प्रावधान एक साल पहले की अवधि के 3,315 करोड़ रुपये से लगभग आधा होकर 1,609 करोड़ रुपये रह गया।

31 मार्च, 2024 की तिमाही में बैंक के सकल गैर-निष्पादित संपत्ति अनुपात में सुधार हुआ और यह 2.24 प्रतिशत हो गया। एक साल पहले की अवधि में यह 2.78 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही के अंत में 2.42 प्रतिशत थी। बंबई शेयर बाजार में इसके शेयर 1.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 825.10 रुपये पर पहुंच गए जबकि इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स में 1.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एसबीआई ने चौथी तिमाही के नतीजे जारी करने के साथ ही 13.70 रुपये प्रति शेयर का लाभांश देने का भी एलान किया है।

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल लेनदेन में वृद्धि से टेक्नोलॉजी पर 10 फीसदी खर्च बढ़ाएंगे आधा दर्जन बैंक

नई दिल्ली । डिजिटल लेनदेन में वृद्धि से बैंक अब परिचालन खर्च का 10 फीसदी हिस्सा टेक्नोलॉजी पर खर्च कर सकते हैं। आधे दर्जन बैंक अच्छी सुविधा देने के लिए खर्च बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। टेक्नोलॉजी में दिक्कत से आरबीआई ने कई बैंकों पर जुर्माना लगाया है। बैंक पहले टेक्नोलॉजी पर कुल परिचालन खर्च का 6 से 8 फीसदी के बीच खर्च कर रहे थे। यह वैश्विक औसत 10 से 12 फीसदी की तुलना में आधा ही है। पांच बैंकरों ने कहा कि आरबीआई ने बैंकों को तकनीक से संबंधित गड़बड़ियों को कम करने का निर्देश दिया है। गार्टनर का अनुमान है कि भारत की बैंकिंग और निवेश सेवा फर्मों ने 2023 में प्रौद्योगिकी पर 11.3 अरब डॉलर खर्च किया है। अधिकांश बैंकों की कोर बैंकिंग प्रणालियां पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए वे यह आकलन कर रहे हैं कि क्या प्रणालियाँ डिजिटल गतिविधि में वृद्धि को संभाल सकती हैं। कोर सिस्टम को अपग्रेड करेगा बढ़ा हुआ निवेश बढ़ा हुआ निवेश कोर सिस्टम को अपग्रेड करेगा। यह बैंकिंग परिचालन की रीढ़ है। साथ ही, डिजिटल धोखाधड़ी की बेहतर निगरानी, ग्राहक डेटा की सुरक्षा और ग्राहक सत्यापन के लिए तकनीक-संचालित प्रक्रियाओं पर काम करेगा। एक्सिस, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा जैसे अन्य बैंकों ने हाल ही में कहा, वे बढ़ती डिजिटल गतिविधि से निपटने के लिए आईटी खर्च बढ़ाएंगे।

अक्षय तृतीया पर शुभ होता है कीमती चीजें खरीदना

मुंबई । अक्षय तृतीया के दिन लोग कीमती चीजों में निवेश करने को शुभ मानते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन किये गए निवेश में वृद्धि होती है। इस साल अक्षय तृतीया 10 मई को मनाई जाएगी। यदि आप निवेश की शुरुआत करना चाहते हैं तो अक्षय तृतीया के दिन सोना, चांदी, घर, गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, जैसे विकल्पों में निवेश कर सकते हैं। भारतीय त्योहारों पर सोना खरीदना शुभ मानते हैं। अक्षय तृतीया और अन्य त्योहारों पर सोने-चांदी की जमकर बिक्री होती है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन सोने के सिक्के, गहने खरीद सकते हैं, जिससे धन और खुशहाली में वृद्धि होती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी एक बेहतर विकल्प है। यदि आप फिजिकल गोल्ड में निवेश नहीं करना चाहते हैं तो इस सरकारी बॉन्ड्स में निवेश करके सोने की कीमत पर सालाना ब्याज भी कमा सकते हैं।

रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ 83.44 डॉलर पर

मुंबई । रुपया शुरुआती कारोबार में आठ पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.44 पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख तथा विदेशी पूंजी निकासी के कारण स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा और इसकी तेजी सीमित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.49 प्रति डॉलर पर खुला और फिर शुरुआती सौदों के बाद 83.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.52 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.51 पर रहा।

चालक दल की कमी के कारण और 85 उड़ानें रद्द 20 रूट्स पर एयर इंडिया संचालित करेगा परिचालन

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां) ।

चालक दल की कमी के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 85 उड़ानें रद्द कर दीं और कहा कि उड़ानों की बाधाओं को कम करने के लिए एयर इंडिया इनके 20 उड़ान मार्गों पर सेवाएं संचालित करेगी। एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में एयर इंडिया एक्सप्रेस के चालक दल के एक वर्ग के सदस्य बीमार पड़ने की बात कहकर छुट्टी पर चले गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप से 90 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। हालांकि इस बीच दिल्ली स्थित मुख्य श्रमायुक्त के दफ्तर में एयर इंडिया एक्सप्रेस के यूनियन और प्रबंधन के बीच बातचीत शुरू हो गई है।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, हम 283 उड़ानों का परिचालन करेंगे। हमने सभी संसाधन जुटा लिए हैं और एयर इंडिया हमारे 20 मार्गों पर परिचालन का संचालन कर हमारी मदद करेगी। हालांकि, हमारी 74 उड़ानें रद्द हैं और हम अपने मेहमानों से आग्रह करते हैं कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले यह जांच कर लें कि उनकी उड़ान व्यवधान से प्रभावित है या नहीं।

विमानन कंपनी ने कहा कि यदि उनकी उड़ानें रद्द होती है या उनमें तीन घंटे से अधिक की देरी होती है तो यात्री बिना किसी शुल्क के पूर्ण वापसी या बाद की तारीख में अपना टिकट पुनर्निर्धारित (रीशिड्यूल) करने का विकल्प चुन सकते हैं। रद्द की गई उड़ानों की संख्या 74 है, जो एयरलाइन की निर्धारित दैनिक उड़ानों का लगभग 20 प्रतिशत है।

इससे पहले दिन में सूत्रों ने बताया कि एयरलाइन ने चालक दल के उन 25 सदस्यों को टर्मिनेशन नोटिस जारी किया है, जिन्होंने बीमार होने की सूचना दी थी और अन्य कर्मियों को ड्यूटी पर लौटने को कहा गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा कि वह कुछ लोगों के खिलाफ उचित कदम उठा रही है।

एयरलाइन ने कहा, हम किसी भी चिंता को दूर करने की प्रतिबद्धता के साथ अपने चालक दल के सहयोगियों के साथ संपर्क जारी रखेंगे। हम कुछ व्यक्तियों के खिलाफ उचित कदम उठा रहे हैं क्योंकि उनके कार्यों से हमारे हजारों मेहमानों को गंभीर असुविधा हुई है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा, एयर इंडिया एक्सप्रेस इस अप्रत्याशित स्थिति से हमारे मेहमानों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हम 283 उड़ानों का परिचालन करेंगे। हमने सभी संसाधन जुटा लिए हैं और एयर इंडिया हमारे 20 मार्गों पर परिचालन कर हमारी मदद करेगी। हालांकि, हमारी 85 उड़ानें रद्द हैं और हम अपने मेहमानों से आग्रह करते हैं कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले यह जांच लें कि उनकी उड़ान व्यवधान से प्रभावित है या नहीं। यदि उनकी उड़ान रद्द हो जाती है, या 3 घंटे से अधिक देरी हो जाती है, तो वे वाट्सएप (+91 6360012345) या पर टिया पर बिना किसी शुल्क के पूर्ण धनवापसी या बाद की तारीख में पुनर्निर्धारित करने का विकल्प चुन सकते हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस यूनियन और प्रबंधन की बैठक जारी

एयर इंडिया एक्सप्रेस यूनियन और प्रबंधन की बैठक दिल्ली के द्वारका स्थित मुख्य श्रमायुक्त के कार्यालय में हो रही है। एयर इंडिया एक्सप्रेस प्रबंधन के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) बैठक में भाग ले रहे हैं। इससे पहले चालक दल के सदस्यों के काम पर नहीं आने के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी 85 से अधिक उड़ानें रद्द दीं। इससे भी बड़े पैमाने पर एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें रद्द की गईं थीं।

प्याज-टमाटर और आलू की कीमत बढ़ी अप्रैल में शाकाहारी थाली 8 प्रतिशत महंगी, मांसाहारी खाने का ऐसा है हाल

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां) ।

प्याज, टमाटर व आलू के दाम बढ़ने से शाकाहारी थाली 8 फीसदी महंगी हो गई है। क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अप्रैल में शाकाहारी थाली 27.4 रुपये की रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 25.40 रुपये थी। इस साल मार्च में 27.3 रुपये रही थी। क्रिसिल की जारी रिपोर्ट के अनुसार, एक साल पहले की तुलना में इस साल अप्रैल में प्याज का भाव 41 फीसदी, टमाटर का 40 फीसदी और आलू का 38 फीसदी बढ़ गया। रबी की फसल खराब होने से प्याज की आवक कम हो गई, जिससे दाम बढ़ गए। पश्चिम बंगाल में भी आलू की फसल खराब हो गई। सब्जियों की कीमत 28 फीसदी बढ़ी है।

मांसाहारी : 56.30 रुपये

मांसाहारी थाली अप्रैल में 58.90 रुपये से चार फीसदी सस्ती होकर 56.3 रुपये आ गई है। चिकन की कीमतें सालाना आधार पर 12 फीसदी गिरी हैं। हालांकि, मार्च की तुलना में यह तीन फीसदी महंगी हो गई है। चावल और दालों की महंगाई भी अप्रैल में 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ी है।

भारत इंटरनेट मामले में टॉप 20 देशों में शामिल, चीन से चंद फासला, पाक कोसों दूर

नई दिल्ली । करीब 10 साल पहले जब मोबाइल इंटरनेट स्पीड में भारत और पाकिस्तान दोनों ही देश टॉप 100 देशों की लिस्ट से बाहर हुआ करते थे। लेकिन इन 10 साल में भारत ने मोबाइल और ब्रॉडबैंड इंटरनेट स्पीड के मामले में लंबी छलांग लगाते हुए टॉप 20 देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है, और अब भारत चीन से बस चंद कदमों की दूरी पर है, जबकि पाकिस्तान अभी भी टॉप 100 की लिस्ट से बाहर है। उकला की ग्लोबल इंटनरेट स्पीड रैकिंग की बात करें, तो मार्च 2024 में भारत मोबाइल इंटरनेट स्पीड रैकिंग में 16वें पायदान पर पहुंच गया है। भारत ने फरवरी 2024 के मुकाबले मार्च 2024 के मुकाबले एक पायदान का इजाफा किया है। चीन भारत से चंद कदम दूर 7वें पायदान पर है। हालांकि चीन की मोबाइल इंटरनेट रैकिंग में पिछले माह के मुकाबले एक पायदान की गिरावट दर्ज की गई है।

फॉक्सवैगन ने किया समर कार केयर कैंप का ऐलान

मुंबई, 09 मई (एजेंसियां) ।

फॉक्सवैगन ने भारत में समर कार केयर कैंप का ऐलान किया है, जो मुई महीने कंपनी के 142 सर्विस सेंटर पर आयोजित किया जाएगा। कैंप के तहत ग्राहक प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा किए गए कॉम्प्लिमेंटरी 40-पॉइंट वाहन चेकिंग का लाभ उठा सकते हैं। गर्मी के मौसम में ड्राइविंग के दौरान गाड़ियों में आने वाली समस्याओं का पता लगाया जा सकेगा। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर केयर गाइडलाइन भी जारी की है।

कंपनी वैल्यू ऐडड सर्विसेज के तौर पर समर कार केयर कैंप में आकर्षक फायदे भी दे रही है, जिससे स्वामित्व अधिक किफायती और सुविधाजनक हो गया है। कंपनी ने विस्तारित वारंटी पैकेज की कीमतों में भी बदलाव किया है, जो 1 मई से लागू हैं। इसके अलावा कई आकर्षक सर्विस और कार देखभाल पैकेजों के साथ सर्विस कैम, असिस्टेंस के माध्यम से डोरस्टेप सर्विस और मोबाइल सर्विस यूनिट जैसी सुविधाओं की पेशकश करती है।

गूगल सीईओ की क्लासमेट ने कड़ी मेहनत से किए अपने सपने साकार, 2020 में संभाली टिंडर की कमान

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां) ।

शर्मिष्ठा दुबे जमशेदपुर की रहने वाली हैं। लोयोला स्कूल में पढ़ाई के बाद उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से बीटेक किया। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई उनके क्लासमेट थे। वह उस बैच में अकेली महिला थीं। हाल में सोशल मीडिया पर आईआईटी खड़गपुर दीक्षांत समारोह के उन दिनों की एक तस्वीर भी वायरल हुई थी जिसमें शर्मिष्ठा पिचाई के साथ दिखती हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अनन्या लोहानी नाम की एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने शेयर की थी। उनके पिता आईआईटी, खड़गपुर में सुंदर पिचाई के ही बैच में थे। शर्मिष्ठा दुबे कई लोगों को प्रेरित करती हैं। वह इस बात का उदाहरण हैं कि कड़ी मेहनत और समर्पण से हर सपने को साकार

किया जा सकता है। दुबे ने 1998 में टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स में इंजीनियर के तौर पर काम करते हुए अपने पेशेवर सफर की शुरुआत की। उसके बाद वह सप्लाई चेन मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर कंपनी टेक्नोलॉजीज में शामिल हो गईं।

साल 2006 में शर्मिष्ठा दुबे मैच डाट कॉम से जुड़ गईं। उन्होंने यहां मैच ग्रुप अमेरिका की प्रेसीडेंट, चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर और द प्रिंसटन रिव्यू की ईवीपी जैसी कई भूमिकाओं में काम किया। दुबे ने 2013-2014 तक टूयटर डाट कॉम लिए इवीपी के रूप में भी सेवाएं दीं। 2017 में शर्मिष्ठा को टिंडर का सीओओ नियुक्त किया गया। फिर मार्च 2020 में वह इसकी सीईओ बन गईं। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के इस समूह का नेतृत्व किया।

कोटक बैंक 400 इंजीनियर हायर करेगा: इससे बैंक का आईटी इंफ्रा मजबूत होगा, आरबीआई ने नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगाई थी

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां) ।

कोटक महिंद्रा बैंक इस साल करीब 400 इंजीनियर हायर करेगा। हाल ही में आरबीआई ने आईटी इंफ्रा में कमी के कारण बैंक के नए क्रेडिट कार्ड और ऑनलाइन चैनलों से अकाउंट खोलने पर रोक लगाई है। बैंक अब इंजीनियरों को हायर कर अपने आईटी इंफ्रा को मजबूत करना चाहता है। बैंक के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर मिलिंद नागनूर ने बताया कि बैंक पिछले दो साल में 500 से ज्यादा इंजीनियरों को हायर कर चुका है। उन्हें गूगल और अमेजन जैसी कंपनियों के साथ-साथ पेटीएम और फोनपे जैसी कंपनियों से लिया गया है। नागनूर और भवनीश लाठिया को 2022 में हायर किया था नागनूर कोटक की सबसे हाई-प्रोफाइल टेक हाइरिंग है। उनके साथ कस्टमर एक्सपीरियंस हेड भवनीश लाठिया को भी 2022 में हायर किया था। नागनूर अमेरिका

स्थित फिनटेक कंपनी अर्ली वार्निंग सर्विसेज में काम कर चुके हैं।

जबकि लाठिया ने लगभग दो दशक अमेजन में बिताए हैं। आरबीआई ने तीन और बड़ी बातें कही थीं... आरबीआई को बैंक के आईटी इन्वेंट्री मैनेजमेंट, यूजर एक्सेस मैनेजमेंट, वेंडर रिस्क मैनेजमेंट, डेटा सिक्योरिटी और डेटा लीक प्रिवेंशन स्टैटजी जैसे क्षेत्रों में गंभीर कमियां मिली थी। लगातार दो साल तक ऐसा देखा गया, लेकिन बैंक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया। मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के अभाव में बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम और इसके ऑनलाइन और डिजिटल बैंकिंग चैनल में पिछले दो साल में लगातार आउटेज देखा गया। लेटेस्ट आउटेज 15 अप्रैल को हुआ था, जिससे ग्राहकों को असुविधा हुई। अब लगाए गए प्रतिबंधों की समीक्षा बैंक के एक्सटर्नल ऑडिट के बाद की जाएगी। इस एक्सटर्नल ऑडिट के लिए बैंक को आरबीआई की पहले से मंजूरी लेनी होगी।

बैंक को आरबीआई के इन्सपेक्शन और एक्सटर्नल ऑडिट में बताई गई सभी कमियों को भी दूर करना होगा।

आरबीआई के कार्रवाई के बाद 11 प्रतिशत गिरा कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर

पिछले महीने 24 अप्रैल को आरबीआई ने बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट 1949 के सेक्शन 35 की तहत अपनी पावर का इस्तेमाल करते हुए कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ कार्रवाई की थी। आरबीआई की कार्रवाई के बाद बैंक के शेयर में में भारी गिरावट देखने को मिली थी।

बैंक ऑफ बड़ौदा को बॉब वर्ल्ड से नए ग्राहक जोड़ने की मिली अनुमति

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंक ऑफ बड़ौदा को करीब सात महीने बाद बॉब वर्ल्ड एप्लिकेशन के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने की अनुमति दे दी। आरबीआई ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को उसके मोबाइल ऐप बॉब वर्ल्ड के जरिये नए ग्राहक जोड़ने से 10 अक्टूबर, 2023 को रोक दिया था। यह कदम कुछ सुपरवाइजरी चिंताओं के बाद उठाया गया था। पिछले सप्ताह आरबीआई ने ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के जरिये कर्ज देने पर बजाज फाइनेंस पर भी प्रतिबंध हटा दिया था। बैंक ऑफ बड़ौदा ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि आरबीआई ने आठ मई, 2024 के अपने पत्र के माध्यम से बैंक को बॉब वर्ल्ड पर उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटाने के अपने निर्णय से अवगत कराया है। बैंक अब लागू दिशानिर्देशों और मौजूदा कानूनों या विनियमों के अनुरूप इस ऐप के जरिये ग्राहकों को जोड़ने के लिए स्वतंत्र है। बैंक ने कहा कि अब वह बॉब वर्ल्ड ऐप पर नए ग्राहकों को शामिल करना दोबारा शुरू कर देगा। इसके साथ ही उसने कहा कि वह नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुझे नहीं लगता कि हमने कभी इस तरह से लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीद की होगी : ट्रैविस हेड

हैदराबाद, 09 मई (एजेंसियां)।

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने जिस तरह से साथी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एसआरएच) के खिलाफ राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में166 रन के लक्ष्य को 9.4 ओवर में हासिल कर लिया, उसकी उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी। हेड ने कुछ आश्चर्यजनक क्रिकेट शॉट्स के साथ 16 गेंदों में अर्धशतक बनाया और अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए सिर्फ 33 गेंदों में 89 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपने सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर 166 रनों की शुरुआती साझेदारी की और एलएसजी के 27 की तुलना में पावर प्ले में 107 रन बनाए। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में हेड ने स्वीकार किया, मुझे नहीं लगता कि हमने कभी इस तरह से पीछा करने की उम्मीद की होगी। यह पहली पारी में एक कठिन विकेट की तरह लग रहा था, ऐसा लग रहा था कि यह पकड़ में था और धीमी पिच थी। मुझे लगता है, एक बल्लेबाज के रूप में यह जानते हुए, आप जानते हैं कि पावरप्ले महत्वपूर्ण है। (हम) इसे अधिकतम करने की कोशिश कर रहे थे और हम खूबसूरती से खेले, हम रेट से आगे निकलने में सक्षम थे, जो अच्छा है और एक बार जब हम पहले दो या तीन ओवरों में आगे बढ़ गए, तो यह जितना संभव हो उतना अधिकतम करने की कोशिश करने के बारे में था और मुझे लगा कि हमने अपना लक्ष्य चुन लिया है और बहुत अच्छा खेला। एसआरएच ने पहले नई गेंद से एलएसजी को रोककर और फिर केवल 9.4 ओवर में 166 रन का सनसनीखेज पीछा करके एलएसजी की चुनौती को नष्ट कर दिया, जो किसी भी टी20 में 10 ओवर का उच्चतम स्कोर है। सभी टी20 क्रिकेट में, पावरप्ले में केवल सात बार 100 या उससे अधिक का स्कोर बनाया गया है, एसआरएच के पास दो शीर्ष स्कोर हैं, दोनों आईपीएल 2024 में। आप हमेशा प्रदर्शन करना चाहते हैं, आप हमेशा निरंतरता बनाए रखना चाहते हैं, आप हमेशा कोशिश करना चाहते हैं और अपना काम करते रहना चाहते हैं; यह टी20 क्रिकेट में हमेशा नहीं होने वाला है (लेकिन) मुझे लगा कि हम जिस तरह से खेल रहे हैं वह शानदार है। उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, हमें यह अच्छा लगा कि बल्लेबाजी करते हुए दबाव में आने के बाद हम स्कोर का पीछा करने में सफल रहे। हेड ने कहा, पूरे सीज़न में कई बार हमने लक्ष्य का पीछा किया है, हम दबाव में आ गए हैं। काम करने में सक्षम होना, और लक्ष्य का पीछा करना, (यह बहुत अच्छा लगता है)। अगले दो मैचों के घरेलू मैदान पर होने का इंतजार है। हेड और अभिषेक ने आईपीएल में तीन शतकीय साझेदारियां की हैं, जिनमें से दो पावरप्ले में आईं। एसआरएच आईपीएल 2024 में एक से अधिक शतकीय ओपनिंग साझेदारी वाली एकमात्र टीम है। हेड ने ओपनिंग साझेदारी के बारे में कहा, यहां आना और योगदान देना अच्छा है।

न्यूज़ ब्रीफ

ब्राजील फुटबॉल परिसंघ ने बाढ़ के बाद 3 शीर्ष स्तरीय क्लबों के मैच स्थगित किये

नई दिल्ली। ब्राजील के राज्य रियो ग्रांडे डो सुल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद, तीन शीर्ष स्तरीय क्लबों-- इंटरनेशियल, ग्रेमियो और जुवेंट्यूड-- ने ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ से अपने मैच अगले 20 दिनों तक स्थगित करने का अनुरोध किया है क्योंकि वे सभी बाढ़ग्रस्त राज्य से बाहर हैं और ऐसे समय में फुटबॉल मैचों की मेजबानी करने की स्थिति में नहीं हैं। सीबीएफ ने आधिकारिक तौर पर अनुरोध पर सहमति व्यक्त की है और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में रियो ग्रांडे डी सुल की टीमों से जुड़े और 27 मई, 2024 तक निर्धारित सभी मैच, घर या बाहर, स्थगित कर दिए गए हैं। स्टेडियम में जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए उचित बुनियादी ढांचे की कमी के कारण खाली होने से पहले ग्रेमियो फुटबॉल क्लब ने जरूरतमंद लोगों के लिए एरेना डो ग्रेमियो के दरवाजे खोल दिए। बाद में एरेना डो ग्रेमियो की भी तस्वीरें ऑनलाइन सामने आईं, जिसमें व्यापक बाढ़ के कारण क्षति हुई। रियो ग्रांडे डो सुल में सार्वजनिक आपदा की स्थिति के कारण, संघीय और राज्य सरकारों द्वारा आदेशित, चरम मौसम की घटनाओं के परिणामस्वरूप, सीबीएफ रियो ग्रांडे डो सुल की आबादी के साथ अपनी पूर्ण एकजुटता व्यक्त करता है और इस बात को पुष्ट करता है कि वर्तमान ध्यान उनकी तत्काल और आपात स्थिति से निपटने पर केंद्रित किया गया है। सीबीएफ, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की आयोजन इकाई के रूप में, और अपने संस्थागत कार्यों के साथ-साथ मानवीय प्रयासों के प्रति चौकस है, जिसकी इस समय आवश्यकता है, अधिकारियों को अपने अप्रतिबंधित समर्थन की पुष्टि करता है ताकि सभी उपायों और कार्यों को लाभ के लिए अपनाया जा सके। रियो ग्रांडे डो सुल की जनसंख्या, जिनकी मदद सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एलएसजी के मालिक कैप्टन केएल राहुल पर भड़के: 10 विकेट से हार के बाद मैदान पर ही कैप्टन और कोच से बातचीत की, वीडियो वायरल

मुम्बई । आईपीएल में 8 मई को लखनऊ सुपर जॉयंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 विकेट से

हराया। हार के बाद एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने कैप्टन केएल राहुल और कोच जस्टिन लैंगर से मैदान पर ही बातचीत की। इस बातचीत का वीडियो सामने आया है, जिसमें गोयनका केएल राहुल पर भड़कते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल हो गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स और क्रिकेट फैंस गोयनका पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि केएल राहुल जैसे प्लेयर के साथ इस तरह की बातचीत गलत है। एक यूजर बोला कि ये बातचीत मैदान की बजाय टीम मीटिंग में की जा सकती थी। मैच के बाद केएल राहुल बोले- हार के बाद फैसले पर सवाल होते हैं मैच के बाद केएल राहुल ने कहा कि जब आप एक बार हारने लगते हैं तो आपके लिए गए फैसलों पर सवाल खड़ा किया जाने लगता है। हमने 40-50 रन कम बनाए। पावर प्ले में विकेट भी गंवाए। आयुष और निकोलस ने अच्छी बैटिंग कर हमें 166 रन तक पहुंचाया।

विराट कोहली इस पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और ये बात उन्हें सबसे अलग बनाती है युवराज सिंह ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए उन्हें इस

पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया। युवी ने कहा कि विराट कोहली किसी से भी ज्यादा वर्ल्ड कप मेडल जीतने के हकदार हैं। कोहली छठी बार टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे और उनकी कोशिश टीम के साथ खिताब जीतने की होगी। विराट कोहली ने पहली बार 2012 में टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। 2023 वनडे वर्ल्ड कप में कोहली के करियर ने नई ऊंचाई भरी, जहां उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड स्थापित किया। स्टार बल्लेबाज ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता जबकि उनके शतक जमाने की संख्या समय के साथ कम हुई। युवराज सिंह ने आईसीसी से बातचीत करते हुए विराट कोहली के बारे में काफी बाते कही। युवी का मानना है कि विराट कोहली उनमें से एक हैं, जिन्हें वर्ल्ड कप मेडल की बहुत जरुरत है। बता दें कि विराट कोहली इस समय आईपीएल 2024 में आरसीबी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच की तैयारी में जुटे हुए हैं। विराट क्यों हैं सबसे जुदा युवराज सिंह ने बताया कि आखिर विराट कोहली में ऐसी क्या बात है, जो उन्हें सबसे जुदा बनाती है। युवी ने खुलासा किया, नेट्स पर जब भी कोहली बैटिंग करता है तो ऐसे खेलता है कि मानो मैच में खेल रहा हो।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने धर्मशाला में लगाया जीत का चौका

पंजाब को 60 रन से पीटा, प्लेऑफ की रेस में अब भी बरकरार

धर्मशाला, 09 मई (एजेंसियां)।

विराट कोहली (92), रजत पाटीदार (55) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों और उसके बाद गेंदबाजो के शानदार प्रदर्शन के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 58वें मैच में पंजाब किंग्स को 60 रनों से हराकर प्ले ऑफ से किया बाहर कर दिया है। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को जीत के लिए 242 रनों का लक्ष्य दिया था।

यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही और उसने तीसरे ओवर में ही कप्तान फाफ डुप्लेसी (9) का विकेट गवां दिया। उन्हें विधवत कावेरप्पा ने आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में विधवत कावेरप्पा ने विल जैक्स (12) को भी शशांक के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली और रजत पाटीदार ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 76 रनों की साझेदारी की। पाटीदार ने 23 गेंदों में तीन चौके और छह छक्कों की मदद से तूफानी अंदाज में 55 रन बनाये। वहीं विराट कोहली ने 47 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए 92 रनों की पारी खेली। दिनेश कार्तिक (18), महिपाल लोमरोर (शून्य) पर आउट हुये। कैमरन ग्रीन 27 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (46) रन बनाये। उन्हें आखिरी गेंद पर हर्षल ने आउट किया। आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 241 रनों का स्कोर खड़ा किया।

पंजाब किंग्स की ओर से हर्षल पटेल को तीन विकेट मिले। विधवत कावेरप्पा ने दो विकेट लिये। अर्शदीप सिंह और सम करन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 242 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में प्रभसिमरन सिंह (6) का विकेट गवां दिया। इसके बाद जॉनी बेयरस्टो और राइली रूसो ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 65 रनों की साझेदारी हुई। छठे ओवर में बेयरस्टो 16 गेंदों (26) रन बनाकर आउट हुये। राइली रूसो ने 27 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए सर्वाधिक 61 रनों की पारी खेली।

शशांक सिंह 19 गेंदों में (37), जितेश शर्मा (5), लियम लिविंगस्टंग (शून्य) , कप्तान सैम करन 16 गेंद में (22), आशुतोष शर्मा (8), हर्षल पटेल (शून्य) और अर्शदीप सिंह चार रन बनाकर आउट हुये।

राहुल चाहर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। मोहम्मद सिराज ने आखिर तीन विकेट झटकते हुए पंजाब किंग्स की पूरी टीम 17ओवर में 181 रन पर सिमटते हुये अपनी टीम को 60 रनों से जीत दिला दी। आरसीबी की ओर से मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट लिये। स्वप्रिल सिंह और लॉकी फर्ग्युसन और कर्ण शर्मा ने दो-दो विकेट लिये।

डायमंड लीग से ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा, किशोर जेना करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)।

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा दोहा डायमंडल लीग के एक दिवसीय पहले चरण के जरिये पेरिस ओलंपिक की अपनी तैयारियां शुरू करेंगे। मौजूदा विश्व और एशियाई खेल चैम्पियन भारत के भालाफेंक स्टार चोपड़ा का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक तथा विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना डायमंड लीग में पदार्पण करेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87.54 मीटर है जबकि चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी दस खिलाड़ियों में शामिल है जो लीग में उतरेंगे। इसके बाद लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में होगा।

चोपड़ा यहां गत चैम्पियन भी हैं जिन्होंने 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था। चोपड़ा ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा,''सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है। मेरे कोच और फिजियो का अपार योगदान है। कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा। हमारे पास स्ट्रेंथ ट्रेनिंग विशेषज्ञ भी है।

पीटर्स ने 2022 में यहां 93.07 का थ्रो फेंका था । वहीं तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता वालेश 2023 डायमंड लीग चैम्पियन है और यहीं पर 2022 में उन्होंने 90.88 मीटर का थ्रो फेंका था। चोपड़ा ने डायमंड लीग के तीन अलग अलग चरण जीते हैं और 2022 में चैम्पियंस ट्रॉफी हासिल की थी।

इसके बाद चोपड़ा तीन साल में पहली बार भारत में खेलेंगे। वह 12 से 15 मई तक भुवनेश्वर में राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाग लेंगे। जेना भी इसमें हिस्सा लेंगे। पुरूषों के क्वालीफाइंग दौर के भालाफेंक मुकाबले 14 मई को और फाइनल 15 मई को होगा।

आईपीएल 2024 में प्लेऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुम्बई, 09 मई (एजेंसियां)।

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल लीग मुकाबले में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हरा दिया। सनराइजर्स इस जीत के साथ ही 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें 16-16 अंक लेकर पहले और दूसरे स्थान पर हैं। सनराइजर्स की जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। मुम्बई इसके साथ ही इस सत्र में प्लेऑफ से बाहर होने वाली बनी पहली टीम बन गयी है। इस सत्र में नये कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ उतरी मुंबई की टीम 12 मैच खेलने के बाद चार मैचों में जीत के साथ ही केवल 8 अंक ही हासिल कर पायी। अब उसे बाकि दो मैच खेलने हैं। इसमें अगर वह जीत जाती है तो भी उसके 12 अंक ही होंगे और ऐसे में प्लेऑफ के लिए जरुरी न्यूनतम अंक तक वह पहुंच नहीं पायेगी। प्लेऑफ में पहुंचने शीर्ष चार टीमों में आना होता है।

वहीं अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स आगे पीछे है। इन दोनों की टक्कर आईपीएल के 64वें मैच में होगी। दोनों ही टीमों के पास अभी दो-दो मैच बचे हैं। वहीं अंक तालिका में दोनों के पास 12-12 अंक है। इसका मतलब है कि इन दोनों में से जो भी टीम इस मैच में जीत हासिल करेगी उसके 14 अंक हो जाएंगे। इस तरह मुंबई के लिए अंतिम चार में जगह बना पाना असंभव होगा। सिर्फ दिल्ली और लखनऊ ही नहीं चेन्नई सुपर किंग्स के भी 12 अंक हैं और उसे अभी तीन मैच और खेलना है।

क्रिकेट की दुनिया के नए रोमांचक मुकाम की शुरुआत, बिग क्रिकेट लीग का हुआ शुभारंभ

नोएडा, 09 मई (एजेंसियां)।

बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) ने अपनी धमाकेदार शुरुआत की। आधिकारिक उद्घाटन में एक ऐसी लीग का अनावरण किया गया जो भारत में क्रिकेट को ग्रास रूट स्तर एक रोमांचक रूप देने के प्रयास करेगी। यह लीग महत्वाकांक्षी लोकल खिलाड़ियों को अपने प्रिय क्रिकेट सितारों के साथ खेलने का अवसर प्रदान करेगी।

यह बीसीएल के संस्थापक और अध्यक्ष, रुद्र प्रताप सिंह का विजन है, जो स्वयं भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। सिंह ने बताया हमने बहुत से प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को देखा जिनके सपने कई वजहों और हालातों के कारण से पूरे नहीं हो पाते हैं, बीसीएल इन सभी महत्वाकांक्षी लोकल क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने क्रिकेट हीरोज़ के साथ क्रिकेट खेलने के अभूतपूर्व अनुभव का अवसर देगा।

महान क्रिकेट हस्तियों दिलीप वेंगसरकर, लीग कमिश्नर और कर्टनी वाल्श, उपाध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आर पी सिंह के उत्साह और दृष्टिकोण का समर्थन किया।पूर्व भारतीय कप्तान और महान बल्लेबाज़ वेंगसरकर ने कहा, यह सिर्फ एक और क्रिकेट लीग नहीं है, बल्कि देश के तमाम उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने के बारे में है जिन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के मौक़े नहीं मिले और भारत में क्रिकेट प्रतिभा के अविश्वसनीय खजाने को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के बारे में है।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारों और स्थानीय प्रतिभाओं का मेल ही बीसीएल को अन्य क्रिकेट लीग्स से अलग करता है। यह अपने शुद्धतम रूप में क्रिकेट का उत्सव है।बीसीएल के वाइस प्रेसिडेंट, वेस्टइंडीज़ के पूर्व कप्तान और महान तेज गेंदबाज़ कर्टनी वॉल्श ने भी कहा, हम कुछ बेहतरीन मैच देखेंगे, अप्रत्याशित नायकों को उभरता देखेंगे, जो दुनिया भर के खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरणा देंगे।रुद्र प्रताप सिंह, बीसीएल के संस्थापक और अध्यक्ष, ने भी इन भावनाओं को दोहराते हुए कहा, बीसीएल केवल क्रिकेट से अधिक है, भारतीय क्रिकेट में एक अलग तरह की पहल है। हम सभी को इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।अनिरुद्ध चौहान, जो बीसीएल के सह-संस्थापक और सीईओ हैं, ने कहा, हमने बिग क्रिकेट लीग सीज़न-1 के चयन के दौरान देश भर में कुछ अद्भुत प्रतिभाएं देखी हैं।

हरमनप्रीत हॉकी प्रो लीग 2023-24 के लिए 24 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली, 09 मई (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने 24 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की जो एंटवर्प, बेल्जियम और लंदन, इंग्लैंड में आयोजित होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में हिस्सा लेगी। बेल्जियम चरण 22 मई को शुरू होगा और 30 मई को समाप्त होगा जबकि इंग्लैंड चरण 1 जून को शुरू होगा और 12 जून को समाप्त होगा। भारत 22 मई को अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए दोनों चरणों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ दो-दो बार खेलेगा।

भारत फिलहाल आठ मैचों में 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। टीम की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे। इस बीच, गतिशील मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उनका डिप्टी नामित किया गया है। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक पर होगी, जबकि रक्षात्मक लाइन-अप में जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह और विष्णुकांत सिंह शामिल हैं।

मिडफ़ील्ड अनुभाग में विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल और मोहम्मद राहिल मौसीन जैसे खिलाड़ी होंगे।

ॅरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल और बॉबी सिंह धामी हैं। टीम चयन पर बोलते हुए मुख्य कोच क्रेग फल्टन ने कहा, हम शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक-दूसरे के गेमप्ले की समझ विकसित की है।

पेरिस ओलंपिक से पहले, हम शीर्ष गुणवत्ता वाली टीमों के खिलाफ खेलेंगे जो हमें आगे बढ़ने में मदद करेगी। यह एक अवसर होगा और यह मूल्यांकन करने में काफी मदद करेगा कि हम एक टीम के रूप में और व्यक्तिगत खिलाड़ियों के रूप में कहां खड़े हैं। यह हमारी ताकत का पता लगाने और हमें किन क्षेत्रों को छूने की आवश्यकता है, यह जानने का एक शानदार तरीका होगा।

इस बीच, कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम ओलंपिक वर्ष में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के साथ सीजन शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं, जहां हम शीर्ष गुणवत्ता वाली टीमों से खेलेंगे। हमने खिलाड़ियों को अनुभव देने के लिए एक टीम चुनी है। मुझे पेरिस ओलंपिक से पहले कुछ खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा मोड में देखने का मौका मिलेगा। हमारे पास साई, बेंगलुरु में एक शिविर था जहां हम कठोर प्रशिक्षण सत्रों से गुजरे और उन क्षेत्रों में सुधार किया जहां हमें लगा कि हमें सुधार करने की आवश्यकता है।

हम मैचों का इंतजार कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि परिणाम हमारे पक्ष में होंगे।

भारतीय टीम-

गोलकीपर: श्रीजेश परट्टू रवीन्द्रन, कृष्ण बहादुर पाठक

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, विष्णुकांत सिंह

मिडफील्डर: विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल, मोहम्मद राहिल मौसीन

फॉरवर्ड: मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, बॉबी सिंह धामी

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्र की हत्या, पुलिस ने भारतवंशी दो भाइयों को गिरफ्तार किया

कैनबरा, 09 मई (एजेंसियां) ।

आस्ट्रेलिया में भारत के 22 साल के एमटेक में पढ़ रहे छात्र की हत्या में भारतीय मूल के दो भाई को आस्ट्रेलिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इन्हें मेलबर्न मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। करनाल के मुनक क्षेत्र के गगसीना गांव के नवजीत सिंह की ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में चाकुओं से सीने पर तीन वार कर हत्या की थी। उसकी हत्या के आरोप में 26 वर्षीय अभिजीत और 27 वर्षीय रॉबिन गार्टन को मंगलवार को न्यू साउथ वेल्स के गॉलबर्न शहर से गिरफ्तार किया। पुलिस उन्हें विक्टोरिया प्रत्यर्पित करने की तैयारी कर रही है। बता दें के कि नोबल पार्क के नवजीत संधू की हत्या और नोबल पार्क के अन्य व्यक्ति को घायल कर दोनों भाई भाग रहे थे। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने बताया कि पर हत्या और दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया गया है। नवजीत के पिता जितेंद्र संधू ने बताया कि उसका 22 बेटा नवजीत सिंह संधू गांव से स्टडी वीजा पर नवंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया गया था। पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करता था। बसताड़ा गांव के दो युवक एक कमरे में रहते थे। दो दिन पहले बीजना गांव के स्वर्ण व रिषभ नवजीत के पास आकर रहने लगे। रात के समय जब वे खाना खा रहे थे तो उसी दौरान बसताड़ा गांव के लड़के का फोन आया कि वे अपना सामान उनके यहां से उठाकर ले जाएं। नवजीत के पास गाड़ी थी तो वे दोनों उसे भी अपने साथ ले गए।

आरोप है कि स्वर्ण और रिषभ अपना सामान उठाने के लिए कमरे में गए। तब वहां बसताड़ा गांव के दो लड़के अभिजीत व पंकज नशे में धुत थे। दोनों लड़के नशे की हालत में उनके साथ हाथापाई करने लगे। जब स्वर्ण और रिषभ काफी देर बाद भी कमरे से बाहर नहीं आए तो नवजीत गाड़ी से उतर कर अंदर गया। उसने देखा कि वहां पर एक युवक स्वर्ण और रिषभ पर वार कर रहा था। जब नवजीत उनमें बीच-बचाव करने लगा तो उसी समय एक युवक ने उसके सीने पर तीन बार वार किए। जिससे उसकी मौत हो गई।

किराए को लेकर हुआ था विवाद

हरियाणा के करनाल में नवजीत के चाचा यशवीर के अनुसार, नवजीत पर एक अन्य छात्र ने चाकू से जानलेवा हमला किया। उनका आरोप है कि कुछ भारतीय छात्रों में किराए को लेकर विवाद हुआ। पुलिस ने बताया कि घर पर एक हथियार मिला है और इसकी फोरेंसिक जांच की जाएगी। डिटेक्टिव इंस्पेक्टर डीन थॉमस ने बताया कि पुलिस का मानना है कि दोनों भाई ऑरमंड घर में रहते थे, जहां एक पार्टी आयोजित की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने नशे की समस्या से निपटने के लिए बनाई योजना, मैक्सिको में घुसकर मारेंगे अपराधी

वॉशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर वे फिर से राष्ट्रपति चुने गए तो अमेरिका में ड्रग्स की सप्लाई करने वाले गिरोहों के प्रमुखों को मारने के लिए मैक्सिको में किलर स्क्वॉड भेजेंगे। अमेरिका में फेंटानिल ड्रग्स की समस्या बढ़ रही है और बड़ी संख्या में युवा इस नशे का शिकार हो रहे हैं। ये ड्रग्स मैक्सिको से अमेरिका भेजी जा रही हैं। मैक्सिको में भेजेंगे किलर स्क्वॉड रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों से बात करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना में खतरनाक जवान हैं और उन्हें मैक्सिको में नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई में इस्तेमाल किया जा सकता है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के सैनिक गुपचुप तरीके से मैक्सिको में नशे के कारोबार के प्रमुखों को मारेंगे। इससे उनका गैरकानूनी धंधे का संचालन प्रभावित होगा और अपराधियों में डर बैठेगा। ट्रंप ने कहा कि इन ऑपरेशंस के लिए मैक्सिकी की सरकार की मंजूरी ली भी जा सकती है और नहीं भी। पूर्व राष्ट्रपति ने अपराधियों की सूची बनाने की बात कही और अमेरिका की स्पेशल फोर्सेस की मदद से उनका सफाया करने की बात कही। ट्रंप ने अब तक की अमेरिकी सरकारों से ऐसा कदम न उठाने पर हैरानी भी जताई। इससे पहले ट्रंप ने आईएसआईएस के सरगना अबु बकर अल बगदादी को भी इसी तरीके से मारने की बात कही थी। रिपब्लिकन नेताओं ने भी किया समर्थन खास बात ये है कि डोनाल्ड ट्रंप की इस योजना को उनकी पार्टी के नेताओं और थिंक टैक से समर्थन भी मिल रहा है। फ्लोरिडा के गवर्नर और रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी करने वाले रोन देसांतिस ने भी ऐसा ही एलान किया था कि अगर वे राष्ट्रपति चुने गए तो अमेरिका की स्पेशल फोर्सेस की मदद से नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों का खात्मा कराएंगे। हालांकि मैक्सिको के राष्ट्रपति ने ट्रंप के इस बयान की आलोचना की है और कहा कि इससे मैक्सिको के लोग नाराज हो सकते हैं। मैक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रेस लोपेज ओब्राडोर ने कहा कि हम किसी विदेशी सरकार को हमारे क्षेत्र में दखल नहीं देने देंगे।

भारत के चुनाव बाधित करना चाहता है संयुक्त राज्य अमेरिका, लोकसभा चुनाव के दौरान रूस का दावा

मॉस्को । रूस ने खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास की साजिश के मामले में भारत पर लगातार निराधार आरोप लगाने के लिए अमेरिका को आड़े हाथों लिया है। रूस ने कहा, अमेरिका का मकसद भारत के आंतरिक राजनीतिक हालात में गड़बड़ी पैदा करना है, जिससे आम चुनाव बाधित किए जा सकें। यह भारत के अंदरूनी मामलों में दखल का हिस्सा है। यह भारत का अनादर रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, वाशिंगटन ने अभी तक पन्नू नामक किसी व्यक्ति की हत्या की साजिश में भारतीय नागरिकों के शामिल होने की कोई भरोसेमंद जानकारी या सबूत पेश नहीं किया है। जखारोवा ने कहा, धार्मिक आजादी के उल्लंघन की बात अमेरिका की भारत की राष्ट्रीय मानसिकता को लेकर कमजोर समझ और संप्रभु देश के तौर पर भारत के प्रति अनादर को दर्शाती है। क्या है गुरुपतवंत सिंह पन्नू का मामला अमेरिका के न्याय विभाग के अनुसार, 52 वर्षीय निखिल गुप्ता एक भारतीय नागरिक हैं। 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक में गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था। अब चेक रिपब्लिक से निखिल गुप्ता को अमेरिका प्रत्यर्पण किया जाएगा। अमेरिकी न्याय विभाग का कहना है कि भारत के एक सरकारी अधिकारी, जिसके नाम का खुलासा नहीं हुआ है, वह निखिल गुप्ता और अन्य उस सरकारी अधिकारी के संपर्क में था। ये लोग अमेरिका में एक राजनीतिक कार्यकर्ता गुरुपतवंत सिंह पन्नू, जो भारतीय मूल का है और अमेरिकी नागरिक है, उसकी हत्या की साजिश रच रहे थे। पहले भी अमेरिका साफ कर चुका है मामला हाल ही में, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय उत्पीड़न को सहन नहीं करता, यह बात सिर्फ भारत के लिए नहीं है, बल्कि पूरे विश्व के लिए है। हम विरोध करते हैं फिर चाहे वह कोई भी देश हो। यह एक बड़ा मुद्दा है और हम मंचों से ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करते। हमें जैसे ही मामले की जानकारी मिली वैसे ही हमारे वरिष्ठ अधिकारियों ने भारतीय वरिष्ठों के साथ बैठक की। हमने स्पष्ट कर दिया कि हम ऐसे किसी मामले को बेहद गंभीरता से लेते हैं।

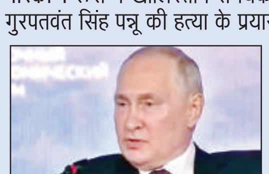

पन्नू के मामले में भारत के बचाव में उतरा रूस, अमेरिका पर लगाए बड़े आरोप, कहा- उनके पास सबूत नहीं

मॉस्को, 09 मई (एजेंसियां) ।

रूस खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में भारत के बचाव में उतर आया है। उसने पन्नू की हत्या के प्रयास की साजिश के मामले में भारत पर लगातार निराधार आरोप लगाने के लिए अमेरिका को आड़े हाथों लिया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वाशिंगटन ने अभी तक इस मामले में भारतीय नागरिकों की संलिप्तता का कोई विश्वसनीय सबूत नहीं दिया है।

कोई भरोसेमंद जानकारी या सबूत पेश नहीं किया - रूसी विदेश मंत्रालय की मारिया जखारोवा ने कहा, 'हमारे पास मौजूद जानकारी के अनुसार पन्नू नामक किसी व्यक्ति की हत्या के प्रयास की साजिश में भारतीय नागरिकों के शामिल होने की कोई भरोसेमंद जानकारी या सबूत पेश नहीं किया है। सबूत के अभाव में इस विषय पर अटकलें अस्वीकार्य हैं।

अमेरिका को भारत की समझ नहीं - जाखारोवा ने आगे कहा कि अमेरिका भारत के खिलाफ लगातार झूठे आरोप लगा रहा है। उसे भारत की राष्ट्रीय मानसिकता और इतिहास की समझ नहीं है। क्योंकि अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में निराधार आरोप लगाता रहता है। वाशिंगटन की कार्रवाई स्पष्ट रूप से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। जहां तक पन्नू की हत्या की साजिश की अटकलों का सवाल है, चूंकि कोई सबूत नहीं है, इसलिए यह स्वीकार्य नहीं है। अमेरिका एक देश के रूप में भारत का सम्मान नहीं कर रहा है।

यह भारत का अनादर - उन्होंने कहा कि धार्मिक आजादी के उल्लंघन की बात अमेरिका की भारत की राष्ट्रीय मानसिकता को लेकर कमजोर समझ और संप्रभु देश के तौर पर भारत के प्रति अनादर को दर्शाती है। रूसी अधिकारी ने कई अन्य देशों के खिलाफ गलत आरोप लगाने के लिए अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय मामलों में वाशिंगटन से अधिक दमनकारी शासन की कल्पना करना कठिन है।

यह सिर्फ भारत पर लागू नहीं होता - उन्होंने आगे कहा, यह सिर्फ भारत पर लागू नहीं होता है। अमेरिका का मकसद भारत के आंतरिक राजनीतिक हालात में गड़बड़ी पैदा करना है, जिससे आम चुनाव बाधित किए जा सकें। यह भारत के अंदरूनी मामलों में दखल का हिस्सा है।

रूस और सऊदी अरब की तरह - दरअसल, अमेरिकी के 'द वाशिंगटन पोस्ट' में कहा गया था कि अपने दुश्मन के खिलाफ भारत अब रूस और सऊदी अरब की तरह ही करने की कोशिश कर रहा है। गुरपतवंत सिंह पन्नू एक भारत-नामित आतंकवादी है, जिसके पास अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता है। इससे पहले नवंबर में अमेरिकी न्याय विभाग ने पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में कथित संलिप्तता के लिए एक भारतीय नागरिक के खिलाफ अभियोग को रद्द कर दिया था।

पहले भी अमेरिका साफ कर चुका है मामला - हाल ही में, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय उत्पीड़न को सहन नहीं करता, यह बात सिर्फ भारत के लिए नहीं है, बल्कि पूरे विश्व के लिए है। हम विरोध करते हैं फिर चाहे वह कोई भी देश हो। यह एक बड़ा मुद्दा है और हम मंचों से ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करते। हमें जैसे ही मामले की जानकारी मिली वैसे ही हमारे वरिष्ठ अधिकारियों ने भारतीय वरिष्ठों के साथ बैठक की। हमने स्पष्ट कर दिया कि हम ऐसे किसी मामले को बेहद गंभीरता से लेते हैं। भारत मामले की जांच कर रहा है। हम जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं। क्या है गुरुपतवंत सिंह पन्नू का मामला अमेरिका के न्याय विभाग के अनुसार, 52 वर्षीय निखिल गुप्ता एक भारतीय नागरिक हैं। 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक में गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था।

स्टडी वीजा पर कनाडा गया था निज्जर की हत्या के मामले में गिरफ्तार संदिग्ध, पंजाब के बठिंडा से है नाता

ओटावा । कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार तीन युवकों में से एक स्टडी वीजा पर कनाडा गया था। कनाडा के मीडिया ने एक वीडियो जारी की है, जिसमें एक आरोपी करन बरार ये कहते हुए दिख रहा है कि वह स्टडी वीजा पर कनाडा आया और कनाडा की वीजा मिलने में ज्यादा समय भी नहीं लगा। कनाडा मीडिया ने जारी किया आरोपी का वीडियो करन बरार का यह वीडियो साल 2019 का बताया जा रहा है। करन ने बठिंडा के एथिकवर्क्स इमीग्रेशन सर्विसेज के द्वारा वीजा के लिए आवेदन किया था। दरअसल यह वीडियो इमीग्रेशन सेवाएं देने वाली एजेंसी के प्रचार के लिए बनाई गई थी। यह एजेंसी बठिंडा के नजदीक कोटकपूरा इलाके में स्थित है। वहीं करन के इस वीडियो को लेकर कनाडा की सरकार घिर गई है। मीडिया ने इसे लेकर कनाडा के इमीग्रेशन मंत्री मार्क मिलर से सवाल किया, लेकिन उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया। करन बरार के एक कथित फेसबुक पेज पर दी गई जानकारी के अनुसार उसने 30 अप्रैल 2020 को कैलगरी के बो वैली कॉलेज में अपनी पढ़ाई शुरू की और 4 मई 2020 को वह एडमंटन में शिफ्ट हो गया। कनाडा मीडिया ने करन के संबंध में इमीग्रेशन, शरणार्थी और नागरिकता विभाग से सवाल किए, लेकिन अभी तक विभागों की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है।

पाकिस्तान के ग्वादर में एक बार फिर आतंकी हमला, सात मजदूरों की मौत और एक घायल

इस्लामाबाद, 09 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में आजकल आए दिन आतंकी हमले हो रहे हैं। अब एक बार फिर ग्वादर में आतंकवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में सात मजदूरों की मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादियों ने ग्वादर के सरबंद में फिश हार्बर जेट्टी के पास आवासीय क्वार्टरों पर हमला किया। आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। इसके कारण सो रहे सात लोगों की मौत हो गई और अन्य एक घायल हो गया।

पाकिस्तान में लगातार बढ़ रहे आतंकी हमले

पाकिस्तान में आतंकवाद की घटनाओं में बढ़ोतरी देखने को मिली है। हाल ही में सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज द्वारा जारी एक वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2023 में 789 आतंकी हमले हुए। इन हमलों में 1,524 लोगों की मौत हुई और 1,463 लोग घायल हुए। यह बीते छह सालों में उच्चतम रिकॉर्ड है। पोर्ट में घुसे थे 8 हथियारबंद लोग इससे पहले 20 मार्च को पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित ग्वादर पोर्ट पर आतंकी हमले की खबर सामने आई थी। बताया जा रहा था कि ग्वादर पोर्ट के अथॉरिटी कॉम्प्लैक्स में आठ हथियारबंद आंतकवादी जबरदस्ती घुसे। इसके बाद उनके द्वारा मौके पर गोलीबारी और बम धमाके किए गए थे। मकरान डिविजन के कमिश्नर सईद अहमद उमरानी का कहना था कि यह हमला प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी द्वारा किया गया है। हमले में किसी स्थानीय के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि करीब आठ हथियारबंद लोग ग्वादर पोर्ट में जबरन घुसे। इस कॉम्प्लेक्स में पाकिस्तान चुनाव आयोग समेत कई सरकारी ऑफिस हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना था कि पहले गोलीबारी और फिर बम धमाके की आवाजें सुनाई दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया था। पाकिस्तान के एक अखबार की रिपोर्ट में दावा किया जा रहा था कि इस कार्रवाई में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के आठ हमलावर मारे गए हैं। वहीं ग्वादर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोहैब मोहसिन ने मीडिया को बताया था कि जवाबी कार्रवाई में सात हमलावर मारे गए हैं ।

अमेरिका में भारतीय छात्र लापता, पुलिस के संपर्क में है भारत का महावाणिज्य दूतावास

वॉशिंगटन, 09 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका में पढ़ना एक सपना रहा है, लेकिन बीते कुछ समय से यह सपना बुरे सपने में बदलता जा रहा है। दरअसल अमेरिका में लगातार भारतीय छात्रों के गायब होने या हत्या होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। अब एक बार फिर अमेरिका के शिकागो से एक भारतीय छात्र लापता हुआ है। छात्र की पहचान रुपेश चंद्रा चिंताकिंदी के रूप में हुई है, जो कि बीती 2 मई से लापता है। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने जारी किया बयान शिकागो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने बताया है कि वह पुलिस और अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय के संपर्क में है। महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि महावाणिज्य दूतावास भारतीय छात्र रुपेश चंद्रा के लापता होने की खबर सुनकर बेहद चिंतित है।

दूतावास लगातार भारतीय समुदाय और पुलिस के संपर्क में है और उम्मीद है कि जल्द ही रुपेश का पता चल जाएगा। शिकागो पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें रुपेश के बारे में कोई भी जानकारी मिले तो उसे पुलिस के साथ साझा करें। रुपेश बीती 2 मई से शिकागो के 4300 ब्लॉक से एन शेरिडान रोड से लापता है। गौरतलब है कि इससे पहले मार्च में भी एक भारतीय छात्र लापता हो गया था, जिसका अप्रैल में शव बरामद हुआ था। हैदराबाद के रहने वाले मोहम्मद अब्दुल अरफात का शव ओहायो के क्लीवलैंड से बरामद किया गया था। अरफात क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी से आईटी में मास्टर की डिग्री की पढ़ाई करने अमेरिका गया था। अमेरिका में बढ़े भारतीय छात्रों पर हमले हाल के दिनों में अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत की घटनाएं बढ़ गई हैं। अप्रैल में एक भारतीय छात्र उमा सत्य साईं गड्डे की भी मौत हो गई थी, जिसकी जांच चल रही है। इससे पहले फरवरी में एक भारतीय छात्र पर हमला हुआ था।

संगठन का पूर्ण सदस्य बनने पर बेलारूस ने भारत का किया धन्यवाद, राजदूत ने कहा- हम भारतीय पक्ष के आभारी हैं

बेलारूस, 09 मई (एजेंसियां) ।

बेलारूस ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का पूर्ण सदस्य बनने पर भारत का धन्यवाद किया है। भारत में बेलारूस के राजदूत मिखाइल कास्को ने कहा कि बेलारूस पूर्ण सदस्य के रूप में राजनीतिक, आर्थिक, व्यापार, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक सहित अन्य एससीओ गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप में बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि हम बेलारूस गणराज्य के समर्थन के लिए भारतीय पक्ष के आभारी हैं।

एक साक्षात्कार में कास्को ने कहा कि बेलारूस गणराज्य रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थिति में होने के कारण एससीओ सहयोग के विकास में योगदान देने के लिए तैयार है। एससीओ देशों को पारंपरिक रूप से मजबूत और कुशल कृषि क्षेत्र, उच्च तकनीक उत्पादन, खाद्य, परमाणु, अर्थशास्त्र और सुरक्षा, औद्योगिक और वैज्ञानिक क्षमता के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में बेलारूस की क्षमताओं का उपयोग करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा, सामान्य परिवहन, रसद विकास, वैज्ञानिक तकनीकी सहयोग और मानवीय संबंधों को मजबूत करने पर भी जोर दिया। कास्को ने कहा कि बेलारूस परंपरागत रूप से संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता है। बेलारूस अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सभी सदस्यों के लिए एकजुट एजेंडा पेश करता है। बेलारूस बातचीत को बढ़ावा देता है।

क्या है एससीओ समिट

एससीओ समिट एक आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो दक्षिणी एशिया में स्थित देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। इस संगठन का निर्माण 2001 में शंघाई में हुआ था और इसमें चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, कजाखस्तान, उजबेकिस्तान, तजाकिस्तान और किर्गिजस्तान शामिल हैं। बता दें रूसी और मंदारिन वर्तमान में एससीओ में आधिकारिक और कामकाजी भाषाओं के रूप में उपयोग की जाती हैं। ग्रुप के दस्तावेज भी इन्हीं दो भाषाओं में तैयार किए जाते हैं। रूस और चीन के अलावा चार मध्य एशियाई राज्य एससीओ के संस्थापक सदस्यों में से हैं। बैठक में रूसी व्यापक रूप से बोली और लिखी जाती है।

एससीओ के सदस्य देश

भारत, भारत, कजाखिस्तान, किर्गिजस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन, पाकिस्तान।

एस जयशंकर से मिलेंगे मालदीव के विदेश मंत्री जमीर तल्ख रिश्तों के बीच साझेदारी मजबूत करने की जुगत

माले (मालदीव), 09 मई (एजेंसियां) ।

कूटनीतिक गतिरोध के बीच मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर नई दिल्ली पहुंचे। बृहस्पतिवार को उनकी विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात होगी, जिसमें दोनों नेता द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत की आधिकारिक यात्रा पर विदेश मंत्री मूसा जमीर का स्वागत है। उनकी यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों और हमारे बहुआयामी संबंधों को गति प्रदान करने के तरीकों को पर चर्चा होगी। मंत्रालय ने कहा कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी है और विदेश मंत्री जमीर की यात्रा से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और गति मिलने की उम्मीद है।

मालदीव और भारत के रिश्तों को मजबूत बनाने की कोशिशों के तहत विदेश मंत्री मूसा जमीर अपने पहले भारत दौरे पर हैं। इस दौरे का मकसद भारत के साथ दीर्घकालिक रिश्तों को और मजबूत बनाना है। जमीर की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत को मालदीव से अपने सैन्य कर्मियों को 10 मई तक वापस बुलाना है। इस संबंध में 3 मई को भारत और मालदीव के उच्च स्तरीय कोर समूह की चौथी बैठक हुई थी। गौरतलब है कि मालदीव का राष्ट्रपति बनने के तुरंत बाद मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने के लिए कहा था, जो वहां तीन उड्डयन प्लेटफॉर्म का संचालन कर रहे थे। भारतीय सैन्य कर्मियों का पहला जत्था वापस आ भी गया है।

मूसा की यात्रा इस मायने में भी अहम है क्योंकि पिछले कुछ महीने से भारत और मालदीव के संबंधों की तल्खी उभरी हैं। मालदीव के राष्ट्रपति ने अपने चुनावी अभियान में इंडिया आउट जैसे नारों का सहारा लिया, तो दूसरी तरफ उनके मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप प्रवास पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसके बाद पर्यटन पर आधारित देश मालदीव को सोशल मीडिया पर कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। चीन की तरफ झुकाव को लेकर आलोचना झेल रहे मुइज्जू का चीन दौरा भी चर्चा में रहा था। इस दौरे पर भी उन्होंने भारत का नाम लिए बिना किसी के सामने न झुकने जैसा बयान दिया था।

दक्षिणी गाजा में सिर्फ तीन दिनों तक स्वास्थ्य सेवाओं को जारी रखने के लिए ईंधन बचा, डब्ल्यूएचओ ने जताई चिंता

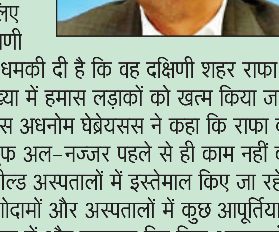

तेल अवीव । हमास और इजराइल में जारी युद्ध के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चिंता जाहिर की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि गाजा के दक्षिण में मात्र अगले तीन दिनों तक स्वास्थ्य सेवाओं को जारी रखने के लिए ईंधन बचा है। गौरतलब है कि इजराइली हमलों से बचने के लिए बड़ी संख्या में फलस्तीनियों ने दक्षिणी शहर में शरण ली है। इजराइल ने धमकी दी है कि वह दक्षिणी शहर राफा में बड़ा हमला करेंगे, जिससे बड़ी संख्या में हमास लड़ाकों को खत्म किया जा सके। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अधनोम घेब्रेयसस ने कहा कि राफा के तीन अस्पतालों में से एक अबू यूसुफ अल-नज्जर पहले से ही काम नहीं कर पा रहा है। इसके कुछ उपकरण फील्ड अस्पतालों में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। हालांकि, डब्ल्यूएचओ एहतियातन गोदामों और अस्पतालों में कुछ आपूर्तियां पहले से ही कर चुका है लेकिन गाजा में और सहायता दिए बिना अस्पतालों को चलाना मुश्किल है। राफा पर हमले को लेकर कई बार आगाह कर चुका है अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की थी और राफा को लेकर चिंता जाहिर की थी। अमेरिका सहित इजराइल के अन्य करीबी सहयोगियों ने कई बार कहा है कि इजराइल को राफा पर हमला नहीं करना चाहिए। बता दें, राफा में करीब 1.4 मिलियन फलस्तीनियों ने शरण ले रखी थी। शांति समझौते के प्रस्ताव का नेतृत्व कर रहे कतर ने भी कई बार कहा था कि राफा पर हमला होने से संघर्ष विराम के प्रयास पटरी से उतर जाएंगे।

अक्षय तृतीया पर स्नान-दान से मिलेगा अक्षय पुण्य

अक्षय तृतीया को विवाह के लिए अबूझ मुहूर्त माना गया है। इसे आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया का पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बिना मुहूर्त निकाले शुभ कार्य, विवाह करना, सोना-चांदी खरीदना, नए कार्य करने से जैसे काम किए जा सकते हैं।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया को एक शुभ मुहूर्त और महत्वपूर्ण तिथि माना जाता है। इस तिथि पर सभी तरह के मांगलिक और शुभ कार्य किए जा सकते हैं। अक्षय तृतीया के दिन खरीदारी करना बेहद शुभ होता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने नर और नारायण के रूप में अवतार लिया था।

अक्षय तृतीया पर इन कामों से मिलता है अक्षय पुण्य

इस साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 10 मई को है। इस दिन अक्षय तृतीया के साथ ही परशुराम जयंती भी मनाई जाती है।धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक इसी तिथि से सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत मानी जाती है। इस दिन किया गया जप, तप, ज्ञान, स्नान, दान, होम आदि अक्षय रहते हैं। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया के नाम से जाना जाता है। इस दिन किए गए व्रत-उपवास और दान-पुण्य से अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी ऐसा पुण्य जिसका कभी क्षय (नष्ट) नहीं होता है।

अक्षय तृतीया पर जल का दान जरूर करना चाहिए। साल में चार अबूझ मुहूर्त आते हैं। इन मुहूर्त में विवाह आदि सभी मांगलिक कार्य बिना शुभ मुहूर्त देखे किए जा सकते हैं। ये चार अबूझ मुहूर्त हैं- अक्षय तृतीया, देवउठनी एकादशी, वसंत पंचमी और भड़ली नवमी। ये चारों तिथियां किसी भी शुभ काम की शुरुआत के लिए सर्वश्रेष्ठ मानी गई हैं।

अक्षय तृतीया पर कई शुभ योग का निर्माण

इस साल अक्षय तृतीया पर 10 मई को कई शुभ योग बन रहे हैं। अक्षय तृतीया के दिन गजकेसरी योग और धन योग बन रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इस दिन सूर्य और शुक्र की मेष राशि में युति हो रही है, जिससे शुक्रादित्य योग बन रहा है। इसके साथ ही मीन राशि में मंगल और बुध की युति से धन योग, शनि के मूल त्रिकोण राशि कुंभ में होने से शश योग और मंगल के अपनी उच्च राशि मीन में रहकर मालव्य राजयोग और वृषभ राशि में चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग बन रहा है।

अक्षय तृतीया शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार इस साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 10 मई को सुबह 04:17 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन 11 मई को देर रात 02:50 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार अक्षय तृतीया का पर्व 10 मई 2024 को मनाया जाएगा। 10 मई को अक्षय तृतीया के दिन पूजा के लिए सुबह 05:33 मिनट से लेकर दोपहर 12:18 मिनट तक का समय रहेगा।

पितरों की तृप्ति का पर्व

अक्षय तृतीया के दिन बद्रीनाथ धाम के पट खुलते हैं। इस दिन तिल सहित कुश के जल से पितरों को जलदान करने से उनकी अनंत काल तक तृप्ति होती है। इस तिथि से ही गौरी व्रत की शुरुआत होती है, जिसे करने से अखंड सौभाग्य और समृद्धि मिलती है। अक्षय तृतीया पर गंगास्नान का भी बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने या घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

तीर्थ स्नान और अन्न-जल का दान

अक्षय तृतीया के इस शुभ पर्व पर तीर्थ में स्नान करने की परंपरा है। ग्रंथों में कहा गया है कि अक्षय तृतीया पर किया गया तीर्थ स्नान जाने-अनजाने में हुए हर पाप को खत्म कर देता है। इससे हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं।

इसे दिव्य स्नान भी कहा गया है। तीर्थ स्नान न कर सकें तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहा सकते हैं। ऐसा करने से भी तीर्थ स्नान का पुण्य मिलता है। इसके बाद अन्न और जलदान का संकल्प लेकर जरुरतमंद को दान दें। ऐसा करने से कई यज्ञ और कठिन तपस्या करने जितना पुण्य फल मिलता है।

दान से मिलता है अक्षय पुण्य

अक्षय तृतीया पर घड़ी, कलश, पंखा, छाता, चावल, दाल, घी, चीनी, फल, वस्त्र, सत्तू, ककड़ी, खरबूजा और दक्षिणा सहित धर्मस्थान या ब्राह्मणों को दान करने से अक्षय पुण्य फल मिलता है। अबूझ मुहूर्त होने के कारण नया घर बनाने की शुरुआत, गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठा जैसे शुभ कामों के लिए भी ये दिन खास माना जाता है।

ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का प्राकट्य दिवस

अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहते हैं। अक्षय का अर्थ है, जिसका क्षय न हो। इस तृतीया का विष्णु धर्मसूत्र, भविष्य पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण में उल्लेख है। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का इसी दिन प्राकट्य दिवस रहता है। दान के लिए खास दिन इस दिन अन्न व जल का दान करना शुभ माना है। खास कर जल से भरा घड़ा या कलश किसी मंदिर या प्याऊ स्थल पर जाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है। इस दिन प्रतिष्ठान का शुभारंभ, गृह प्रवेश व अन्य मंगलकार्य करना विशेष फलदायी रहता है।

भगवान विष्णु ने लिए कई अवतार

अक्षय तृतीया को चिरंजीवी तिथि भी कहा जाता है, क्योंकि इसी तिथि पर भगवान विष्णु के अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था। परशुराम जी चिरंजीवी माने जाते हैं यानी ये सदैव जीवित रहेंगे। इसके अलावा भगवान विष्णु के नर-नरायण, हयग्रीव अवतार भी इसी तिथि पर प्रकट हुए थे।

आज सुबह 7:15 बजे खुलेंगे बाबा केदारनाथ के कपाट

केदारनाथ उत्तराखंड राज्य में स्थित हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है। भगवान शिव को समर्पित केदारनाथ मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। केदारनाथ मंदिर के कपाट हर साल अक्षय तृतीया के दिन खोले जाते हैं। इस बार कपाट खुलने से पहले केदारनाथ मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जा रहा है। बाबा केदार की पैदल डोली यात्रा भी गौरीकुंड से केदारनाथ के लिये रवाना हो चुकी है। डोली में भगवान शिव की पिंडी स्थापित होती है। डोली को कंधे पर उठाकर श्रद्धालु केदारनाथ तक ले जाते हैं। डोली यात्रा हिंदुओं के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। श्रद्धालु इस यात्रा को जीवन में एक बार जरूर करना चाहते हैं। बाबा केदार की डोली केदारनाथ पहुंचने के बाद मंदिर के गर्भगृह में स्थापित कर दी जाती है।

कब खुलेंगे बाबा केदरनाथ के कपाट

10 मई 2024 को अक्षय तृतीया के दिन सुबह सात बजकर पन्द्रह मिनट पर केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलेंगे।

भव्य सजावट की खासियत

विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले केदारनाथ मंदिर फूलों से सजने लग गया है। मंदिर को सजाने के लिये फूल भी केदारनाथ पहुंच चुके हैं। मंदिर को लगभग दस टन फूलों से सजाया जायेगा।

बाबा केदार की डोली

बाबा केदार की डोली हिंदू धर्म और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह श्रद्धा, भक्ति और

10 टन फूलों से की जा रही है सजावट

आस्था का प्रतीक है। बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली तृतीय रात्रि प्रवास गौरीकुंड में करने के बाद केदारनाथ धाम के लिये रवाना हो गई है। आज दोपहर को डोली केदारनाथ पहुंचेगी और मंदिर के भंडार गृह में विश्राम करेगी। कल सुबह अक्षया तृतीय के पावन पर्व पर सुबह सात बजकर पन्द्रह मिनट पर बाबा केदार के कपाट खोल दिये जाएंगे। भगवान केदारनाथ के कपाट खोलने की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण हो गई हैं। आज दोपहर तक बाबा केदार की डोली भी केदारनाथ धाम पहुंच जाएगी। बाबा केदार की डोली आज केदारनाथ मंदिर के निकट भंडार गृह में ही रात्रि प्रवास करेगी।

बाबा केदार की डोली का श्रृंगार और आरती

आज सुबह गौरीकुंड में बाबा केदार की डोली का श्रृंगार करने के बाद आरती उतारी गई। जिसके बाद बाबा केदार की डोली हजारों भक्तों के साथ केदारनाथ धाम के लिये रवाना हुई।

वहीं दूसरी ओर कपाट खुलने के मौके पर केदारनाथ मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जा रहा है। भारी संख्या में मजदूर मंदिर को सजाने में जुटे हुये हैं। मंदिर को सजाने के लिये लगभग दस टन फूल मंदिर पहुंच चुके हैं।

फेंगशुई में लाल रिबन में बंधे तीन सिक्कों से कैसे आता है धन

फेंगशुई में, लाल रिबन में बंधे तीन सिक्कों को समृद्धि और धन आकर्षित करने के लिए एक शक्तिशाली प्रतीक माना जाता है। यह पारंपरिक चीनी सिक्कों का प्रतिनिधित्व करता है, जिन्हें समृद्धि का प्रतीक माना जाता था। लाल रिबन सौभाग्य और समृद्धि का रंग माना जाता है। यह जीवन शक्ति, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है। इस प्रकार, लाल रिबन में बंधे तीन सिक्के तीन गुना शक्ति प्रदान करते हैं, जो धन, सौभाग्य और समृद्धि को आकर्षित करने में मदद करते हैं।

यह कैसे काम करता है
सिक्कों का महत्व

सिक्के धातु से बने होते हैं, जो पृथ्वी तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। पृथ्वी तत्व वित्तीय स्थिरता और समृद्धि से जुड़ा होता है। तीन सिक्कों की संख्या त्रिमूर्ति का प्रतीक है, जो सृष्टि, संरक्षण और विनाश की देवी-देवताओं का समूह है। यह संतुलन और सद्भाव का प्रतीक है, जो धन आकर्षित करने के लिए आवश्यक है।

लाल रिबन का महत्व

लाल रिबन अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। अग्नि

तत्व जीवन शक्ति, उत्साह और समृद्धि से जुड़ा होता है। लाल रंग सौभाग्य और भाग्य का भी प्रतीक है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने में मदद करता है।

लाल रिबन में बंधे तीन सिक्कों का उपयोग कैसे करें

अपने घर में रखें- आप इन सिक्कों को धन के क्षेत्र में रख सकते हैं, जैसे कि दक्षिण-पूर्व कोने में। आप इन्हें अपने वॉलेट या पर्स में भी रख सकते हैं।

उन्हें उपहार में दें- ये सिक्के शुभकामनाओं और समृद्धि के प्रतीक के रूप में उपहार में दिए जा सकते हैं।

व्यवसाय में इस्तेमाल करें- आप इन सिक्कों को अपने व्यवसाय के कैश रजिस्टर या धन भंडारण क्षेत्र में रख सकते हैं।

इस बात का खास ख्याल रखें कि सिक्कों को नियमित रूप से साफ करते रहें ताकि उनमें सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको इस प्रतीक पर विश्वास होना चाहिए। सकारात्मक सोच और आस्था ही धन और समृद्धि को आकर्षित करने में आपकी मदद कर सकती है। अपनी समृद्धि को बढ़ाने के लिए आप अन्य फेंगशुई उपायों का भी उपयोग कर सकते हैं। अपने घर को साफ और व्यवस्थित रखें। धन और समृद्धि के लिए आभार व्यक्त करें। दानी बनें और जरूरतमंदों की मदद करें। लाल रिबन में बंधे तीन सिक्के धन, सौभाग्य और समृद्धि को आकर्षित करने का एक शक्तिशाली फेंगशुई प्रतीक हो सकते हैं।

शुक्रवार के दिन ऐसा क्या करें कि घर में लक्ष्मी जी का हो आगमन, बनी रही सुख समृद्धि

शुक्रवार के दिन लक्ष्मी मां की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि का वास होता है अगर मां लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद चाहते हैं तो हर शुक्रवार जरुर करें यह उपाय ।

मां लक्ष्मी को कमल का फूल बहुत प्रिय हैं। इसीलिए हर शुक्रवार के दिन मां को कमल का फूल जरुर चढ़ाएं।

शुक्रवार के दिन तुलसी के पौधे के सामने दीपक जरुर जलाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी और विष्णु जी दोनों की कृपा आपके घर-परिवार पर बनी रहती है।

शुक्रवार के दिन घर में सफेद चावल की खीर जरुर बनाएं और मां लक्ष्मी को खीर का भोग अवश्य लगाएं और बाद में प्रसाद के रुप में खीर सभी को दें।कोशिश करें इस दिन लक्ष्मी चालीसा का पाठ और लक्ष्मी जी की आरती जरुर करें।इस दिन घर में पोंछा लगाते समय उसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर डाल दें। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा चली जाएगी और घर में सुख-समृद्धि का आगमन होगा।

ऐसे शत्रुओं को हमेशा रखें करीब सफलता चूमेगी आपके कदम

चाणक्य नीति में कहा गया है कि कुछ प्रकार के शत्रुओं को हमेशा अपने करीब रखना चाहिए। यह थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन चाणक्य जी का मानना है कि कुछ शत्रु हमें सफलता प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। चाणक्य जी का मानना है कि हमें अपने शत्रुओं को कमजोर नहीं समझना चाहिए। हमें उनसे सतर्क रहना चाहिए और उनसे सीखने का प्रयास करना चाहिए।

शत्रुओं के कार्यों का विश्लेषण करके, हम अपनी रणनीति में सुधार कर सकते हैं और उन्हें हराने की बेहतर योजना बना सकते हैं। चाणक्य नीति में शत्रुओं के बारे में बहुत ज्ञान और अंतर्दृष्टि है। यह हमें सिखाता है कि कैसे अपने शत्रुओं से निपटना है, उनसे सीखना है, और उनका उपयोग अपनी सफलता के लिए करना है।

वह शत्रु जो हमेशा हमें चुनौती देता है- इस प्रकार का शत्रु हमें हमेशा अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने और अपनी रणनीति में सुधार करने के लिए प्रेरित करता है। वे हमें आत्मनिर्भर बनने और अपनी कमजोरियों को दूर करने में मदद करते हैं।

वह शत्रु जो हमारी गलतियों का खुलासा करता है- इस प्रकार का शत्रु हमें अपनी गलतियों से सीखने और उन्हें सुधारने का अवसर देता है। वे हमें सच्चा और ईमानदार बनने में मदद करते हैं।

वह शत्रु जो हमारी कमजोरियों का पता लगाता है- इस प्रकार का शत्रु हमें अपनी कमजोरियों का पता लगाने और उन्हें दूर करने में मदद करता है। वे हमें मजबूत और शक्तिशाली बनने में मदद करते हैं।

चाणक्य नीति में कहा गया है ऐसे शत्रुओं को हमेशा अपने करीब रखें जो आपको चुनौती देते हैं, आपकी गलतियों का खुलासा करते हैं और आपकी कमजोरियों का पता लगाते हैं। वे आपको सफलता प्राप्त करने में मदद करेंगे।

हमें अपने शत्रुओं से घृणा नहीं करनी चाहिए। हमें उनका सम्मान करना चाहिए और उनसे सीखने का प्रयास करना चाहिए।

क्रोध और घृणा हमें अंधा कर सकती है और हमें गलत निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकती है। हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमें अपने शत्रुओं को अपने जीवन पर नियंत्रण नहीं करने देना चाहिए। हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमें अपने शत्रुओं को अपने जीवन पर नियंत्रण नहीं करने देना चाहिए।

मैं डेली लाइफ में मेकअप-फ्री रहना पसंद करती हूं : प्रियंका चाहर चौधरी

एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी ने बताया कि वह केवल काम के वक्त ही मेकअप लगाती हैं, वरना वह अपने डेली लाइफ में पूरी तरह नेचुरल रहना पसंद करती हैं।प्रियंका ने बताया, मैं हमेशा मेकअप में नहीं रहती। मैं मेकअप केवल तभी लगाती हूं जब मैं काम कर रही होती हूं।एक्ट्रेस, जिन्होंने शो उड़ारियां से तेजो सिंह विर्क के रूप में सुर्खियां बटोरीं, ने खुलासा किया कि चाहे वह एयरपोर्ट हो या मॉल या मार्केट में, वह मेकअप-फ्री रहना पसंद करती हैं।उनके पास एक ब्यूटी हैक है। उन्होंने आगे कहा, मैं बस एक काम करती हूं, मैं थोड़ी सी लिपस्टिक लगाती हूं। उस लिपस्टिक को मैं अपने गाल, माथे और पलकों पर भी लगा लेती हूं, यह ब्लश जैसा दिखता है। पूरा मेकअप ऐसे ही किया जाता है।अपनी ड्रेस चॉइस के बारे में बात करते हुए, प्रियंका ने कहा, आम तौर पर, मैं वेस्टर्न कपड़े पहनती हूं, जो मेरे लिए बहुत आरामदायक होते हैं। मुझे कुर्तियां भी बेहद पसंद हैं, वह भी बहुत आरामदायक हैं। आरामदायक कपड़े मेरा फैशन स्टेटमेंट हैं।

रेखा ने हीरामंडी द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय की तारीफ की

बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा ने वेबसीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय की तारीफ की है।

संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा ,संजीदा शेख फरदीन खान और शेखर सुमम जैसे कलाकार शामिल हैं। हीरामंडी: द डायमंड बाजार हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज हुयी है। हीरामंडी द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा ने दोहरी भूमिका निभायी है। सोनाक्षी सिन्हा ने रेहाना और फरीदान की भूमिका निभायी है, जो मां बेटी होती हैं। सोनाक्षी के इन किरदारों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं । इस बीच रेखा ने भी सोनाक्षी की तारीफ की है।

हाल ही में हीरामंडी द डायमंड बाजार की शानदार स्क्रीनिंग हुई थीं, जिसमें पूरी स्टार कास्ट के साथ-साथ रेखा भी शामिल हुयी थी। इस दौरान उन्होंने सोनक्षी के किरदार को लेकर उनकी तारीफ की। इसका खुलासा सोनाक्षी सिन्हा ने किया है।

सोनाक्षी ने बताया कि, यदि मैं इसके बारे में सोचती हूं तो भी मैं अवाक रह जाती हूं। रेखा बहुत रोमांचित थी। उन्होंने मेरी मां से कहा था कि वह मेरी दूसरी मां है और वो मेरी बेटी है, आपकी बेटी नहीं और मुझसे बहुत प्यार करती है।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आएंगी हीरामंडी की अभिनेत्रियां, प्रोमो वीडियो आया सामने

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है।इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, मनीषा कोइराला, संजीदा शेख और ऋचा चड्ढा जैसी अभिनेत्रियों मुख्य भूमिकाओं में है।इन दिनों तमाम अभिनेत्रियों सीरीज के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। अब हीरामंडी की टोली कपिल शर्मा के नए कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आएगी।शो का नया प्रोमो वीडियो सामने आ चुका है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो का प्रोमो वीडियो साझा किया है, जिसमें सोनाक्षी सहित सभी अभिनेत्रियां कपिल के साथ खूब मस्ती करती नजर आ रही हैं।

सलमान खान की फिल्म सिकंदर में काम करेंगी रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना दबंग स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर में काम करती नजर आ सकती है।

सलमन खान ने इस साल ईद के अवसर पर अपनी नई एक्शन-थ्रिलर फिल्म सिकंदर अनाउंस की थी। कहा जा रहा है कि सलमान खान एक्शन-थ्रिलर फिल्म सिकंदर का पहला शेड्यूल मई में शुरू करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन मुरुगादॉस करेंगे।कहा जा रहा है कि सलमान खान की एक्शन ड्रामा फिल्म सिकंदर के लिए अभिनेत्री का नाम फाइनल हो गया है। रश्मिका मंदाना फिल्म सिंकदर में सलमान खान के अपोजिट काम करती नजर आ सकती हैं।

मुनव्वर फारुकी ने रैपर स्पेक्ट्रा के साथ अपना नया गाना 'धंधो' लांच किया

बिग बॉस फेम संगीतकार मुनव्वर फारुकी ने रैपर स्पेक्ट्रा के साथ अपना नया गाना 'धंधो' लांच किया है।

संगीतकार मुनव्वर फारुकी ने हाल ही में अपनी नवीनतम कृति 'धंधो' की घो-षणा की, जो बिग बॉस 17 जीतने के बाद उनकी पहली रिलीज़ है। रैपर स्पेक्ट्रा और संगीत निर्माता सेज़ ऑन द बीट के सहयोग से बनाए गए धंधो के पोस्टर को मुनव्वर फारुकी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। 'धंधो' मुनव्वर फारुकी और स्पेक्ट्रा के चार साल बाद फिर से साथ आने का प्रतीक है।'धंधो' अब सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सुनने के लिए उपलब्ध है और इसे मुनव्वर फारुकी के यूट्यूब पेज पर देखा जा सकता है। गाने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, मुनव्वर फारुकी ने कहा, मैं 'धंधो' को दुनिया के साथ साझा करने के लिए रोमांचित हूं।स्पेक्ट्रा के साथ सहयोग करना हमेशा खास होता है और मुझे उम्मीद है कि हर कोई हमारे गाने का उतना ही आनंद लेगा जितना हम लेते हैं।

कातिलाना अदाओं से निकिता दत्ता ने बरपाया कहर

हॉट लुक्स देखकर यूजर्स ने दिए रिएक्शंस

कबीर सिंह फेम निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर एक बार फिर से फैंस को अपने हुस्न का कायल कर दिया है।एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने गॉर्जियस लुक्स से फैंस का दिल जीत लेती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टा पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है।हाल ही में निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार लोगों के बीच छा गया है।निकिता दत्ता ने अपने फोटोशूट के दौरान रेड कलर का बैकलेस आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट एंड ग्लैमरस लग रही हैं।बालों का बन बनाकर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस निकिता दत्ता कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।एक यूजर ने उनकी फोटोज पर कॉमेंट्स करते हुए लिखा सो हॉट तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा सो ब्यूटिफुल।

धर्मेंद्र ने सोशल मीडिया पर शेयर किया स्पेशल वीडियो

बॉलीवुड के हीमैन धर्मेन्द्र ने सोशल मीडिया पर स्पेशल वीडियो शेयर किया है। धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव रहते हैं। वह अपने नए नए पोस्ट और ट्वीट से फैंस का ध्यान खींचते रहते हैं। इसी बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने द्वारा निभाए गए कुछ किरदारों की झलक फैंस को दिखाई है।

इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में धर्मेंद्र ने लिखा, आपके रिस्पॉन्स के लिए सभी को प्यार।इससे पहले धर्मेंद्र ने अपने दोस्तों के साथ एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें सुपरस्टार अपने पुराने दोस्तों रंजीत और अवतार गिल का हाथ पकड़े नजर आ रहे हैं।धर्मेंद्र ने फोटो शेयर करते हुए लिखा- गोली... गिल.... यार पुराने। अचानक मिल जाते हैं जब।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक़्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें।
आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक़्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक़्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक रूमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दुःखी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रूरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।
आपकी खूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक़्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक़्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 10 मई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 02:52 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रात: 10:47 तक
योग : अतिगंड दोपहर 12:06 तक
करण : तैतिल दोपहर 03:31 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 10:26 तक
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अक्षय तृतीया , श्री परशुराम–बसवेश्वर जयंती , युगादि तिथि , कल्पादि तिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान का टिकाऊ और दीर्घकालीन विकास बने प्राथमिकता : मिश्र

जयपुर, 09 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के संतुलित और सतत विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें और राज्य का टिकाऊ और दीर्घकालीन विकास प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री मिश्र गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सर्वांगीण विकास के तहत आदिवासी कल्याण, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, उद्योग आदि क्षेत्रों में सुनियोजित योजनाओं के जरिए दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (सीएसआर) के तहत राज्य के विकास से जुड़े प्रभावी कार्य हाथ में लेकर उनके क्रियान्वयन की भी आवश्यकता जताई।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल सलाहकार मंडल के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों के सुझाव आमंत्रित कर उनके आधार पर प्रदेश के सतत, स्थायी और चहुंमुखी विकास के लिए कार्य किए जाने की पहल की गई है। विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व की बैठकों में आए सुझावों के विश्वविद्यालयी शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में लागू करने से सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। उन्होंने बैठक में राजस्थान में उपलब्ध संसाधनों का समुचित दोहन कर प्रदेश के युगानुकुल विकास के लिए कार्य किए जाने, उद्यमिता विकास के लिए प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि राजभवन स्तर पर राज्यपाल राहत कोष के पुनर्गठन, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावी विकास, आदिवासी क्षेत्रों के टिकाऊ विकास से जुड़े मुद्दों की मॉनिटरिंग के लिए राजभवन स्तर पर जनजातीय एकक की स्थापना की गई है। राजभवन में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है।

राज्य सलाहकार समिति के सदस्यों ने बैठक में वनस्थली विद्यापीठ की तर्ज पर आदिवासी क्षेत्र में महिला विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने का भी विशेष रूप से सुझाव दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत पब्लिक हेल्थ कैडर बनाने और शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए व्यावहारिक प्रयास किए जाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल और आयुष्मान भारत के समेकित क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इसी तरह आदिवासी क्षेत्रों में ग्राम न्यायालयों की अधिकाधिक स्थापना, राजस्व मामलों में त्वरित न्याय पद्धति के विकास और ट्राइबल क्षेत्रों के लिए हाईकोर्ट बेंच स्थापित किए जाने का राजभवन स्तर पर प्रस्ताव भिजवाए जाने का भी सुझाव आया। उच्च और तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत प्रशिक्षित मानव संसाधन के लिए उद्योग–एकेडमिया लिंक स्थापित करने, वित्तीय साक्षरता पर कार्य करने और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम विकसित करते हुए पूरी तरह से ई गवर्नेंस लागू करने के महती सुझाव दिए गए।

राज्य सलाहकार मंडल ने राज्य के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए समन्वित प्रयास किए जाने, राजस्थान से बाहर के राज्यों के लघु और मध्यम, सूक्ष्म लघु उद्योगों की राज्य में स्थापना, उद्यमिता को केंद्र में रखकर कार्य करने और उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए विभिन्न स्तरों पर कदम उठाए जाने पर भी जोर दिया। बैठक में टीएमआई समूह के चेयरमैन टी. मुरलीधरन, एचआरएच ग्रुप के निदेशक लक्ष्यराज सिंह मेवाड़,वरिष्ठ अधिवक्ता आर. एन. माथुर, अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा, शिक्षाविद प्रो. एके गहलोत और डा. विश्वपति त्रिवेदी ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए अपने सुझाव दिए।

राज्यपाल सलाहकार मंडल के सदस्यों ने राजभवन द्वारा नई शिक्षा नीति के आलोक में शैक्षिक गुणवत्ता के लिए किए गए कार्यों और राज्यपाल स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में स्वयं मॉनिटरिंग कर विकास के लिए प्रभावी वातावरण निर्माण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। राजभवन में देश के पहले संविधान पार्क की स्थापना की पहल को भी महत्वपूर्ण बताया गया।

सैम पित्रोदा के विवादित बयान पर सीपी जोशी भड़के, बोले–
रंग रूप के आधार पर टिप्पणी शर्मनाक

जयपुर, 09 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के देशवासियों को लेकर दिए गए बयान की कड़ी भर्त्सना की हैं। श्री जोशी ने अपने बयान में गुरुवार को कहा कि इनका यह बयान अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर रंगभेद, नस्लभेद की मानसिकता के आधार पर किए गए अत्याचार को प्रदर्शित करता है।

उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में दूसरे देशों से तुलना कर भारत को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने अनेकता में एकता भारत की ताकत बताते हुए कहा कि रंग रूप के आधार पर टिप्पणी करना शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी दुनिया में भारत की ख्याति बढ़ा रहे हैं जबकि कांग्रेस अपने बयानों से देशवासियों को अपमानित कर रही है। श्री जोशी ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस की विभाजनकारी नीति ने देश को कमजोर किया हैं। कांग्रेस ने देश की एकता और अखंडता को ठेस पहुंचाई, फूट डालो और शासन करो की नीति अपनाई। विभाजनकारी नीति कांग्रेस की सोच है और देश को धर्म, जाति और रंग के आधार पर बांटने की कोशिश की जा रही है।

ई–मित्र संचालक को एक लाख रुपए रिश्वत लेते एसीबी ने दबोचा गिरफ्तार

जयपुर, 09 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जयपुर जिले में फागी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत लसाड़िया में एक ई मित्र संचालक को गुरुवार को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

ब्यूरो के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई (एसआईयू) जयपुर को परिवादी ने शिकायत की कि उसके पिता की मृत्यु होने पर श्रमिक डायरी के आधार पर श्रम विभाग से क्लेम पास कराने की एवज में आरोपी एवं ई मित्र संचालक विश्राम गुर्जर एक लाख रुपए की रिश्वत की मांग कर रहे हैं। इस पर एसीबी की टीम ने शिकायत के सत्यापन के बाद आरोपी विश्राम गुर्जर को परिवादी से एक लाख रुपए (30 हजार रुपए भारतीय मुद्रा एवं 70 हजार रुपए डमी करेंसी) की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के उपमहानिरीक्षक रणधीर सिंह के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है।

हरियाणा की सभी सीटों पर कमल खिलेगा : मनोहर लाल खट्टर

चंडीगढ़/पानीपत, 09 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दावा किया है कि आने वाली चार जून को जब लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो हरियाणा की जनता राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की झोली में डालने का काम करेगी।

श्री खट्टर ने हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटों और करनाल विधानसभा की सीट समेत बड़े अंतर से जीत का दावा किया। उन्होंने गुरुवार को घरौंडा और पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क यात्रा के बाद पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने फैसला कर लिया है कि वह विपक्ष के बहकावे में नहीं आने वाली है और हर हाल में भारतीय जनता पार्टी की तीसरी बार सरकार बनाने का काम करेगी। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विपक्ष को चार जून को अपनी असलियत पता चल जायेगी। श्री खट्टर ने कहा कि राज्य के तीन निर्दलीय विधायकों द्वारा सरकार से समर्थन वापस लेने के बावजूद नायब सिंह सैनी की सरकार बहुमत में है और पूरी तरह से मजबूत है। जननायक जनता पार्टी के अध्यक्ष दुष्यंत चौटाला द्वारा कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार गिराने के प्रयास पर उन्होंने कहा कि श्री चौटाला को जो करना है, वह करें, यह उसका काम है। जब उनसे यह पूछा गया कि श्री चौटाला अपने विधायकों की शिकायत विधानसभा अध्यक्ष से करने वाले हैं, तो उन्होंने कहा कि जब शिकायत आयेगी, तब उस शिकायत पर उस हिसाब से कार्रवाई की जायेगी।

देश में संविधान–लोकतंत्र बचाने की जंग चल रही है : सैलजा

चंडीगढ़/ रानियां, 09 मई (एजेंसियां)।
हरियाणा सिरसा लोकसभा सीट से कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) की उम्मीदवार कुमारी सैलजा ने कहा है कि 10 साल की राजनीति में बहुत बदलाव आया है, देश में अब संविधान और लोकतंत्र बचाने की जंग चल रही है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जनता के हित में कोई काम करने के बजाय उसके साथ पोर्टल–पोर्टल खेल रही है।

सैलजा ने गुरुवार को रानियां विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा कर कार्यक्रमों में भाग लिया और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को बर्बाद हुई फसलों का मुआ–वजा नहीं दे रही और धनाड्यों के लाखों–करोडों रुपये के कर्जे माफ कर दिये जाते हैं। सबका साथ, सबका विकास का नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने जब सरपंचों के सारे को अधिकार ही छीन लिये तो गांवों में विकास कैसे होगा, इस सरकार के कार्यकाल में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई तेजी से बढ़ रहे हैं। सरकार जनहित के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय जनता को मुद्दों से भटकाकर देश और समाज में धर्म के नाम पर बंटवारे की बात करती है।

सैलजा ने गांव भंभूर से चुनावी दौरा शुरू किया, वह जिस–जिस गांवों में गईं, वहां पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। युवाओं में उत्साह देखते ही बनता था, महिलाओं और बुजुर्गों ने सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया।

पुलिस ने छह साल से लापता लड़की को परिजनों से मिलवाया

चंडीगढ़, 09 मई (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने छह साल से प्रयागराज उत्तर प्रदेश से लापता लड़की को उसके परिजनों से मिलवाने में सफलता प्राप्त की है। यह लड़की (12) मानसिक रूप से बीमार है और छह वर्ष से लापता थी। इस किशोरी को स्टेट क्राइम ब्रांच की एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट पंचकूला में कार्यरत एएसआई राजेश कुमार की कड़ी मेहनत और संवेदनशीलता की वजह से तलाश किया गया है। इसके लिये पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने उन्हें अपनी शुभकामनायें दीं और भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत और लगन के साथ कार्य करने के लिये प्रेरित किया।

हरियाणा पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को 29 जनवरी 2024 को सूचना प्राप्त हुई कि एक गुमशुदा लड़की जिसकी आयु लगभग 18 वर्ष (वर्तमान आयु) है, नारायणगढ़ स्थित चाइल्ड केअर इंस्टीट्यूट में रह रही है। यह लड़की छह साल से यमुनानगर बाल कुंज छछरौली में रह रही थी जो 21 नवंबर 2019 में रेलवे स्टेशन अंबाला पर लावारिस हालत में मिली थी। इस मामले की जांच एएसआई राजेश कुमार को सौंपी गयी। एएसआई राजेश कुमार ने गुमशुदा लड़की से वीडियो कॉलिंग करते हुये उसकी कई बार काउंसलिंग की। चूंकि लड़की मानसिक रूप से बीमार थी, तो वह अपने बारे में ज्यादा जानकारी देने में सक्षम नहीं थी।

वह केवल बार–बार मुगलसराय नामक एक शब्द बोल रही थी जिसे आधार मानकर गुमशुदा लड़की की पहचान करने के लिये प्रयास शुरू किये गये। परिजनों ने हरियाणा पुलिस का आभार जताया है।

सैनी सरकार का संकट बढ़ा, चौटाला ने राज्यपाल को लिखी चिट्ठी

चंडीगढ़, 09 मई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय को चिट्ठी लिखकर नायब सिंह सैनी सरकार से बहुमत सिद्ध करवाने का अनुरोध किया है।

चिट्ठी में श्री चौटाला ने लिखा है कि हाल में तीन निर्दलीय विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। उन्होंने लिखा है कि जजपा का स्पष्ट रुख है कि वह इस सरकार का समर्थन नहीं करती और किसी भी अन्य राजनीतिक दल का सरकार बनाने में समर्थन करने के लिये तैयार है।उन्होंने लिखा है कि जाहिर है, वर्तमान सरकार विधानसभा में बहुमत खो चुकी है। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वह त्वरित कार्यवाही करें।करनाल से लोकसभा चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और हिसार से चुनाव लड़ रहे रंजीत चौटाला के विधायक पद से इस्तीफे के बाद 90 सदस्यीय सदन में 88 विधायक हैं। जजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद जब मार्च में श्री सैनी की सरकार बनी थी तो निर्दलीय विधायकों का उसे समर्थन था। निर्दलीय विधायक रंजीत चौटाला के इस्तीफे के बाद छह निर्दलीय विधायक बचे जिनमें से तीन ने सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा की है। इसके अलावा भाजपा सरकार को हरियाणा लोकविकास पार्टी के एक विधायक का समर्थन है। दूसरी तरफ विपक्षी खेमे में कांग्रेस के 30, जजपा के 10 और इंडियन नेशनल लोकदल का एक विधायक है। तीन निर्दलीय विधायकों, जिन्होंने कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा की थी, को मिलाकर विपक्षी खेमे के पास 44 विधायक हैं।हालांकि, श्री खट्टर और श्री सैनी का दावा है कि उनकी सरकार पर कोई संकट नहीं है और उन्होंने विपक्षी खेमे से कुछ विधायकों के संपर्क में होने का दावा भी किया है। जजपा के भी विधायक इसमें शामिल हैं, जिनके बारे में पूछने पर श्री चौटाला ने बुधवार को प्रेस वार्ता में कहा था कि विधायक पार्टी व्हिप से बंधे हैं।

भाजपा के देवराजे गौड़ा के खिलाफ

यौन उत्पीड़न, जातिसूचक गालियां देने के आरोप में मामला दर्ज

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

होलेनरसीपुरा की एक महिला ने भाजपा नेता देवराजे गौड़ा के खिलाफ यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेल की शिकायत दर्ज कराई है, जिन्होंने प्रज्वल रेवन्ना के कथित यौन शोषण वीडियो के बारे में पार्टी के राज्य नेतृत्व को चेतावनी दी थी। एक अलग शिकायत में देवराजे पर महिला के पति के खिलाफ जातिवादी गाली देने का भी आरोप लगाया गया है। महिला ने 1 अप्रैल को कथित यौन उत्पीड़न के बारे में शिकायत दर्ज की थी लेकिन एफआईआर में यह नहीं बताया गया है कि कथित हमले कब किए गए थे, बल्कि केवल यह उल्लेख किया गया है कि वे कई महीनों में किए गए थे। उनके पति ने बीते दिन 31 मार्च को होलेनरसीपुरा टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज

कराई थी। अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि वह देवराजे गौड़ा के संपर्क में तब आई जब वह और उसके पति लगभग 10 महीने पहले जमीन का एक टुकड़ा बेचने की कोशिश कर रहे थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने उन्हें जमीन के दूसरे भूखंड पर घर बनाने में मदद करने का वादा किया और उससे कहा कि अगर वह उसकी शर्तों से सहमत होगी तो वह उसे भूखंड के लिए खाता दिलाने में मदद करेगा। शिकायत में कहा गया है कि देवराजे उसे हासन जिले में ले गए और उसका यौन उत्पीड़न किया। बाद में वह उसके घर गया और फिर से उसका यौन उत्पीड़न किया। इसके अलावा, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि फरवरी में, देवराजे ने उसे एक वीडियो कॉल पर रिकॉर्ड किया और उसे यह कहते हुए ब्लैकमेल किया कि अगर उसने सहयोग नहीं किया तो वह उसके पति को मार डालेगा। जब उसने सहयोग करने से इनकार कर दिया, तो देवराजे ने 4 फरवरी को कहा कि वह रिकॉर्ड की गई सामग्री को ऑनलाइन प्रसारित कर देगा। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसे दूसरे आरोपी से फोन आया, जिसकी पहचान भाजपा कार्यालय कार्यकर्ता वीना के रूप में हुई, उसने उसके घर का स्थान और बैंक खाता नंबर पूछा। इसके बाद, दो अज्ञात लोग उसके घर में घुस आए और उसका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश करने से पहले उसे धमकी दी कि वह देवराजे से जुड़े मुद्दों में अब और हस्तक्षेप न करे।

जब शिकायतकर्ता को देवराजे का फोन आया और उसने इन घटनाओं के बारे में किसी को भी सूचित न करने का आग्रह किया, तो उसने कॉल रिकॉर्ड कर ली और उससे कहा कि वह इसे पुलिस को दे देगी। इस बीच, महिला के पति द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, इससे पहले कि दो अज्ञात लोगों ने उसकी पत्नी को धमकी दी, देवराज ने उसे जातिवादी गालियां दीं। इस शिकायत के मुताबिक, देवराजे ने धमकी दी कि अगर परिवार पुलिस के पास गया तो वह उन्हें मार डालेगा। इसमें आगे आरोप लगाया गया कि देवराजे ने दावा किया कि वह ऐसे व्यक्ति थे जो पूर्व प्रधान मंत्री (एचडी देवेगौड़ा) के परिवार के खिलाफ गए थे। देवराजे ने कथित तौर पर प्रज्वल के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए कर्नाटक भाजपा के शीर्ष अधिकारियों को एक पत्र भेजा था, जिसे राज्य अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने प्राप्त करने से इनकार कर दिया था। शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत देवराजे गौड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज गरजे

लव जिहाद खूब हुआ अब वोट जिहाद हो रहा

मंदिर तोड़ने की बात उठाई

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री व बेगूसराय से भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी ने एक फ़िक्र से सुर्खियों में हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि देश की दिशा देखें। देश में जो हो रहा है, वह देखें। पूरे देश में पीएम मोदी को हराने के लिए वोट जिहाद हो रहा है। लव जिहाद हुआ, लैंड जिहाद हुआ और अब वोट जिहाद हो रहा है। इस वोट जिहाद को टक्कर देना तो पीएम मोदी के साथ एक-एक सनातनी को खड़ा होना पड़ेगा। तभी इसे टक्कर दे पाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमसे तो आप लड़ लेंगे। आपका अधिकार है। हम आपके पास रहेंगे। हम आपकी बात को मानेंगे और सुनेंगे। लेकिन, यह समय तानाशाह का समय है। समय

जरूर बदल गया। तारीख जरूर बदल गई है। लेकिन, माहौल बिगड़ते जा रहा है। आपको पता है इसी बेगूसराय में एक अतिपिछड़े समाज का मुखिया था। उसकी हत्या हो गई। आप जानते हैं उसकी हत्या क्यों हो गई? 60 प्रतिशत वहां हिन्दू थे। 40 प्रतिशत अन्य धर्म के थे। बीरेंद्र शर्मा की हत्या हो गई। यह हत्या नहीं चुनौती थी।

गिरिराज सिंह ने कहा कि आप वोट नहीं देंगे आप राष्ट्र निर्माण में पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करेंगे। बेगूसराय के खात-ोपुर में अगर हमारा शिव मंदिर टूटता है तो कोई जाए या न जाए अगर गिरिराज को कुर्बानी देनी होगी तो मैं वहां दूंगा। अगर खातोपुर में किसी मस्जिद का एक ईंट भी उखड़ गया होता तो बेगूसराय में आग लग गई होती। लेकिन, आपकी उपस्थिति रही। बेगूसराय के लोग अगर अपना समर्थन देते तो तस्वीर कुछ और होती। मैं विनती करता हूं कि जब सनतान बचेगा तब भी आपकी जाति बचेगी।

बिहार में लोकसभा चुनाव का पर्चा दाखिल करने आया प्रत्याशी गिरफ्तार

भोजपुर (एजेंसियां)।

भोजपुर में पिछले 7 मई से लोकसभा 2024 का नॉमिनेशन जारी है। एनडीए के प्रत्याशी आरके सिंह नॉमिनेशन कर चुके हैं। हर दिन कोई ना कोई निर्दलीय या लोकल पार्टी के प्रत्याशी नॉमिनेशन करने जिला समाहरणालय पहुंच रहें हैं। भोजपुर पुलिस ने नॉमिनेशन के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी को गिरफ्तार कर लिया है। निर्दलीय प्रत्याशी लोकल पार्टी भारतीय क्रांतिवीर पार्टी के प्रत्याशी कृष्णा कुमार पासवान उर्फ वैध राज हैं जिन्हें पुलिस ने डीएम कार्यालय से ही गिरफ्तार कर लिया। दर्जनों समर्थकों के साथ आये प्रत्याशी को समझ नही आया कि यह क्या हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरा में इस चुनाव में पहली बार नॉमिनेशन के दौरान किसी प्रत्याशी की गिरफ्तारी हुई है। इस मामले में भोजपुर एसपी नीरज कुमार ने बताया कि आपराधिक मामला होने के वजह से कृष्णा कुमार पासवान उर्फ वैध

राज की गिरफ्तारी हुई है।

भोजपुर एसपी नीरज कुमार ने बताया कि नॉमिनेशन करने आये कृष्णा कुमार पासवान उर्फ वैध राज पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। संदेश थाना में पहले से कई मामले हैं, जिसमे इनके द्वारा बेल लिया गया है लेकिन इस साल दर्ज केस 47/24 में इन्होने अपना बेल नही कराया था। कांड दर्ज होने के बाद से यह लगातार फ़रार चल रहे थे। तभी आज सूचना मिली कि धारा 307 के आरोपी कृष्णा कुमार पासवान उर्फ वैध राज नॉमिनेशन फाइल करने आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने पहले से घेराबंदी कर रखी थी।फिलहाल पुलिस ने कृष्णा कुमार पासवान उर्फ वैध राज को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार कृष्णा कुमार पासवान उर्फ वैध राज के समर्थकों का कहना है कि वह पहले भी कई चुनाव लड़ चुके हैं।.एमएल व एमपी समेत जिला परिषद का चुनाव भी कृष्ण कुमार लड़ चुके हैं। इनके द्वारा खुद की पार्टी बनाई गई है, जिसका नाम भरतीय क्रांतिवीर पार्टी है। फिलहाल वह पुलिस की गिरफ्त में हैं।

जेडीएस ने राज्यपाल से पेन ड्राइव मामला सीबीआई को सौंपने का किया अनुरोध: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन के पेन ड्राइव मामले में एसआईटी द्वारा पारदर्शी और निष्पक्ष जांच नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए जेडीएस ने राज्यपाल को एक याचिका सौंप कर मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया। पेन ड्राइव उजागर करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक महिला के अपहरण के कथित मामले में भी संदेह पैदा हो गया है।

इसके लिए जेडीएस ने राज्यपाल से एसआईटी जांच की जगह सीबीआई जांच कराने का अनुरोध किया। पार्टी की कोर कमेटी की बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि राज्यपाल को बताया गया कि एसआईटी जांच का रास्ता भटक गया है। मैंने पहले दिन कहा था कि मैंने आरोप सुना है कि और जिसने भी गलत किया है उसे

सजा मिलनी चाहिए। लेकिन, इस माहौल को देखकर लगता है कि कांग्रेस के लोगों को सजा नहीं, प्रचार चाहिए। इतने दिनों की जांच पर नजर डालें तो उनकी उपलब्धि क्या है? उन्होंने मुझ पर निर्माता, मुझ पर निर्देशक और मुझ पर नायक होने का आरोप लगाया है। डीसीएम शिवकुमार इस बात से खुश हैं कि ऐसी कहानियों को किसी नायक की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुझे नायक के रूप में स्वीकार कर लिया है। अपहृत महिला को न्यायालय के समक्ष पेश क्यों नहीं किया गया? एसआईटी सूत्र ने बताया कि उसे फार्म हाउस से लाया गया था। एसआईटी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि इसे कहां से लिया गया था। पांच दिन बाद महिला को कोर्ट के सामने क्यों नहीं लाया जा रहा? महिला ने जज के सामने बयान क्यों नहीं दिया। मुझे नहीं पता कि 4 जून के बाद यह मुद्दा खत्म हो जाएगा या नहीं। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी पर हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े स्पष्ट वीडियो के प्रसार के पीछे होने का आर-ोप लगाया और उन्हें ब्लैकमेलिंग का राजा और 'प्रमुख, निदेशक और कहानी का निर्माता बताया। शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, कुमारस्वामी द्वारा उन्हें कथित सेक्स वीडियो के प्रसार में प्रमुख साजिशकर्ता करार देते हुए उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। 33 वर्षीय जद (एस) सांसद, जो कुमारस्वामी के भतीजे हैं, यौन शोषण के आरोप का सामना कर रहे हैं। इस घोटाले ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है और सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा-जद(एस) आपस में भिड़ गए हैं। जबकि कांग्रेस सरकार ने मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, भाजपा और जद (एस) ने मांग की है कि इसे सीबीआई को सौंप दिया जाए। कुमारस्वामी पेन-ड्राइव (स्पष्ट वीडियो क्लिप वाले) मामले के बारे में पूरी तरह से जानते हैं। एक वकील (देवराजे गौड़ा) और अन्य लोग बोल रहे हैं। कुमारस्वामी मेरा इस्तीफा चाहते हैं, ऐसा लगता है कि वोक्कालिगा नेतृत्व के लिए प्रतिस्पर्धा है। मुझे इस्तीफा देने दीजिए, जैसा वह चाहते हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा एक के बाद एक को (राजनीतिक रूप से) खत्म करना कुमारस्वामी का काम है। ब्लैकमेल करना, (कुमारस्वामी) ब्लैकमेल के राजा हैं। वह हर किसी को धमकी दे रहे हैं, अधिकारी, राजनेता और क्या है उनके पास करने के लिए? इस सब पर चर्चा करना है तो चलो विधानसभा में चर्चा करते हैं।

अमेरिका से भारत आई शादीशुदा महिला, हनीमून से लौटते ही गिरफ्तार

पूर्णिया (एजेंसियां)।

किशनगंज जिले से सटे भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पानी टंकी से एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। यहां एक विदेशी महिला प्यार के लिए अपने 11 साल की बेटी को लेकर भारत आ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विदेशी महिला का नाम नैना काला पौडेल है और उसकी बेटी का नाम यूनिस बिस्वा है। ये दोनों अमेरिका के रहने वाले हैं। नैना की फेसबुक पर एक भारतीय नीमा तमांग से मुलाकात हुई। देखते ही देखते उसे फेसबुक पर एक दूसरे से प्यार हो गया। प्यार का परवान चढ़ने लगा और दोनों से एक दूसरे की जुदाई सही नहीं गई। दोनों ने एक दूसरे से शादी करके का मन बना लिया।

इसके बाद नैना अपनी बेटी के साथ नीमा तमांग से शादी करने के लिए हवाई मार्ग से 19 मार्च 2024 को अमेरिका के न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंची। यहां वह दो दिन रुकने के बाद 21 मार्च 2024 को नई दिल्ली से बागडोगरा पहुंचे। फिर

वहीं नीमा तमांग के घर भाटपाड़ा चाय बागान, कालचिनी पहुंची। इसके बाद 13 अप्रैल 2024 को ग्रेस वैली चर्च, भाटपाड़ा में उसने नीमा तमांग के संग शादी रचाया।

जब नीमा तमांग ने अलीपुर द्वार जिले के हैमिल्टनगंज की एक दुकान से दस हजार रुपये देकर नैना काला पौडेल और उसके बेटी का फर्जी आधार कार्ड बनाया। इसके बाद 21 अप्रैल को ही हनीमून के उद्देश्य से पानी टंकी नए पुल के रास्ते वे फ़र्जी आधार कार्ड के जरिए नेपाल गए। हनीमून मनाने के बाद 7 मई मंगलवार को वे तीनों भारत लौट रहे थे। उसी दौरान पानी टंकी सीमा पर तैनात एसएसबी की 41वीं वाहिनी के पानी टंकी बीआईटी कर्मियों ने अमेरिकी मां-बेटी नैना काला पौडेल (40) और यूनिस बिस्वा (11) को पकड़ लिया।

एसएसबी ने भारतीय नागरिक नीमा तमांग (33) को भी पकड़ लिया। नैना काला पौडेल के पास 2029 तक वैध पांच साल तक भारतीय वीजा भी है। वहीं, उसकी बेटी यूनिस बिस्वा का वीजा 20 मार्च 2025 तक वैध है।

बता दें कि नीमा तमांग अलीपुरद्वार जिले के नयालाइन, भाटपाड़ा चाय बागान, कालचीनी इलाके का रहने वाला बताया गया है। एसएसबी ने अपनी आवश्यक कार्रवाई करने के बाद अमेरिकी मां-बेटी व नीमा तमांग को खोरीबाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बुधवार को अमेरिकी मां-बेटी व भारतीय नागरिक को पांच दिन की पुलिस रिमांड अर्जी पर सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया। पुलिस मामले की अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

विपक्षी दलों का नहीं खुलेगा खाता : चिराग

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र के एनडीए के जदयू प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी के नामांकन सभा में पहुंचे लोजपा आर के सुप्रीमो चिराग पासवान ने कहा कि इस बार बिहार में विपक्षी दलों का खाता नहीं

खुलने वाला है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सभा में भीड़ उमड़ रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों की आस्था जगी है जो साबित करता है कि आने वाले चार जून को एक बार फिर से 400 पार कर नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे।

वहीं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी प्रसाद यादव जो मेरे छोटे भाई हैं। सभा में कुर्ता उठाकर वोट मांग रहे हैं मेरी सलाह है कि पहले वह अपना सही ढंग से इलाज करा लें। उन्होंने कहा कि आज पांच लाख नौकरी का ढिंढोरा जो पीटते चल रहे हैं। उन्हें लोगों को यह भी बताना चाहिए कि 15 साल में उनकी मां एवं पिताजी के शासनकाल में उन्होंने कितने लो-गों को नौकरी दिया और कितने लोगों को आरक्षण दिया। लालू राबड़ी के शासनकाल में नहीं तो नौकरी दिया गया और नहीं किसी को आरक्षण दिया गया। अगर आरक्षण दिया गया तो सिर्फ परिवार के लोगों को आरक्षण मिला है।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जिस तरह से पूरे भारत में इस चुनाव में युद्ध छिड़ा है एक तरफ हम लोगों का पांडवों सी सेना है तो दूसरी तरफ कौरव ही सेना है। तरह-तरह से महा गठबंधन के लोग लोगों को ठगने का कार्य कर रहे हैं। बिहार की जनता जान रही है कि अगर हम लोग थोड़ा सा भी चूक करेंगे तो 2005 के पूर्व वाली स्थिति बिहार में बन जाएगी और जंगल राज आजाएगा जंगल राज आ गया तो सड़क पर मां-बहनों का निकलना दुभर हो जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए हम पार्टी के सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि इस बार बिहार के सभी 40 सीटों पर एनडीए प्रत्याशी की जीत होगी। उन्होंने कहा कि इस बार महागठबंधन के नेताओं के झांसे में मतदाता आने वाले नहीं हैं। इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि जिस तरह से नरेंद्र मोदी एवं नीतीश कुमार की जोड़ी कार्य कर रही है इससे बिहार में तेज रफ्तार से विकास हो रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज फ़ोर लेन एवं सिक्स लेन पर चलने वाले लोग विकास कहां है पूछ रहे हैं। उन्हें शर्म आना चाहिए कि उनके राज में सड़क की स्थिति क्या थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com